सुविचार
अज्ञान सर्वत्र आदमी को पछाड़ता है और आदमी है कि सर्वत्र उससे लोहा लेने के लिए कमर कसे रहता है।

Daily
सच के हक में...
THE PHOTON NEWS
Published from Ranchi

नीना गुप्ता की ईमानदारी मुझ पर असर करती...

Ranchi ● Friday, 08 December 2023 ● Year : 01 ● Issue : 317 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

संसेक्स	:	69,521.69
निफ्टी	:	20,901.15

SARAFA

सोना	:	5,915
चांदी	:	80.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म केस में तीन दोषी करार

RANCHI : रांची सिविल कोर्ट ने 15 वर्षीय नाबालिग छात्रा का अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म करने के 3 आरोपियो को दोषी करार दिया है। तीनों दोषियों को अदालत 12 दिसंबर को सजा सुनाएगा। रांची पॉक्सो की विशेष अदालत ने सोहन कुमार, इरशाद अंसारी और कुदुस अंसारी को दोषी करार दिया है। दरअसल दोषी सोहन कुमार नाबालिग छात्रा से एकतरफा प्यार करता था। जनवरी 2022 में पीड़िता जब अपनी 2 सहालियों के साथ मॉर्निंग वॉक पर निकली थी, तभी एक कार में सवार तीनों दोषियों ने अपहरण कर लिया। फिस सुनसान जगह पर ले जाकर दुष्कर्म किया। लेकिन उसी दौरान एक आरोपी का मोबाइल गिर गया, जिससे कार रोकना पड़ा। तभी पीड़िता आरोपियों के चुंगल से बचकर भाग निकली और घटना की जानकारी अपने परिजनों को दी। जिसके बाद चान्हो थाना में प्राथमिक दर्ज कराई गई। आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी पेट्रोल पंप में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हो पायी थी।

6 महीने से लापता पूर्व चीनी विदेश मंत्री की मौत

NEW DELHI : 6 महीने से लापता चीन के पूर्व विदेश मंत्री क्विन गेंग की मौत हो गई है। ये दावा अमेरिकी मीडिया हाउस पॉलिटिको ने किया है। रिपोर्ट में क्विन की मौत की वजह सुसाइड या टॉर्चर बताई गई है। पॉलिटिको ने चीन के 2 अधिकारियों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में बताया कि क्विन की जुलाई में ही बीजिंग के एक मिलिट्री अस्पताल में मौत हो गई थी। इस अस्पताल में चीन के टॉप लीडर्स का इलाज किया जाता है। दरअसल, शी जिनपिंग के करीबी रहे क्विन को इसी साल जुलाई में विदेश मंत्री के पद से हटा दिया गया था। उन पर जासूसी करने का भी आरोप लगा था।

हमास ने जंग रोकने के लिए पाक से मांगी मदद

TEL AVIV : इजराइल की डिफेंस फोर्सेस (आईडीएफ) ने गाजा में कुरान की आयतें लिखें पर्चे गिराए हैं। पर्चों में लिखा है- जब वो गलत काम में शुमार थे, उस वक्त उन्हें बाढ़ का सामना करना पड़ा। यरुशलम पोस्ट के मुताबिक ये कुरान के 29वें चैप्टर के सुरा अल- अनकाबुत की 14वीं आयत में लिखा है। इसका मतलब ये निकाला जा रहा है कि जो गलत काम करेंगे उन्हें सजा मिलेगी। पर्चे अरबी भाषा में लिखे गए हैं। हमास ने इजराइल के साथ जंग रोकने में पाकिस्तान से मदद मांगी है। इस्लामाबाद पहुंचे हमास चीफ इस्माइल हानिए ने कहा- पाकिस्तान बहादुर देश है। ये मुजाहिदीन की जमीन है। इस्लाम के लिए लड़ने वालों को मुजाहिदीन कहा जाता है। पाकिस्तान की जियो न्यूज के मुताबिक हानिए ने कहा- अगर पाकिस्तान चाहे तो वो इजराइली हमले रुकवा सकता है।

15 से 21 तक चलेगा विधानसभा का शीतकालीन सत्र

हेमंत सोरेन कैबिनेट ने 27 प्रस्तावों पर लगाई मुहर

झारखंड स्टार्टअप नीति-2023 के निर्धारण को भी मिली मंजूरी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में गुरुवार को कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें 27 प्रस्तावों पर मुहर लगी। झारखंड विधानसभा में 15 दिसंबर से 21 दिसंबर तक के शीतकालीन सत्र को स्वीकृति दी गयी। इसके साथ ही अन्य 26 प्रस्तावों पर झारखंड कैबिनेट ने मुहर लगायी है। इसकी जानकारी कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने दी। कैबिनेट ने झारखंड के सरकारी विद्यालय के वर्ग 9 से 12 में नामांकित व अध्ययनरत सभी कोटि के छात्र-छात्राओं को उपलब्ध करायी जा रही निःशुल्क कॉपी की राशि में वृद्धि की स्वीकृति दी है। इसके साथ ही राज्य नयी झारखंड स्टार्टअप नीति-2023 के निर्धारण की स्वीकृति दी गई है। कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग अन्तर्गत मत्स्य निदेशालय के अधीन झारखंड मत्स्य प्रक्षेत्र मात्स्यिकी तकनीकी सहायक नियमावली-2023 की स्वीकृति दी गई। मुख्यमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना अन्तर्गत छात्रवृत्ति के लिए संशोधित दर की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

निःशुल्क कॉपी की राशि में वृद्धि की स्वीकृति

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा झारखंड के 280 नव उत्क्रमित +2 विद्यालयों में योजना मद में सृजित किये गये पदों को गैर योजना मद में स्थानांतरित करने की स्वीकृति दी गयी। झारखंड के सरकारी विद्यालय के वर्ग 9 से 12 में नामांकित एवं अध्ययनरत सभी कोटि के छात्र-छात्राओं को उपलब्ध करायी जा रही नि:शुल्क कॉपी की राशि में वृद्धि की स्वीकृति दी गई है। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के द्वारा राज्य के 1353 नव उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालयों में योजना मद में सृजित किये गये पदों को गैर योजना मद में स्थानांतरित करने की स्वीकृति दी गई है। मुख्यमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना अन्तर्गत छात्रवृत्ति के लिए संशोधित दर की स्वीकृति दी गई। राज्य नयी झारखंड स्टार्टअप नीति-2023 के निर्धारण की स्वीकृति दी गई। पंचम झारखंड विधानसभा का त्रयोदश (शीतकालीन) सत्र 15 दिसंबर से 21 दिसंबर तक के कार्यक्रम पर कैबिनेट ने स्वीकृति दी। झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना की स्वीकृति से संबंधित विभागीय संकल्प संख्या-2413 के संशोधन की स्वीकृति दी गई।

डॉ रजनी को बर्खास्त करने की स्वीकृति

झारखंड गैर शैक्षणिक स्वास्थ्य सेवा के चिकित्सा पदाधिकारियों के मामलों में झारखंड सेवा संहिता के नियम-243 के परन्तुक को क्षांत करने की स्वीकृति दी गई है। डॉ रजनी रुपम (चिकित्सा पदाधिकारी, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, देवरी, गिरिडीह) को सेवा से बर्खास्त करने की स्वीकृति दी गई। किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान अधिप्राप्ति के लिए झारखंड राज्य धान अधिप्राप्ति योजना की स्वीकृति, किसानों को ससमय भुगतान हेतु, रुपये 10,00,00,00,000 की अधिसीमा तक बैंकों से ऋण प्राप्त करने के साथ-साथ झारखंड धान अधिप्राप्ति योजना के लिए राशि की व्यवस्था तथा राइस मिलरों को 60 रुपए प्रति क्विंटल की दर से इंन्सेन्टिव भुगतान की स्वीकृति दी गई।

नहीं रहीं पूर्व विधायक व 1974 आंदोलन की सिपाही रानी डे

रांची में पिछले 10 दिनों से चल रहा था इलाज

PHOTON NEWS RANCHI : हजारीबाग की पूर्व विधायक रानी डे का गुरुवार को निधन हो गया। रांची में उन्होंने अंतिम सांस ली। वे 1974 आंदोलन की सिपाही थीं। बताया जा रहा है कि गुरुवार की शाम 4 बजे रांची में उनका निधन हुआ। उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार को किया जाएगा। झारखंड के बोकारो जिले के साडम स्थित पैतृक आवास से सुबह 11:00 बजे शवयात्रा निकलेगी। दामोदर नदी तेनुघाट डैम में अंतिम संस्कार किया जाएगा। आपको बता दें कि पिछले कुछ वर्षों से रानी डे कई बीमारियों से पीड़ित थीं। पिछले 10 दिनों से वे रांची के एक स्थानीय अस्पताल में इलाज करा रही थीं।

हजारीबाग की पूर्व विधायक थीं रानी डे

रानी डे 1977 में हजारीबाग विधानसभा से विधायक चुनी गयी थीं। जनता पार्टी से उन्होंने चुनाव जीता था। वे फिलहाल रांची के मोरहाबादी स्थित न्यू एरिया में रह रही थीं। उनका पैतृक आवास बोकारो जिले के साडम गांव में है। झारखंड के बोकारो जिले के साडम स्थित पैतृक आवास से पूर्व विधायक रानी डे की शवयात्रा शुक्रवार की सुबह 11:00 बजे निकलेगी।

आईटी रेड में 300 करोड़ से अधिक नकदी बरामद

सांसद धीरज साहू से संबंधित कंपनियों के ठिकाने पर छापेमारी

CRIME REPORTER RANCHI : ओडिशा आयकर विभाग की अनुसंधान शाखा ने शराब व्यापार से जुड़ी डिस्टिलरीज प्राइवेट लिमिटेड और इस समूह की तीन अन्य कंपनियों के ठिकानों पर बुधवार को छापेमारी की थी। इस दौरान आयकर विभाग की टीम ने 300 करोड़ से अधिक की नकदी जब्त की। यह कंपनी राज्यसभा सांसद धीरज साहू से संबंधित है। बलदेव साहू एंड ग्रुप ऑफ कंपनीज के बलांगीर कार्यालय पर छापेमारी के दौरान 150 करोड़ से अधिक नकदी जब्त की गई। इसे पश्चिम ओडिशा में सबसे बड़ी स्वदेशी शराब निर्माण और बिक्री कंपनियों में से एक कहा जाता है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, संबलपुर कॉरपोरेट ऑफिस में छापेमारी के दौरान 150 करोड़ से ज्यादा की रकम भी जब्त की गई है। अधिकारियों के मुताबिक, ओडिशा के बोलांगीर और संबलपुर और झारखंड के रांची, लोहरदगा में तलाशी चली। 50 करोड़ रुपये तक के नोटों की गिनती पूरी होने के बाद मशीनों ने काम करना बंद कर दिया था।

राज्यसभा सांसद धीरज साहू के ठिकानों से मिला नोटों का बंडल।

ओडिशा में है शराब का बड़ा कारोबार

धीरज साहू के रिश्तेदारों के नाम पर ओडिशा में शराब का बड़ा कारोबार है। वहां की बौध डिस्टिलरी प्रा. लि. (बीडीपीएल) से जुड़े बलांगीर, रायगढ़ा व संबलपुर डिस्टिलरी प्लांट में भी आयकर अधिकारी पहुंचे और कागजातों की जांच-पड़ताल की। बीडीपीएल का जहां-जहां डिस्टिलरी और बॉटलिंग प्लांट हैं, हर जगह विभाग के अधिकारी दस्तावेज खंगाल रहे हैं। इसके अलावा रांची और लोहरदगा आवास पर भी टीम पहुंची, लेकिन वहां परिवार का कोई सदस्य नहीं मिला। इस कार्रवाई में आय-व्यय से जुड़े दस्तावेजों के अतिरिक्त और क्या-क्या मिला है, इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है।

ओडिशा में रिश्तेदारों के नाम पर हैं कई प्रतिष्ठान

धीरज साहू के रिश्तेदारों के नाम पर ओडिशा में कई बड़े प्रतिष्ठान हैं। इनमें बलदेव साहू इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड (फ्लाई एश ब्रिक्स), क्वालिटी बॉटलर्स प्राइवेट लिमिटेड व किशोर प्रसाद विजय प्रसाद बिवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। क्वालिटी बॉटलर्स में विदेशी शराब की बॉटलिंग होती है। वहीं, किशोर प्रसाद विजय प्रसाद बिवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड से विदेशी शराब की बिक्री की जाती है। बता दें कि बुधवार को आयकर की टीम पश्चिम बंगाल के कोलकाता और ओडिशा के बौध, बलांगीर, रायगढ़ा व संबलपुर के ठिकानों के साथ ही झारखंड के रांची व लोहरदगा में छापेमारी की थी। इसमें आयकर विभाग की ओडिशा की टीम शामिल थी। धीरज साहू के रांची और लोहरदगा आवास पर परिवार का कोई सदस्य नहीं मिला था। यह कार्रवाई बुधवार देर शाम तक जारी थी। आयकर सूत्रों की मानें तो यह पूरा मामला शराब कारोबार में टैक्स चोरी से जुड़ा हुआ है।

सरकार आपके द्वार : पूर्वी सिंहभूम को 348 करोड़ की सौगात

आठ लाख गरीबों के आशियाने का सपना पूरा करेगी सरकार : सीएम

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका प्रखंड की मानपुर पंचायत में आयोजित आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में कहा कि सभी के सहयोग से राज्य की तस्वीर और तकदीर बदल रही है। सरकार की योजनाओं से जुड़कर खुद को सशक्त बनाएं और राज्य के विकास में भागीदार बनें। जिस अधिकारी से मिलने के लिए आपको उनके दफ्तर का बार-बार चक्कर लगाना पड़ता था। वे अब योजनाओं की पोटली लेकर आपके दरवाजे पर आ रहे हैं। सरकार घर-घर पहुंच रही है। जनता की परेशानियों और समस्याओं का निदान हो रहा है। आपको पूरे मान-सम्मान के साथ आपका हक-अधिकार मिल रहा है। सभी शिविरों में उत्सव जैसा माहौल है। योजनाओं का लाभ लेने के लिए लोगों में उत्साह दिख रहा है। वे 8 लाख गरीबों के अपने आशियाने के सपने को पूरा करेंगे। उन्होंने कार्यक्रम में 348.10 करोड़ रुपए की 452 योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। इसके साथ ही 2 लाख 26 हजार 85 लाभुकों के बीच 204.11 करोड़ रुपए की परिसंपत्ति बांटी।

348.10 करोड़ रुपये की योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास

204.11 करोड़ रुपये की परिसंपत्तियों का किया वितरण

सामाजिक सुरक्षा के साथ दे रहे रोटी, कपड़ा और मकान

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि हमारी सरकार हर गरीब और जरूरतमंद को रोटी, कपड़ा और मकान के साथ पेंशन के तौर पर सामाजिक सुरक्षा दे रही है। हमारी सरकार ने 20 लाख अतिरिक्त हरा राशन स्वीकृत कर उन्हें अनाज दे रही है। सोना-सोबरन धोती साड़ी योजना के तहत गरीबों को वर्ष में दो बार मात्र 10 रुपए में धोती अथवा लूंगी तथा साड़ी उपलब्ध करा रही है। अब हमारी सरकार ने 8 लाख गरीबों के अपने आशियाना के सपने को पूरा करेगी। इसके लिए अबुआ आवास योजना शुरू की गई है। यूनिवर्सल पेंशन स्कीम के माध्यम से हर बुजुर्ग, विधवा और दिव्यांगों को पेंशन मिल रही है। सबसे बड़ी बात है कि महीना शुरू होने के पहले ही पेंशन की राशि उनके खाते में डाल दी जाती है। पिछले 20 वर्षों में किसी भी सरकार को ना तो राज्य की चिंता रही और ना ही यहां के लोगों की। इस वजह से तमाम संसाधनों से धनी होने के बाद भी झारखंड लगातार पिछड़ता चला गया।

संसदीय दल की बैठक में पीएम का महामंत्र, कहा-

विकसित भारत संकल्प यात्रा पर जाएं सभी सांसद

AGENCY NEW DELHI : तीन राज्यों में प्रचंड जीत के बाद गुरुवार को आयोजित भाजपा संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी भाजपा सांसदों को संबोधित करते हुए उन्हें विकसित भारत संकल्प यात्रा पर जाने को कहा। उन्होंने अपने संबोधन में पांच राज्यों में भाजपा के चुनावी प्रदर्शन पर बात की। उन्होंने कहा कि तीन राज्यों में भाजपा ने बहुमत के साथ सरकार

बनाई और तेलंगाना व मिजोरम में भाजपा का संख्याबल बढ़ा है। बैठक के बाद केन्द्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने जानकारी दी कि भाजपा संसदीय दल की बैठक में मिचौंग तूफान से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त किया गई।

रहस्यमयी बीमारी का संक्रमण भारत में नहीं सरकार ने झूठा बताया

NEW DELHI : चीन की रहस्यमयी बीमारी के मरीज भारत में भी मिलने के दावों को सरकार ने झूठा बताया है। सरकार ने गुरुवार को बयान जारी कर कहा है कि एआईआईएमएस दिल्ली से मिले सभी मामले साधारण निमोनिया के हैं। इनका चीन की बीमारी से कोई ताल्लुक नहीं है। जनवरी 2023 से एआईआईएमएस के माइक्रो बायोलॉजी डिपार्टमेंट में 611 सैंपलों की जांच हुई है, इनमें से किसी में भी माइको प्लाज्मा निमोनिया डिटेक्ट नहीं हुआ है। हेल्थ मिनिस्ट्री इस पर नजर बनाए हुए है। इससे पहले कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि एआईआईएमएससे चीन की रहस्यमयी बीमारी के 7 मामले सामने आए हैं।

पंकज मिश्रा समेत तीन के आवास पर सीबीआई की रेड

1000 करोड़ के अवैध खनन मामले में साहिबगंज पहुंची रांची सीबीआई की टीम

CRIME REPORTER RANCHI : झारखंड के साहिबगंज जिले में एक हजार करोड़ रुपये के अवैध खनन मामले में पंकज मिश्रा, दाहू यादव एवं पवित्र यादव के आवास पर गुरुवार को रांची सीबीआई की टीम ने छापेमारी की। साहिबगंज एसडीओ कोठी स्थित पंकज मिश्रा के आवास पर सीबीआई के द्वारा छापेमारी की गई। आपको बता दें कि अवैध खनन की सीबीआई जांच रोकने के लिए पंकज मिश्रा द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका पिछले दिनों खारिज कर दी गयी थी।

अवैध खनन करने वालों पर प्रदूषण बोर्ड ने लगाया एक अरब से ज्यादा का जुर्माना

साहिबगंज जिले के ऐतिहासिक राजमहल पहाड़ पर संचालित अवैध खनन, क्रशर, परिवहन व भंडारण पर सम्पूर्ण रूप से रोक लगाने के लिए दाखिल याचिका पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान झारखंड राज्य प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड ने अपने हलफनामा में ट्रिब्यूनल को बताया कि जिले के पत्थर कारोबारियों पर एक अरब छब्बीस लाख पचपन हजार चार सौ साठ रुपये का पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति का जुमार्ना लगाया गया है। जिसमें कुल 97 लाख 25 हजार 624 रुपये की वसूली हुई है। 120 पत्थर कारोबारियों ने जुमार्ना राशि में पुनर्विचार के लिए प्रदूषण बोर्ड में आवेदन दिया है और 11 पत्थर कारोबारियों ने झारखंड हाईकोर्ट में रिट दायर की है। प्रदूषण बोर्ड ने ट्रिब्यूनल को यह भी बताया कि अब तक 73 सीटोओ रद्द कर दिये गए हैं। अवैध कारोबार करने के मामले में 34 एफआईआर दर्ज करवाई गई है, और 558 वाहन जब्त किया गया है। इसके साथ ही डीसी कोर्ट ने 9 करोड़ 78 लाख जुमार्ना वसूला है। 22 क्रशर सील और ध्वस्त किये गए हैं। प्रदूषण बोर्ड ने कोर्ट को यह भी बताया की सकरगली,महादेवगंज,डेम्बा व मिर्जा चौकी में सीएए क्यूएमएस बोर्ड लगाए गए हैं जिले के डीसी को पर्यावरण बहाली के लिए 6 करोड़ रुपये मुहैया करा दिया गया है।

335.79 अंक के साथ गुजरात का सूरत शहर स्मार्ट सिटी में नंबर वन

देश के स्मार्ट शहरों की रैंकिंग में रांची बना सेकंड टॉपर

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड की राजधानी रांची स्मार्ट सिटी ने देश के 100 स्मार्ट शहरों में हो रहे विकास कार्यों के मूल्यांकन के आधार पर होने वाली लाइव रैंकिंग में पूरे देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। साथ ही स्मार्ट सिटी वाले शहरों में विकास के आधार पर केंद्र द्वारा जारी संबंधित राज्यों की रैंकिंग में झारखंड को देश भर में अव्वल स्थान प्राप्त हुआ है। वैसे लगातार स्मार्ट सिटी द्वारा किये जे रहे कार्यों की बदौलत रांची ने देश के टॉप 10 शहरों में अपना स्थान सुरक्षित रखा है। रांची के धुर्वा क्षेत्र में विकसित हो रही रांची स्मार्ट सिटी में आधारभूत संरचना के विकास का कार्य लगभग पूरा हो चुका है और बहुत जल्द बाकी का कार्य पूरा हो जायेगा। तीन चरणों में आवासीय, मिक्स यूज, इंस्टिट्यूशनल, हेल्थ सेक्टर और पब्लिक सेमी पब्लिक नेचर के कई बड़े प्लॉट का ई-ऑक्शन भी संपन्न हो चुका है। चौथे चरण के ऑक्शन का कार्य प्रक्रियाधीन है।

रैंकिंग में 324.48 अंक

रैंकिंग में कुल 350 अंकों में रांची को 324.48 अंक प्राप्त हुआ है। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले गुजरात के शहर सूरत को 335.79 अंक प्राप्त हुआ है। राज्यों की श्रेणी में झारखंड को 350 अंकों में 324.48 अंक प्राप्त हुआ है। इस संबंध में रांची स्मार्ट सिटी के सीईओ अमित कुमार ने कहा कि रांची स्मार्ट सिटी में हो रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता विश्व स्तरीय है और हमारी कोशिश है कि जो प्लॉट्स ऑक्शन किए जा रहे हैं उसे पर जल्द से जल्द निर्माण कार्य शुरू हो और हम झारखंड की जनता को बेहतर नागरिक सेवाओं के साथ एक विश्व स्तरीय शहर दे सकें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और नगर विकास एवं आवास विभाग के विभागीय सचिव विनय कुमार चौबे के दिशा निर्देश में शहर का विकास कार्य तेजी से चल रहा है और आधारभूत संरचना का कार्य जल्द पूरा हो जायेगा।

अंतिम चरण में है रांची स्मार्ट सिटी का कार्य

रांची स्मार्ट सिटी के तहत आधारभूत संरचना विकसित करने का कार्य अंतिम चरण में है। रांची स्मार्ट सिटी के तहत विकसित कमांड एण्ड कन्ट्रोल सेंटर 2021 में ही पूर्ण हो चुका है और यह योजना पूर्ण रूप से कार्य कर रही है। इसके तहत रांची में ट्रैफिक मैनेजमेंट, निगरानी जैसे कार्य से शहरवासियों को लाभ मिल रहा है।वहीं कमांड एण्ड कन्ट्रोल सेंटर से प्रतिदिन लगभग तीन हजार यातायात नियमों के उल्लंघन करने वालों की सूची रांची पुलिस को मुहैया करायी जा रही है, ताकि उनका ई-चालान निर्गत किया जा सके। इसके अलावा स्मार्ट सिटी में राज्य पोषित अर्बन सिविक टॉवर परियोजना का कार्य अपने अंतिम चरण में है। वहीं, 656 एकड़ भूमि में बन रही रांची स्मार्ट सिटी एबीडी एरिया का कार्य भी लगभग पूर्ण हो चुका है। इसके साथ पब्लिक बाईसिकल शेयरिंग सिस्टम के तहत रांचीवासियों को इसका लाभ मिल रहा है।

तमिलनाडु में बाढ़ से 1.2 करोड़ लोग प्रभावित

CHENNAI : बंगाल की खाड़ी से उठे मिचौंग तूफान के कारण आई बाढ़ से तमिलनाडु के 1.2 करोड़ लोग प्रभावित हुए हैं। चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और चेंगलपट्टू जिले में सबसे ज्यादा तबाही हुई। गुरुवार को चेन्नई आने-जाने वाली 15 ट्रेनें कैंसिल की गईं। 4 दिसंबर से सभी स्कूल-कॉलेज बंद हैं। उधर, पीएम मोदी ने फ्लड मैनेजमेंट प्रोजेक्ट के लिए 561 करोड़ के फंड को मंजूरी दे दी है। डीएमके सांसद टीआर बालू ने संसद में बताया कि राज्य में 47 साल बाद ऐसे हालात बने हैं। तूफान की वजह से राज्य में 2 दिनों में 3 महीने की बारिश हुई। चेन्नई में एक दिन में सबसे ज्यादा 50 सेमी बारिश रिकॉर्ड की गई। इसके चलते आई बाढ़ से 20 लोगों की मौत हो चुकी है। शहर के कई हिस्सों में तीन दिन से बिजली और इंटरनेट बंद है।

तेलंगाना : नए सीएम रेवंत रेड्डी ने ली शपथ

कांग्रेस की 6 गारंटी पर रेड्डी ने लगाई मुहर

AGENCY HYDERABAD : कांग्रेस नेता रेवंत रेड्डी ने 7 दिसंबर को तेलंगाना के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। भट्टी विक्रमार्क डिप्टी सीएम बनाए गए हैं। उनके साथ 11 मंत्रियों ने भी शपथ ली। शपथ ग्रहण कार्यक्रम एलबी स्टेडियम में हुआ। इसमें सोनिया गांधी, राहुल, प्रियंका गांधी वाड्रा और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे शामिल हुए। रेवंत ने शपथ लेने के तुरंत बाद दो फाइलों पर दस्तखत किए। पहली फाइल चुनाव से पहले कांग्रेस की तरफ से दी गईं 6 गारंटियों की थी।

दूसरी फाइल में एक दिव्यांग महिला को नौकरी देने का वादा किया गया। इसके अलावा उन्होंने मुख्यमंत्री कार्यालय 'प्रगति भवन' के बाहर लगी फेंस को हटवा दिया, जिसकी वजह से कई साल से लोगों को ट्रैफिक जाम की परेशानी हो रही थी।

अनेक गुणों की खान है नीम

सदियो से नीम को कई बिमारियो के इलाज के लिए प्रयोग मे लाया जाता है। जब कोई डॉक्टर नही होता था तो वैद्य नीम के इस्तेमाल से कई प्रकार के उपयोगी दवाओ का निजात करते थे। इतना ही नही नीम वर्तमान युग मे कैंसर जैसी जानलेवा बिमारी के निदान मे महत्वपूर्ण स्थान रखता है, इसका खुलासा वैज्ञानिको ने शोध द्वारा किया है। शोध मे नीम की पत्तियो मे एक विशेष कंपाउंड पाया, जो कैंसर सेल्स के साथ शरीर प्रतिरोधक क्षमता की लड़ाई को सहयोग देने में सक्षम है। कई मायनो में नीम का सेवन शरीर के लिए लाभकारी है।

एक जर्नल में प्रकाशित शोध में वैज्ञानिकों ने उन्नत चरण के सर्वाइकल कैंसर से पीड़ित 17 मरीजों की कैंसर सेल्स लेकर उस पर किए प्रयोग के नतीजे का खुलासा किया है। इस अध्ययन से उन्हें नीम की पली द्वारा कैंसर के विकास को रोकने के तरीके का पता चल गया।त्वचा रोगों के लिए जैविक दवा बेंगलूर जैव प्रौद्योगिकी कंपनी बायोकॉन ने पुराने त्वचा रोग के इलाज के लिए जैविक दवा पेश की है। इस दवा का शोध, विकास और विनिर्माण देश में किया गया है। कंपनी ने कहा है कि वह इस दवा को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने के लिये वैश्विक सहयोगी को अंतिम रूप देने के लिये बातचीत कर रही है। बेंगलूर स्थित मेडिसिन कंपनी की चेयरपर्सन तथा प्रबंध निदेशक कहना है कि अलजुमाब नाम की दवा लंबे समय से चली आ रही त्वचा रोगों के इलाज के लिये है। यह अब देश में वाणिज्यिक रूप से उपलब्ध है। इसकी कीमत बाजार में उपलब्ध ऐसी ही दवाओं के मुकाबले कम से कम 50 प्रतिशत कम है। उन्होंने कहा कि हम इस दवा को दुनिया के अन्य देशों में पहुंचाना चाहते हैं और इस दिशा में प्रयास कर रहे हैं। इस संबंध में कई कंपनियों के साथ बातचीत जारी है। किरण ने यह भी कहा कि यह बड़ी सफलता है और इसका व्यापक वैश्विक प्रभाव पड़ सकता है।बायोकॉन के अनुमान के अनुसार त्वचा रोग से संबद्ध दवाओं का बाजार 2016 तक 8 अरब डॉलर पहुंच जाने का अनुमान है। कंपनी ने 2006 में अलजुमाब पर काम करना भी शुरू किया था।

योग द्वारा दूर हो सकता है पीठ का दर्द

कई लोग ऐसे होते हैं जिन्हें कोई ना कोई बीमारी परेशान करती ही रहती है। चाहे वह कितना भी इलाज क्यों ना करा लें।थक हारकर ऐसे लोगों को साधू-संतों का सहारा लेना पड़ जाता है।इस प्रकार की समस्या भोग रहे लोगों के लिए योग काफी सही और सफलतम साधन बन कर उभरा है।आइए जानते हैं इस बारे कुछ उपयोगी टिप्स।

प्राचीन भारतीय पद्धति योग को लेकर किए गए एक नए अध्यन से पता चला है सप्ताह में एक बार योग आपको पीठ के निचले हिस्से के दर्द से राहत दिला सकता है।अमेरिका के एक विश्वविद्यालय द्वारा किए गए शोध में अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि सप्ताह में एक बार योग करने से पीठ के दर्द से उसी तरह राहत मिल सकती है और दर्दनाशक दवाओं पर निर्भरता कम हो सकती है।पूर्व के अध्ययनों में कहा गया था कि योग पीठ के निचले भाग में उठने वाले तेज दर्द के इलाज के लिए लाभकारी हो सकता है लेकिन कुछ अध्ययनों में कहा गया है कि यह कुछ खास आबादी के लिए यह उपयोगी है।इस अध्ययन के लेखक द्वारा कहा गया है कि पीठ के निचले भाग में दर्द अक्सर कम आय वाले मरीजों को होता है क्योंकि उनके पास इलाज के लिए न तो पर्याप्त रकम होती है और न ही योग, मालिश या एक्यूपंक्चर जैसे इलाज तक उनकी पर्याप्त पहुंच होती हैं। उनके अनुसार, अगर ऐसे मरीज सप्ताह में एक बार योग करें तो उन्हें समुचित लाभ हो सकता है। साथ ही दैनिक कामकाज करने की उनकी क्षमता में भी सुधार हो सकता है।

हमेशा जवां दिखने के लिए जरूरी है पूरी नींद

आप अगर हमेशा युवा दिखना हैं तो आपको पूरी नींद लेनी होगी। अन्यथा आपकी त्वचा समय से पहले बूढ़ी होने लगेगी और आप उम्रदराज नजर आने लगेंगे। यह दावा अमेरिका के युनिवर्सिटी हॉस्पीटल्स केस मेडिकल सेंटर के फिजिशियन और वैज्ञानिकों द्वारा किए गए एक शोध में किया गया है। उन्होंने पाया कि नींद त्वचा के कामकाज तथा उसकी उम्र को भी प्रभावित करती है। इसके अनुसार कम नींद लेने वालों की त्वचा समय से पूर्व बूढ़ी होने लगती है और उनमें अल्ट्रावायलट विकिरणों सहित पर्यावरण के अन्य नकारात्मक प्रभावों से जल्द मुक्त होने की क्षमता भी नहीं रहती।यह शोध युनिवर्सिटी हॉस्पीटल्स केस मेडिकल सेंटर में त्वचा अध्ययन केंद्र के निदेशक व मुख्य शोधकर्ता एल्मा बैरन के नेतृत्व में हुआ।

बैरन ने अपने आंकड़े हाल ही में स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में हुए इंटनेशनल इंवेस्टिगेटिव डर्मेटोलॉजी मीटिग में इफेक्ट्स ऑफ स्लीप क्वालिटी ऑन स्किन एजिग एंड फंक्शन शीर्षक से पेश किए। बैरन केस वेस्टर्न रिजर्व युनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के त्वचा रोग विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर भी हैं। उन्होंने कहा कि हमारे शोध में पहली बार दिखाया गया है कि कम नींद लेने से त्वचा पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। शोध से, कम सोने वाली महिलाओं की त्वचा के समय से पहले कांतिहीन होने और धूप के संपर्क में आने के बाद उस पर पड़ने वाले असर से निपटने की क्षमता में कमी का पता चलता है।

गंजेपन से जुड़ी बातें हैं आपका भ्रम

अक्सर लोग अपने बालों के झड़ने से परेशान रहते हैं। कई बार तो यह समस्या उन्हें गंजा तक बना देती है। देखा जाए तो आज के इस परिवेश में बालों का गिरना और गंजापन सामान्य सा दिखता है। लेकिन जितना यह सामान्य दिखता है उतना ही यह चिंता का विषय भी है।

कई बार गंजेपन से जुड़ी हम ऐसी धारणाएं मन में पाल लेते हैं जो महज हमारा भ्रम ही है। जबकि उनका वास्तविक आधार कुछ है ही नहीं। ऐसे में अगर आप गंजेपन को रोकने की कोशिश में जुटे हैं तो इन मिथ पर जरूर गौर करें और इनकी असलियत पहचानें।

टोपी पहनने से बाल झड़ते हैं

कई बार लोगों का मानना होता है कि टोपी अधिक पहनने से बालों को भरपूर पोषण नहीं मिलता है और बाल झड़ने लगते हैं। सच यह है कि बालों तक पोषक तत्व रक्त से पहुंचते हैं और इसका बाहरी हवा से कोई संबंध नहीं है।

अधिक शैंपू यानी अधिक हेयरफॉल

शैंपू करते वक्त ढेर सारे बाल गिरें तो इसका मतलब यह कतई नहीं कि शैंपू से गंजापन हो सकता है। कई बार आपके टूटे और कमजोर बालों को सिर से निकालने का काम भी शैंपू करता है। शैंपू का काम सिर्फ बाल साफ करना है, इसका बालों की लंबाई व घने होने से कोई संबंध नहीं है।

हेयरस्प्रे या जेल से बाल झड़ते हैं

इस बात का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है कि हेयर स्प्रे या जेल से बाल झड़ेंगे। अगर आप अच्छी क्वालिटी का हेयरजेल या स्प्रे इस्तेमाल करेंगे तो इससे बालों को कोई नुकसान नहीं है क्योंकि जेल बालों की जड़ों में नहीं लगाते बल्कि बालों पर लगाते हैं। इससे न तो बालों की लंबाई पर फर्क पड़ता है और न ही बाल झड़ते हैं।

मां से ही मिलता है गंजापन

गंजापन अनुवाशिक हो सकता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि यह सिर्फ मां की तरफ से होगा। आपके पिता की ओर के रिश्तेदारों से ही आप में इसके जीन्स आ सकते हैं।

बाल कटवाने से घने होते हैं

बार-बार बाल कटवाने या सिर मुडवाने से बाल घने नहीं होते बल्कि यह सिर्फ हमारा भ्रम है। छोटे बाल मोटे या घने इसलिए लगते हैं क्योंकि ये सिर का घुमाव चौड़ा लगता है जिससे बालों का घनत्व अधिक दिखता है।

दिल की बिमारी से बचाते है ड्राई फ्रूट्स

भारत में श्रावण के महीने से त्यौहार शुरू हो जाता हैं। इन महीनों में कई प्रकार के पर्व आते हैं। जिसमें लजीज और मनभावक पकवान खाने को मिलते है।जिसमें ड्राई फ्रूट्स की भूमिका अहम होती है वैसे तो ड्राई फ्रूट्स का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद

होता है।कमजोरी होने पर इनका सेवन करना अच्छा हो सकता है। ऐसा डाइटीशियन्स का कहना है। उनके अनुसार मेवो को सुपर फूड्स कहा जाए तो गलत न होगा। मेवे महत्वपूर्ण पोषक तत्व ओमेगा-3 फैटी एसिड के प्रमुख स्रोत हैं और ये रक्त में कोलेस्ट्राल को नियंत्रित रखते हैं। इन्हें नाश्ते के रूप में भी लिया जा सकता है।इससे एक अलग जायका मिलेगा। साथ ही सेहत भी सही रहेगी। कई अध्ययनों से यह पता चला है कि कि अनप्रोसेस्ड नट्स का सप्ताह में तीन-चार बार सेवन करने से हृदय रोग होने का खतरा 25 फीसदी कम हो जाता है। यही नहीं यदि आप लंबे अर्से से कमजोरी व थकान की शिकायत से ग्रस्त हैं तो आपके लिए नट्स का सेवन लाभप्रद रहेगा। डाइटीशियन्स के अनुसार नट्स में ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर को ही नहीं, बल्कि मस्तिष्क को भी तरोताजा रखते हैं। इनके सेवन से आपका मिजाज खुशनुमा बनता है। इनमें एंटी ऑक्सीडेंट व कई विटामिन्स पाए जाते हैं, जो बढ़ती उम्र में भी आपको चुस्त-दुरुस्त रखते हैं।मेवों में प्रोटीन भी पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। प्रोटीन विभिन्न अंगों, मांसपेशियों, एंटीबॉडीज, हार्मोस और विभिन्न एंजाइमों के निर्माण में सहायक होता है। इसमे में पर्याप्त मात्रा में जिक भी पाया जाता है।

पूर्व सीएम मधु कोड़ा समेत सात लोगों पर चल रहे केस में HC ने मांगा जवाब

सीबीआई, ईडी और राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने का दिया निर्देश

SPECIAL REPORTER RANCHI :
पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा एवं उनके सहयोगियों के खिलाफ ईडी और सीबीआई में चल रहे केस के त्वरित निष्पादन को लेकर दुर्गा मुंडा की जनहित याचिका की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में गुरुवार को हुई। मामले में प्रार्थी की ओर से हस्तक्षेप याचिका (आईए) दायर कर मधु कोड़ा, बंधु तिर्की, भानु प्रताप शाही, कमलेश सिंह, विनोद कुमार सिन्हा, शौभिक चट्टोपाध्याय एवं संजय चौधरी को मामले में प्रतिवादी बनाने एवं उनके खिलाफ दर्ज केस के जल्द निष्पादन का आग्रह किया गया। सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से अधिवक्ता एके दास ने कोर्ट को बताया गया कि शौभिक चट्टोपाध्याय एवं संजय चौधरी अभी तक फरार चल रहे हैं। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले में प्रार्थी के आईए के आलोक में ईडी, सीबीआई, राज्य सरकार समेत अन्य प्रतिवादियों को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। साथ ही मामले की अगली सुनवाई जनवरी 2024 के तीसरे सप्ताह में निर्धारित की है। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता अभिषेक कुमार गुप्ता ने पैरवी की। दरअसल, पूर्व की सुनवाई में कोर्ट ने प्रार्थी को आईए दायर कर उन सारे जनप्रतिनिधियों एवं अन्य का नाम मांगा था जिनके खिलाफ वे ईडी और सीबीआई में चल रहे केस का जल्द निष्पादन चाहते हैं। कोर्ट के आदेश के आलोक में प्रार्थी की ओर से मधुकोड़ा सहित 7 लोगों के नाम कोर्ट के समक्ष आईए के माध्यम से प्रस्तुत किया है। प्रार्थी का कहना था की सुप्रीम कोर्ट ने भी जनप्रतिनिधियों के मामले की सुनवाई त्वरित गति से करने का निर्देश दिया है। प्रार्थी की ओर से दायरे याचिका में पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा एवं उनके सहयोगी तत्कालीन मंत्रियों एवं अन्य के द्वारा सरकारी पैसे की लूट की गई थी। इनके खिलाफ सीबीआई और ईडी ने प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान किया है। इनमें से कुछ केस के आरोपियों को सजा भी मिल चुकी है और कुछ आरोपियों के मामले में अभी ट्रायल चल रहा है। भ्रष्टाचार में लिप्त रहे ऐसे जनप्रतिनिधियों एवं अन्य के खिलाफ ट्रायल त्वरित गति से चलाया जाए।

शीतकालीन सत्र में रखी जाएगी एसजे मुखोपाध्याय आयोग की रिपोर्ट

SPECIAL REPORTER RANCHI :
झारखंड विधानसभा में नियुक्ति गड़बड़ी मामले में शिव शंकर शर्मा जनहित याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में गुरुवार को हुई। मामले में महाधिवक्ता राजीव रंजन ने कोर्ट को बताया कि एसजे मुखोपाध्याय आयोग की रिपोर्ट 15 दिसंबर से झारखंड विधानसभा के शुरू हो रहे हैं शीतकालीन सत्र में रखी जाएगी। इस पर हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने राज्य सरकार को एसजे मुखोपाध्याय आयोग की रिपोर्ट के आलोक में समुचित निर्णय लेने का निर्देश दिया। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई जनवरी 2024 के दूसरे सप्ताह में निर्धारित की है। सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन एवं अधिवक्ता पियूष चित्रेश ने पैरवी की। वहीं झारखंड विधानसभा की ओर से अधिवक्ता अनिल कुमार ने पैरवी की। पिछली सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता ने कोर्ट को बताया था कि एसजे मुखोपाध्याय की रिपोर्ट राज्य सरकार को मिल चुकी है, अब आगे की कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि पूर्व में हाईकोर्ट ने विधानसभा सचिव से जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की रिपोर्ट मांगी थी। इस पर विधानसभा सचिव की ओर से बताया गया था कि यह रिपोर्ट जस्टिस एसजे मुखोपाध्याय आयोग के पास है, रिपोर्ट उनसे मांगा गया है, लेकिन जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की रिपोर्ट अब तक विधानसभा के पास नहीं पहुंची है।

राज्यपाल को 2018 में सौंपी थी रिपोर्ट

प्रार्थी के अधिवक्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि मामले की जांच को लेकर पहले जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की अध्यक्षता वाली वन मैन कमिशन बनी थी। जिसने मामले की जांच कर राज्यपाल को वर्ष 2018 में रिपोर्ट सौंपी थी। जिसके आधार पर राज्यपाल ने विधानसभा अध्यक्ष को एक्शन लेने का निर्देश दिया था। लेकिन वर्ष 2021 के बाद से अब तक कोई एक्शन नहीं लिया गया है। राज्यपाल के दिशा निर्देश के बावजूद भी विधानसभा अध्यक्ष द्वारा इस मामले को लंबा खींचा जा रहा है। मामले में देरी होने से गलत तरीके से चयनित होने वाले अधिकारी सेवानिवृत हो जाएंगे। पूर्व की सुनवाई विधानसभा की ओर से बताया गया था कि जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की कमीशन की रिपोर्ट पूरी तरीके से स्पेसिफिक नहीं थी। जिस कारण जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद के कमीशन की रिपोर्ट का अध्ययन करने के लिए एक और जस्टिस एसजे मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली कमीशन बनी है।

जगन्नाथपुर मंदिर की नई कमिटी की वित्तीय शक्तियों पर लगी रोक

अब 11 जनवरी को हाईकोर्ट में सुनवाई

SPECIAL REPORTER RANCHI :
झारखंड हाइकोर्ट ने जगन्नाथपुर मंदिर की नई कमिटी की वित्तीय शक्तियों पर रोक लगा दी है। पुरानी कमेटी के पूर्व सचिव चंद्रकांत रायपत की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाइकोर्ट ने यह आदेश दिया है। उनकी याचिका पर झारखंड हाइकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस डॉ. एसएन पाठक की अदालत में सुनवाई हुई। अदालत अब इस मामले में 11 जनवरी को सुनवाई करेगा। अपनी याचिका में चंद्रकांत रायपत ने धार्मिक हिंदू न्यास कमिटी के द्वारा गठित नई मंदिर कमिटी को अवैध बताया है। धार्मिक हिंदू न्यास कमिटी के द्वारा जुलाई 2021 में भारत सदस्य नई कमिटी का गठन किया गया था। इसके लिए पूर्व की कमिटी को भंग कर दिया गया था। जिसके बाद पुराने कमिटी के पूर्व सचिव चंद्रकांत रायपत ने झारखंड हाइकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने कहा कि पुरानी कमिटी को भंग नहीं किया जा सकता है। उसे सिर्फ अवक्रमित किया जा सकता है। वहीं उन्होंने न्यास समिति के प्रशासक के आदेश पर भी सवाल उठाये। उन्होंने कहा कि प्रशासक की नियुक्ति भी अवैध है। ऐसे में उनके द्वारा पारित किया हुआ है। आदेश भी गलत है, इसको देखते हुए अदालत ने फिलहाल कमेटी के वित्तीय शक्ति पर रोक लगा दी है।

गिरिडीह के बर्खास्त मेयर सुनील पासवान के मामले में मेंटिबिलिटी पर सुनवाई हुई पूरी, आदेश सुरक्षित

गिरिडीह डीसी ने सुनील पासवान के जाति प्रमाण पत्र को गलत बताते हुए किया है रद्द

SPECIAL REPORTER RANCHI :
गिरिडीह के बर्खास्त मेयर सुनील कुमार पासवान की ओर से उनके जाति प्रमाण पत्र को गलत बताते हुए रद्द करने के आदेश के खिलाफ दायर अपील की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में गुरुवार को हुई। मामले में मेंटिबिलिटी (याचिका सुनवाई योग्य है या नहीं) पर सुनवाई पूरी हो गई। इसके बाद कोर्ट ने मेंटिबिलिटी पर फैसला सुरक्षित रख लिया। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति रंगन मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता विनोद सिंह ने पैरवी की। दरअसल, एकल पीठ ने इस संबंध में प्रार्थी सुनील कुमार पासवान की रिट याचिका को खारिज कर दिया था। इसके बाद उनकी ओर से सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दाखिल की गई थी, सुप्रीम कोर्ट ने उनकी एसएलपी खारिज कर दी थी।

कोर्ट को बताया गया, गिरिडीह के सक्षम प्राधिकार ने बर्खास्त मेयर का जाति प्रमाण पत्र किया था निर्गत

प्रार्थी की ओर से बताया गया था कि सुनील कुमार पासवान के पिता वर्ष 1982- 83 में सरकारी सेवा पर रहते हुए सचिव, व्यापार मंडल गिरिडीह के पद पर थे। प्रार्थी की शिक्षा दीक्षा एवं लालन पालन गिरिडीह में ही हुआ है। इस दौरान गिरिडीह के सक्षम प्राधिकार द्वारा इनका जाति प्रमाण पत्र भी निर्गत किया गया था। इन्होंने मुखिया का चुनाव सहित कुछ अन्य जनप्रतिनिधि का इलेक्शन लड़ा था, लेकिन उनके जाति प्रमाण पत्र पर सवाल नहीं उठाया गया था। मेयर का चुनाव लड़ने के बाद इनके जाति प्रमाण पत्र सवाल उठाया गया। एकीकृत बिहार के समय से गिरिडीह में ही थे। इसलिए अनुसूचित जाति के फर्जी प्रमाण पत्र पर उनके द्वारा मेयर का चुनाव लड़ने का आरोप गलत है। उन्हें मेयर पद के अयोग्य घोषित किया जाना गलत निर्णय था।

बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में सुबह-सुबह हुई छापेमारी से हड़कंप, 3 घंटे चली रेड

खैनी और गुटखा बरामद, हाथ नहीं लगा कोई आपत्तिजनक सामान

CRIME REPORTER RANCHI :
धनबाद के मंडल जेल में हुई गोलीबारी के बाद बीते तीन दिनों से पलामू, दुमका, हजारीबाग जेल में छापेमारी की गई। गुरुवार अहले सुबह रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में छापेमारी की गई। डीडीसी दिनेश कुमार यादव के नेतृत्व में टीम सुबह साढ़े चार बजे जेल पहुंची और छापेमारी कर साढ़े सात बजे जेल से बाहर निकली। करीब तीन घंटे तक छापेमारी अभियान चला। इस दौरान टीम ने वार्ड, सेल और अस्पताल की गहन तलाशी ली। पुलिस का कहना है कि

आपत्तिजनक सामान बरामद नहीं हुआ है। कुछ वार्ड में खैनी और गुटखा पुलिस को मिला है लेकिन वह भी जमीन पर फेंका हुआ था। जिला प्रशासन की टीम दो सप्ताह पहले भी कारागार में गई थी, जिसने अपनी रिपोर्ट डीसी को सौंपी गई थी। जिसमें खैनी का सामान और सीढ़ी के बगल में खाना बनाने का मामला आया था।

छापेमारी दल में ये लोग थे शामिल

छापामारी दल में डीडीसी दिनेश यादव के अलावा अनुमंडल पदाधिकारी दीपक दुबे, अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) राजेश्वरनाथ आलोक, पुलिस अधीक्षक (नगर) राजकुमार मेहता, कार्यपालक दंडाधिकारी पवन कुमार, संजय प्रसाद, साधना जयपुरियार, संजय कुमार, स्मृति कुमारी के अलावा सहयोग के लिए पुलिस अधीक्षक, 15 पुलिस पदाधिकारी और 100 पुलिस के जवान भी शामिल थे।

डीएवी क्लस्टर पांच एथेलेटिक्स की स्पर्धा समाप्त, विजेताओं को दिया गया मेडल

PHOTON NEWS RANCHI :
डीएवी कपिलदेव पब्लिक स्कूल कडरू रांची द्वारा आयोजित क्लस्टर स्तरीय एथेलेटिक्स प्रतियोगिता राजधानी रांची के मोरहाबादी बिरसा स्टेडियम मैदान में समाप्त हो हुई। डीएवी क्लस्टर पांच के तहत आनेवाले विद्यालयों ने इसमें जमकर हिस्सा लिया। मौसम के अनुकूल न रहने पर भी बच्चों ने पूरा उत्साह दिखाया और अपनी-अपनी स्पर्धा में भाग लिया। बाद में स्पर्धा में प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यालयों और बच्चों को डीएवी कपिल देव विद्यालय में डीएवी रांची जोन बी के एआरओ सह डीएवी कपिल देव के प्राचार्य एमके सिन्हा, डीएवी गांधी नगर के प्राचार्य एस के सिन्हा, डीएवी हेहल के प्राचार्य एस के मिश्रा तथा डीएवी गढ़वा के प्राचार्य अजय कुमार चौबे ने संयुक्त रूप से विजेताओं को मेडल प्रदान किया। क्लस्टर में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले बच्चों ने अब जोनल में खेलने की योग्यता हासिल कर ली है। डीएवी जोन बी के एआरओ सह डीएवी कपिलदेव पब्लिक स्कूल कडरू के प्राचार्य एम के सिन्हा ने क्लस्टर स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के समापन की विधिवत घोषणा की तथा विजेताओं को शुभकामनाएं दी। डीएवी क्लस्टर 5 में डीएवी हेहल, डीएवी कपिल देव, डीएवी खूंटी, डीएवी सिमडेगा, डीएवी गढ़वा, डीएवी टीसीआई गोविंदपुर, डीएवी लोहरदगा और डीएवी गुमला के बच्चे शामिल हुए।

राज्य के 24वें चीफ सेक्रेट्री का पदभार एल खियांग्यते ने संभाला

PHOTON NEWS RANCHI :
लाल बियाक्त लुंगा खियांगते ने गुरुवार को राज्य के 24वें चीफ सेक्रेट्री का पदभार संभाला। सुबह साढ़े बजे उन्होंने चीफ सेक्रेट्री पद का प्रभार लिया। मौके पर सभी विभागों के हेड ऑफ डिपार्टमेंट भी मौजूद रहे। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि डेवलपमेंट स्कीम आम लोगों तक पहुंचे, इस पर फोकस किया जाएगा। बताते चलें कि एल खियांग्यते 1988 बैच के अफसर हैं। वे 31 अक्तूबर 2024 को रिटायर होंगे। एल खियांग्यते ने अपनी करियर की शुरूआत एकीकृत बिहार के बक्सर जिले में डीएम के रूप में की थी। राज्य गठन के बाद वे झारखंड कैडर में चले आए। इसके बाद वे कल्याण विभाग,

भवन निर्माण विभाग,पंचायती राज, एनआरइपी के विज्ञान प्रावैधिकी विभाग में पदस्थापित रहे। झारखंड प्रतियोगी परीक्षा पर्षद के परीक्षा नियंत्रक के रूप में भी काम किया। 2018 से 2020 तक वह राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रूप में काम किया। राज्य सरकार ने बुधवार को मुख्य सचिव सुखदेव सिंह तबादला करते हुए एटीआई का महानिदेशक बनाया था और एल खियांग्ते को राज्य के नए चीफ सेक्रेट्री की जिम्मेवारी सौंपी थी।

पिछले 24 घंटे के दौरान तूफान के कारण कई राज्यों में हुई अच्छी बारिश

'मिचौंग' पड़ा कमजोर, कल से गिरेगा पारा, बढ़ेगी ठंड

PHOTON NEWS RANCHI :
पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी के साथ दक्षिण आंध्र प्रदेश तट के ऊपर बना गंभीर चक्रवाती तूफान मिचौंग दक्षिण आंध्र तट से टकराने के बाद अब कमजोर पड़ चुका है। पिछले 24 घंटे के दौरान तूफान के कारण कई राज्यों में अच्छी बारिश हुई। झारखंड में भी पिछले 24 घंटे में लगभग सभी स्थानों पर हल्के से मध्यम जबकि एक-दो स्थानों पर भारी दर्जे की वर्षा हुई। सबसे अधिक वर्षा 75.4 सरायकेला-खरसावां में दर्ज किया गया। सबसे अधिक उच्चतम तापमान 25.3 डिग्री सेल्सियस गोड्डा में, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 15.7 डिग्री सेल्सियस रांची में दर्ज किया गया। राज्य में अगले 24 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव की संभावना नहीं है। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने कहा कि शुक्रवार को कहीं-कहीं दोपहर तक बारिश हो सकती है। दोपहर के बाद हल्की धूप खिलने की संभावना है। पिछले 2-3 दिनों में जो अधिकतम व न्यूनतम एक जैसे हैं उनमें 9 दिसंबर से बदलाव होंगे। अधिकतम तापमान 4-5 डिग्री बढ़ेगा। वहीं न्यूनतम तापमान में 3-4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है। शुक्रवार की सुबह में कोहरे के बाद आंशिक बादल छाए रहेंगे और मौसम शुष्क रहेगा। शनिवार की सुबह में कोहरे के बाद आसमान साफ रहेगा और अगले 3 दिनों में न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस होने का अनुमान है।

गुरुवार को रेन कोट व छाता लेकर स्कूल जाते दिखे बच्चे।

बारिश नहीं रोक सकी राजधानी की रफ्तार

गुरुवार को मिचौंग तूफान का असर रांची में रहा। पूरे दिन हल्के दर्जे की बारिश हुई। लेकिन बारिश भी राजधानी की रफ़्तार नहीं रोक सकी। सरकारी कार्यालय में कर्मियों की शत प्रतिशत उपस्तिथि दर्ज की गई। वहीं स्कूलों में लगभग 80 प्रतिशत बच्चे पहुंचे। रोज कमाने खाने वाले छोटे ठेले वाले भी बारिश में डटे रहे। कुछ स्थानों पर जल जमाव की स्थिति देखी गई।

BRIEF NEWS

राउरकेला एयरपोर्ट के विकास को लेकर सांसद ने संसद में किया सवाल

ROURKELA : हवाई अड्डे के विकास के संबंध में सुंदरगढ़ के सांसद जुएल ओरम का संसद में नागरिक उड्डयन मंत्री से प्रश्न पूछा। उत्तर काशी के सुरंग हादसे के समय सेना की हरकुलाश विमान ने राउरकेला स्टील प्लांट के पाइप एयर लिफ्ट किया गया और कोरना काल में ऑक्सिजन भी एयरलिफ्ट हुआ था। संसद जुएल ओराम ने उड्डन में 100 एयरपोर्ट का विकास के लिए चयन किया गया था जिसमे राउरकेला 5वी नंबर पे था, फिर भी इस हवाई अड्डे का विकास अभी तक नही हो पा रहा है। इस पर मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने टिकट प्राइस का मुद्दा बताते हुए राउरकेला को प्राथमिकता दिए जाने की बात कही और सांसद जुएल ओराम को मिलने को कहा। उन्होंने राउरकेला एयरपोर्ट के विकास और प्रगति के वारे में विश्लेषण करने की बात कही है ।

बारिश के कारण जिला प्रशासन ने स्कूल बंद करने का दिया आदेश

ROURKELA : पूरे जिले में चक्रवाती बारिश जारी है। सुंदरगढ़ कलेक्टर ने गुरुवार को जिले के सभी स्कूलों को बंद करने की घोषणा की। तूफान के असर से ओडिशा के जिलों में भी बारिश हो रही है। राउरकेला में कल से लगातार बारिश होने से मौसम खराब है। बारिश की वजह से फसल खराब होने की आशंका से किसान हताश है। ओडिशा के कुछ जिलों में कल भी बारिश होने की संभावना है।

सेर झोटी प्रतियोगिता के तीसरे चरण में कुल 4662 प्रतियोगियों ने भाग लिया

ROURKELA : चिन्मय फाउंडेशन के तत्वाधान में गुरुवार को सेर झोटी प्रतियोगिता के तीसरे चरण में कुल 4662 प्रतियोगियों ने भाग लिया। ग्रामीण कला, साहित्य, संस्कृति और परंपरा को संरक्षित करने और इसे पूरी दुनिया से परिचित कराने के उद्देश्य से जाजपुर के बाबलपुर स्थित एक अंतरराष्ट्रीय जन संगठन चिन्मय फाउंडेशन एक ऑनलाइन सेर झोटी प्रतियोगिता चल रहा है। प्रतियोगिता के पहले राउंड में 735 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया, जबकि दूसरे राउंड में 1733 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया और आज तीसरे राउंड को मिलाकर कुल 4662 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया। हालांकि, यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि कार्तिक पंचक के आखिरी पांच दिनों में मुरुज प्रतियोगिता में कुल 5,733 प्रतियोगियों ने भाग लिया और कुमार पूर्णिमा की पांच शामों में फूल घर प्रतियोगिता में 1,256 प्रतियोगियों ने भाग लिया। हालाँकि, पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष प्रतियोगियों की संख्या बढ़ रही है। फूल घर, झोटी और मुरुज पेंटिंग का मूल्यांकन विभिन्न देशों के प्रतिभाशाली चित्रकारों द्वारा किया जाता है और जो प्रतियोगी योग्य माने जाएंगे उन्हें ऑनलाइन प्रमाण पत्र के साथ विभिन्न सम्मानों से सम्मानित 26 जनवरी को किया जाएगा चिन्मय फाउंडेशन के संस्थापक और अध्यक्ष चिन्मय दास ने यह जानकारी दी है ।

खिलाड़ियों के प्रतिभा उभारने के लिए आयोजित की जाएगी प्रतियोगिताएं

ROURKELA : राउरकेला में छिपी हुई खेल प्रतिभा को सामने लाने के लिए पुरुषों और महिलाओं दोनों वर्गों के लिए ओडिशा सरकार की 'नुआ ओ' पहल के तहत खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। आने वाले दिनों में राउरकेला में स्थानीय खिलाड़ियों की भागीदारी के साथ होने वाली नगरपालिका स्तरीय खेल प्रतियोगिता की प्रत्याशा में आरएमसी सभागार में एक तैयारी बैठक हुई है । राउरकेला के अतिरिक्त जिलापाल और नगर निगम आयुक्त डॉ. शुभंकर महापात्र की अध्यक्षता में हुई बैठक में क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, हॉकी, कबड्डी और खो-खो संघों के पदाधिकारियों ने संबोधित किया। डॉ. महापात्र ने खेलों का समुचित संचालन सुनिश्चित करने की सलाह दी और प्रतियोगिता के लिए सभी विभागीय अधिकारियों से सहयोग मांगा। इसके अतिरिक्त, उन्होंने खेलों के दौरान भाग लेने वाले एथलीटों के लिए अग्नि सुरक्षा प्रणाली लागू करने, एम्बुलेंस सेवाएं प्रदान करने और फिजियोथेरेपी सहायता उपलब्ध कराने के महत्व पर जोर दिया।

वरिष्ठ नागरिक तीर्थयात्रा योजना के तहत 8 जिलों के 1,000 तीर्थयात्री रवाना

ROURKELA : राज्य सरकार के सहयोग से वरिष्ठ नागरिक तीर्थयात्रा योजना के तहत 8 जिलों के 1,000 तीर्थयात्री दो राज्यों के तीर्थ स्थलों की यात्रा के लिए संबलपुर रेलवे स्टेशन से गुरुवार को रवाना हुए हैं। राउरकेला विधायक एवं राज्य के श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक सहित वित्त मंत्री निरंजन पुजारी ने हरी झंडी दिखा कर ट्रेन को रवाना किया । मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के इस वरिष्ठ नागरिक तीर्थयात्रा योजना के तहत हर साल राज्य के सभी अंचल से तीर्थयात्री देश के विभिन्न तीर्थ स्थलों मे जाने के अवसर से मिल रहा है, इसके लिए सभी तीर्थ यात्रियों ने मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के आभार और धन्यवाद दिया इस अवसर पर उत्तरांचल आरडीसी सुरेश चंद्र दलेई, वरिष्ठ नागरिक तीर्थयात्रा योजना के सलाहकार दुर्गा सामंतराय, बीजेडी के प्रवक्ता संजय बाबू उपस्थित थे।

बारिश के कारण पटना पहुंचने वाली कई फ्लाइट डिले

हवाई सेवा पर चक्रवाती तूफान मिचोंग का असर

पटना:चक्रवाती तूफान 'मिचोंग' का असर बिहार में भी दिख रहा है। सुबह से ही प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश का दौर जारी है। जिससे ठंड बढ़ गई है। तापमान में गिरावट आई है। इसका असर हवाई सेवा पर भी पड़ा है, जिससे यात्रियों का काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के कारण पटना पहुंचने वाली कई फ्लाइट डिले है, तो कुछ को रद्द कर दिया गया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी के मुताबिक बेंगलुरु समेत अन्य जगहों से पटना पहुंचने वाली कई फ्लाइट देरी से चल रही है। कुछ के कैंसिल होने की भी संभावना है। पटना एयरपोर्ट पर लैंड करने वाले विमान सुबह से ही विलंब से आ रहे हैं। बेंगलुरु से पटना आने वाली विमान आधे घंटे विलंब से पहुंची। दिल्ली से आनेवाली स्पाइस जेट विमान संख्या SG 8721 एक घंटे 30 मिनट की देरी से पहुंची। वैसे ही मुंबई से आने वाली स्पाइस जेट विमान संख्या SG 429 को रद्द कर दिया गया है। मौसम में अभी सुधार होने के आसार नहीं है। जिससे लोगों की परेशानी बढ़ सकती है। वहीं, इंडिगो की देवघर और चेन्नई की फ्लाइट बुधवार को रद्द रही। सही समय पर मैसेज नहीं देख पाने की वजह से कुछ यात्री एयरपोर्ट पहुंच गए थे। उन्हें किराया वापस कर दिया गया। सुबह में सभी विमानों का ऑपरेशन सही समय पर हुआ। पहली फ्लाइट बेंगलुरु से करीब 07:57 बजे लैंड कर गई। हालांकि 15 जोड़ी विमानों का ऑपरेशन देर से हुआ। इनमें सबसे अधिक आठ घंटे देर से स्पाइसजेट की दिल्ली की उड़ान एसजी 8721 शाम छह बजे आई। इंडिगो की लखनऊ-पटना फ्लाइट 6ए 6902 तीन घंटे 26 मिनट देर से करीब दो बजे आई। रांची से आने वाली इंडिगो की उड़ान 6ए 925 पौने दो घंटे देर से साढ़े चार बजे आई। एयर इंडिया की दिल्ली-पटना की फ्लाइट एआई 407 पौने तीन घंटे लेट से शाम 6:15 बजे, इंडिगो की दिल्ली की उड़ान 6 ई 2769 दो घंटे 50 मिनट देर से दिन के एक बजे पहुंची। अन्य विमान 45 मिनट से कम देर से आए गए।

मौसम ने अचानक बदला मिजाज

भागलपुर: भागलपुर में गुरुवार की सुबह से ही दिन का मिजाज बिगड़ा हुआ है सुबह में हुई हल्की बूंदाबांदी से सिहरन बढ़ गया है। हालांकि रात का पारा 21.0 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया था, जो कि सामान्य से छह डिग्री सेल्सियस अधिक पर रहा। गुरुवार की दोपहर तक पर 19.0 सेल्सियस पहुंच गया। जो सम्मान सेल्सियस से 8 डिग्री अधिक रहा। बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर के मौसम वैज्ञानिक डॉ. सुनील कुमार ने बताया कि शुक्रवार को भी जिले में हल्की बारिश या बूंदाबांदी होने की संभावना है। दिन के तापमान में एक से डेढ़ डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हो सकती है। लेकिन रात के तापमान में कोई खास कमी नही होगी। जिले में अचानक मौसम का मिजाज बदल गया है। वहीं जिले में मौसम का दोहरा रूप देखने को मिल रहा है। भागलपुर, नवगछिया, सुल्तानगंज, जगदीशपुर, नाथनगर , सनहौला गोराडीह,पुलिस जिला नवगछिया समेत कई हिस्सों में झमाझम बारिश हो रही है। जबकि जिले के कई हिस्सा में बादल छाया हुआ है। वहीं मौसम विभाग की अगर माने तो विभाग ने पहले से ही अलर्ट जारी किया था। और भागलपुर सहित कई अन्य जिले में भी मौसम विभाग ने अलर्ट जारी कर सावधानी बरतनी की अपील की थी। विभागीय अधिकारियों ने लगों से सुरक्षित स्थान में रहने, एवं पेड़ के नीचे ना रहने व बिजली की तार और खंभे से दूर रहने, और किसानों से अपने खेतों पर ना जाने एवं मौसम सामान्य होने की प्रतीक्षा करने की अपील की है। वहीं जिले में अचानक मौसम बदलने से लोगों को गर्मी से राहत भी मिली है लेकिन गरीब किसानों के चेहरे पर चिंता बढ़ा दी है।

पहले प्रयास में विजयंत बने सहायक अभियोजन पदाधिकारी

भागलपुर: बीपीएससी की ओर से आयोजित सहायक अभियोजन पदाधिकारी परीक्षा (2023) में बरारी आरएचएमटी लेन के विजयकांत कुमार ने प्रथम प्रयास में ही सफलता हासिल की। वे सहायक अभियोजन पदाधिकारी चयनित हुए हैं। विजयंत कुमार भागलपुर के मूल्य रूप से निवासी हैं, उनके पिता की मौत हो चुकी है। इस दौरान पढ़ाई में उनको कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन परिवार वाले उसे हौसला देते रहे। आखिरकार उन्होंने मुकाम हासिल कर लिया। मां और भाई का सपोर्ट बेहतर रहा और उन्होंने मंजिल हासिल की। परिवार में सबसे उच्च पोस्ट की नौकरी विजयंत कुमार ने ही प्राप्त की है जिससे परिवार वालों में काफी खुशी है। मिठाई बाटकर खुशी जाहिर करते वक्त दैनिक भास्कर से बातचीत के दौरान विजयंत कुमार की मां भावुक हो उठी और उन्होंने विजयंत के लाइफ स्ट्रगल के बारे में बताया। विजयंत की मां ने कहा कि देर रात तक खूब पढ़ाई करता था, इसके इस सफलता से सिर्फ परिवार ही नहीं बल्कि समाज के लोग भी खुश है। विजयंत ने कहा कि लॉ कॉलेज में पढ़ाई के दौरान सीनियर ने सहायक अभियोजन पदाधिकारी के बारे में बताया और कहा कि समाज से जुड़ने के लिए यह पद भी बेहद महत्वपूर्ण होता है। तभी से बीपीएससी की तैयारी में जुट गए थे। देर रात तक मेहनत करता था, परिवार का भी खूब सपोर्ट रहा। दिन में समय नहीं मिलने के कारण अधिकतर पढ़ाई रात में ही करता था। रात में करीब चार घंटे तक पढ़ाई करते थे। प्रारंभिक विद्यालय के बाद उन्होंने टीएमबीयू से स्नातक के बाद एलएलबी तक पढ़ाई टीएनबी लॉ कॉलेज से की, वर्तमान में इसी कॉलेज से एलएलएम की पढ़ाई कर रहे हैं। इस दौरान कठिनाइयां कई सामने आई। लेकिन परिवार वालों ने कहा मेहनत करते रहिए सफलता हाथ जरूर लगेगी। अन्य युवाओं से भी उन्होंने अनुरोध किया कि किसी भी कार्य को पूरे लगन से करें, किसी भी कार्य को पूरे मन से करने के बाद सफलता जरूर हाथ लगती है।

वरिष्ठ नेता सह समाजसेवी सईद खान का निधन

गया : गया में भारतीय अवाम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व राज्य मंत्री रामेश्वर प्रसाद यादव एवं पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव प्रोफेसर तौसीफूर रहमान खान ने मशहूर समाजसेवी एवं वरिष्ठ नेता सईद खान के निधन पर गहरा दुःख प्रकट किया है। दोनों नेताओं ने अपने शोक संदेश में कहा है कि सईद खान के निधन की खबर से पूरे इलाके के लोग गमगीन और उदास हैं। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव प्रोफेसर तौसीफुर रहमान खान ने बताया। उनका घर शेरघाटी प्रखंड के अंतर्गत ग्राम खंडैल में पड़ता है। हम लोग पड़ोसी थे। मेरे लिए एक गार्जियन की तरह थे। वह गरीबों के प्रति बहुत हमदर्दी रखते थे। तथा उन्होंने खंडैल में एक बड़ी आबादी वाला घर बनाकर कम पैसों में गया से जाकर बसने वाले गरीबों को दिया था है। जो आज भी देखा जा सकता है। उनका राजनीतिक जीवन भी बहुत लंबा रहा है। उन्होंने जनता दल की टिकट से चतरा से लोकसभा का चुनाव भी लड़ा था। उनके निधन पर पार्टी के राष्ट्रीय सचिव जावेद अख्तर उर्फ पप्पू खान एवं पार्टी के कोषाध्यक्ष इंजीनियर राम लगन प्रसाद ने भी गहरा दुख प्रकट किया है।

ब्लास्ट मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

बेगूसराय :बेगूसराय में चर्चित बम ब्लास्ट मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी शुभम कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। अपराधी के खिलाफ विभिन्न थानों में 10 मामले शामिल हैं। पहसारा गांव निवासी शुभम डबल मर्डर केस में भी आरोपी रहा है। पुलिस की पूछताछ में अपराधी ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। 2021 में ही अपराधी शुभम कुमार ने बम को खंडार नुमा घर में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए छुपाकर रखा था। इस दौरान आरोपी जेल में बंद था। यह अपराधी हथियार के बदले बम का इस्तेमाल करता था। पुलिस पूछताछ में ये भी बात सामने आई है साल 2011 में हाथ में बम फटने से घायल भी हुआ था। बता दें कि, 28 नवंबर को नावकोठी थाना क्षेत्र में एक खंडहर नुमा घर में रखे बम के फटने से छह बच्चे घायल हो गए थे। हादसा खेलने के दौरान हुआ था। एक बच्चा घर के अंदर गेंद निकालने के लिए घुसा और गेंद के साथ एक टेप लगा डिब्बा लेकर बाहर आया और डिब्बा खोलने के बाद दिवाल पर पटकने से विस्फोट हो गया। सभी घायल बच्चों को ग्रामीणों के सहयोग से इलाज के लिए बेगूसराय के निजी अस्पताल कराया गया था।

पोस्को एक्ट मामले में आरोपी को 10 साल की सजा

किशनगंज (बिहार):किशनगंज में पोस्को एक्ट के मामले में आरोपी युवक को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम सह विशेष न्यायाधीश (पोस्को अधिनियम) कुमार गुंजन की अदालत ने बुधवार को 10 साल की सजा सुनाई सुनाई है। बहादुरगंज थाना कांड संख्या 358/19 के आरोपी कोचाधामन थाना क्षेत्र के निवासी मो सुलेमान अख्तर को पोस्को एक्ट के अन्तर्गत दोषी करार देते हुए सजा सुनाई गई। विद्वान न्यायाधीश कुमार गुंजन ने बुधवार को दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद अदालत में फैसला सुनाया।

बचाव पक्ष के तरफ से अधिवक्ता ने अदालत के समक्ष कहा कि दोष सिद्ध अभियुक्त को कम से कम सजा दी जाए। जबकि सरकार के तरफ विशेष लोक अभियोजक(पोस्को अधिनियम) मनिष कुमार साह ने कड़ी से कड़ी सजा देने की बात कही।

दोनों पक्षों की दलील व गवाहों के बयान सुनने के बाद अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम सह विशेष न्यायाधीश (पोस्को अधिनियम) कुमार गुंजन ने सजा सुनाई। विशेष लोक अभियोजक (पोस्को अधिनियम) मनीष कुमार ने बताया कि बहादुरगंज थाना कांड संख्या 358/19, विशेष पोस्क वावा संख्या 1/20 धारा 366अ,376 व धारा 04 पोस्को अधिनियम में दोषी पाते हुए धारा 366 में 7 साल का कारावास एवं धारा 376 व 04 पोस्को अधिनियम में 10 साल का कारावास व 50 हजार रुपए का अर्थदण्ड लगाया गया। अर्थदण्ड की राशि जमा नहीं करने पर 6 माह की अतिरिक्त कारावास।

विशेष लोकअभियोजक पोस्को अधिनियम मनिष कुमार ने बताया कि पीड़ित को 4 लाख रुपए बतौर मुआवजा सरकार की ओर से देय होगा।

लखीसराय से लापता बच्चा जमुई से हुआ बरामद

जमुई :जमुई के सोनो थाना क्षेत्र के भरतपुर गांव के रीना देवी की मां ने एक लापता सात साल के बच्चे को सकुशल उसके परिजनों को सौंप दिया।बच्चे के सकुशल बरामदगी के बाद परिजनों में खुशी देखी गई। रीना देवी बताती है बुधवार की शाम जब वह देवघर ट्रेन पकड़ने जा रहे थी। तभी लावारिस अवस्था में बच्चे को रोते हुए देखा। बच्चे से पूछताछ में वह अपना नाम दिलखुश कुमार पिता धनंजय सिंह लखीसराय जिले के बड़हिया थाना क्षेत्र के प्रतापपुर गांव अपना घर बताया।

रीना देवी को देवघर जाना था। तभी वह उस बच्चे को अपनी मां मालती देवी को सुपुर्द कर देवघर चली गई। मालती देवी सोनो थाना क्षेत्र के भरतपुर गांव की रहने वाली है। इस दौरान भरतपुर गांव के युवाओं के द्वारा बच्चे का फोटो और नाम सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। बच्चे का फोटो नाम सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद बच्चे के परिजनों को जानकारी मिल गई। उन्होंने यह भी बताया कि भरतपुर के ग्रामीणों ने फोन करके बड़हिया थाना में भी बच्चे के बारे में सूचना दिया था।

बच्चे के परिजन गुरुवार की सुबह भरतपुर गांव पहुंचे। जहां मालती देवी ने बच्चे को सही सलामत परिवार के लोगों को लौटा दिया। इस दौरान परिवार के लोगों ने भरतपुर गांव के ग्रामीणों और मालती देवी को धन्यवाद भी दिया। बच्चे को लेने आए परिजन विकास कुमार ने बताया की दिलखुश मंगलवार से लापता था। हमलोगों के द्वारा काफी खोजबीन भी किया गया।

इस दौरान स्थानीय थाना बड़हिया में बच्चे की लापता होने की लिखित आवेदन भी दिये थे। विकास कुमार ने बताया कि बच्चा स्कूल जाने के लिए घर से निकला था। बच्चे का फुआ का घर मनकट्टता है। वह ट्रेन पकड़कर मनकट्टता आना चाहता था। लेकिन वह ट्रेन में सो गया और झाझा के रास्ते सोनो भरतपुर पहुंच गया। इस दौरान बच्चे के दादा ठाकुर प्रताप सिंह, मौसा,मामा, फूफा भारतपुर पहुंचे थे।

20 दिसंबर को बिहार स्टेट बार काउंसिल का चुनाव

अधिवक्ताओं से अपने पक्ष में वोट करने की कही बात

बक्सर: बक्सर बार काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन अधिवक्ता मनन कुमार मिश्रा ने व्यवहार न्यायालय पहुंचकर गुरुवार को संपर्क अभियान चलाया। उन्होंने अधिवक्ताओं के हितार्थ किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी, जिसमें उन्होंने बताया कि अधिवक्ताओं को पेंशन, इंश्योरेंस समेत तमाम सुविधा दिलाने का प्रयास लगातार किया जा रहा है। बता दें कि बार काउंसिल चुनाव के मद्देनजर अधिवक्ताओं के बीच उम्मीदवार अपना जनसंपर्क अभियान चलाकर मतदाताओं को लामबंद कर रहे हैं। बार काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन अधिवक्ता मनन कुमार मिश्रा ने कहा कि उनके द्वारा अधिवक्ताओं के कल्याणार्थ लगातार कार्य किया जाता है।

आगे भी वकीलों की सुरक्षा और उनके कल्याण कोष के निर्माण के लिए सरकार से कानून बनाने की मांग को और भी तेज किया जाएगा। हालांकि इसके लिए पहले भी गृह मंत्री अमित शाह तक बात उठाई गई है।

लोकसभा चुनाव से पहले इस संदर्भ में कानून बनाए जाने की संभावना है। बता दें कि बिहार स्टेट बार काउंसिल का आम चुनाव आगामी 20 दिसंबर को होने जा रहा है। बार काउंसिल अध्यक्ष पद के उम्मीदवार मिश्रा ने बताया कि बक्सर व्यवहार न्यायालय के महासचिव विन्देश्वरी पांडेय उर्फ पप्पू पांडेय, विजय शंकर मिश्रा, कुमार मानवेन्द्र, राघव कुमार पांडेय, राजेश कुमार यादव, शशि कांत उपाध्याय उर्फ सरोज उपाध्याय, सरफराज, रामकृष्ण चौबे, शिवजी राय, मनोज यादव, सत्यप्रकाश पाण्डेय, आनंद मोहन उपाध्याय, शिव शंकर दूबे, अवि मिश्रा, सत्यप्रकाश राय, उमेश कुमार, टुनटुन मिश्रा सहित सैकड़ों अधिवक्ता से सम्पर्क किया गया।

संक्षिप्त डायरी

बेटा जन्म नहीं देने पर विवाहिता की हत्या

समस्तीपुर :समस्तीपुर में गुरुवार सुबह ससुराल वालों ने विवाहिता की गला घोंट कर हत्या कर दी। विवाहिता की दो बेटियां है। बेटा जन्म न देने पर ससुराल वाले महिला से नाराज रहते थे। विवाहित गांव के हरि पासवान की पत्नी रामदुलारी कुमारी (22) है। विवाहिता के ससुर रोसरा थाना के चौकीदार हैं। घटना को अंजाम देने के बाद चौकीदार अपने परिवार के संग फरार हो गए। इस बीच मायके वालों को जब घटना की सूचना मिली तो गांव पहुंचकर पुलिस को जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने विवाहिता के शव को जब्त कर लिया है और पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वहीं, महिला की दो बेटियां है। जिनके सिर से मां का साया उठ गया। एक की उम्र 6 माह है। मामला शिवाजीनगर प्रखंड क्षेत्र के करियन गांव का है। घटना के संबंध में विवाहिता के भाई हसनपुर थाने में पदस्थापित चौकीदार मनीष पासवान व चाची रोशन देवी ने कहा कि 2019 में उन्होंने रामदुलारी की शादी करियन गांव निवासी हरि पासवान के साथ की थी। हरि पासवान के पिता उमेश पासवान रोसरा थाने के चौकीदार हैं। ससुराल वाले हमेशा उसे प्रताड़ित करते रहते थे। शादी के कुछ दिन बाद से ही उनकी बहन के ससुराल वाले उसे तरह-तरह से प्रताड़ित करने लगे। लगातार दहेज की मांग की जाने लगी। इस दौरान उनकी बहन को दो बेटियां हुई है। एक बच्ची 2 वर्ष की है जबकि दूसरी 6 माह की। बेटी जन्म देने के कारण लगातार उसे प्रताड़ित किया जाता था। 10 दिन पूर्व भी मारपीट की गई थी। सूचना पर बहन के ससुराल पहुंचे थे। सुबह सूचना मिली कि उनकी बहन की हत्या कर दी गई है। मौके पर पहुंचे तो देखा ससुराल वाले फरार हैं।

कोरैया सरेह से अधेड़ का शव बरामद चोट के निशान मिले

आदापुर : महुअवा थाना क्षेत्र अंतर्गत इंडो नेपाल बॉर्डर से करीब दो सौ मीटर दक्षिण दिशा में कोरैया गांव के सरेह से पुलिस ने एक अधेड़ व्यक्ति का शव बुधवार को बरामद किया है। जिसे पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया गया है। शव की पहचान कोरैया पश्चमी टोला निवासी संतोष कुमार सिंह के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार शव को देखने से प्रथम दृष्टया उसकी हत्या होने की आशंका जताई जा रही है। मृतक के चेहरे व गर्दन पर मारपीट का निशान स्पष्ट दिख रहा था। मृतक के भाई व परिजनों के द्वारा घटना का कारण भूमि विवाद से जुड़े होने का दावा किया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची थानाध्यक्ष सोनी कुमारी, इंसपेक्टर अभय कुमार व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी धीरेंद्र कुमार ने गहनता से जांच पड़ताल कर स्थानीय लोगों से आवश्यक जानकारियां जुटाई गई। वहीं मृतक के परिजनों से भी घटना के संदर्भ में पूछताछ की गई। इस बाबत पूछे जाने पर थानाध्यक्ष सोनी कुमारी का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। वहीं परिजनों के द्वारा फिलहाल आवेदन नही मिला है, संभवतः दाह संस्कार के उपरांत आवेदन देंगे।

बारात से लौट रहे युवकों की कार नहर में गिरी

मोतिहारी : रक्सौल-घोड़ासहन नहर कैनाल रोड में एक अनियंत्रित कार नहर में जा गिरी। दुर्घटना नोनियाडीह चौक के पास हनुमान मंदिर के पास हुआ है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह घटना रात की है। तीखी मोड़ होने के चलते, कार की रफ्तार तेज होने के चलते गाड़ी नहर में जा गिरी। कार पर शादी का स्टिकर लगा हुआ है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क ज्यादा घुमावदार होने के चलते और रात्रि में कुहासा होने के चलते ड्राइवर को मोड़ समझ नही आया जिस कारण कार नहर में जा गिरी। वही ग्रामीणों ने बताया कि इसमें पांच लोग सवार थे, सभी को हल्की चोटें आईं थी। सभी को दूसरी कार पर ले जाया गया। ग्रामीणों के पूछने पर घायलों ने बताया कि हम लोग हीरा मणि से रक्सौल बारात में आये थे। बारात में वापस हीरा मणि जा रहे थे तब तक यह घटना हो गई। घटना करीब 11 बजे रात्रि की बताई जा रही है। थानाध्यक्ष नीरज कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिली है। पुलिस टीम को घटना स्थल पर भेज दिया गया है। कार को नहर से बाहर निकालने को लेकर जेसीबी को मंगाया जा रहा है। कार पर कौन सवार थे, कहां इलाज चल रहा है इसका पता लगाया जा रहा है।

भाजपा के पदाधिकारियों ने अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्प चढ़ा कर नमन किया

संवाददाता

कुशीनगर। बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर बुधवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा विभिन्न स्थानों पर पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें भाजपा नेता पदाधिकारी और कार्यकताओं ने डा0 अम्बेडकर की प्रतिमा की साफ सफाई और माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। रविन्द्र नगर स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम में

पूर्व जिलाध्यक्ष लल्लन मिश्र, जिला महामंत्री सन्तोष दत्त राय, सुदर्शन पाल, जिला उपाध्यक्ष विनोद भारती, जिला मंत्री विवेकानंद शुक्ल, जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द, मण्डल अध्यक्ष राधेश्याम गुप्ता, युवा मोर्चा जिला मंत्री अनूप तिवारी, बुद्धजीवी प्रकोष्ठ जिला संयोजक निखिलेश्वर मिश्र, मनीष चौधरी, हिमांशु राय, ऋषिकेश सिंह सहित दर्जनों पदाधिकारी और कार्यकर्ता डॉ भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। इसी तरह पडरौना में कठकुइंया मोड़ के अम्बेडकर पार्क में जिला उपाध्यक्ष विजय कुमार शुक्ल के नेतृत्व में भाजपा द्वारा विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया और डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। इस अवसर पर सदर विधायक मनीष जायसवाल, पडरौना नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि मनीष जायसवाल बुलबुल, बंका सिंह, नमो नारायण मौर्य, डॉ पीएन राय,सभासद अरुण कुशवाहा , भुवनेश्वर त्रिपाठी, देवेश मिश्रा, धीरज पाठक, मनोज जायसवाल, बबलू खरवार, प्रमोद श्रीवास्तव, पीयूष सिंह आदि मौजूद थे।

बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

संवाददाता

अमरोहा। जनपद अमरोहा प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर विकास क्षेत्र गंगेश्वरी में डॉक्टर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर एक श्रद्धांजलि सभा का

आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के स्टाफ, अभिभावकों के साथ साथ स्कूली छात्र/छात्राओं ने बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। विद्यालय के प्रधान अध्यापक एवं प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह ने कहा कि हम सभी को बाबा साहब के सपनों को साकार कर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने सभी से बाबा साहब द्वारा दिए गए तीनों मूल मंत्रों को अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि डॉ बाबासाहब भीमराव अंबेडकर के सपनों को साकार कर एक अच्छे भारत के निर्माण में अपना योगदान देना होगा। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष इंद्र सिंह, इंचार्ज अध्यापक मदनपाल, सहायक अध्यापक अमित कुमार, अजय सागर, योगेश कुमार, मनीष कुमार,राजीव कुमार, राशिद अली, संतराम सिंह,योगेंद्र सिंह, चंद्रमुखी,स्वालेहा आदि मौजूद रहे।

महिलाओं को गन्नें की पौध तैयार करने की दी गई जानकारी

कुशीनगर। फाजिलनगर के रहसू जनोबीपट्टी के टोला दूबे पट्टी में महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को गन्नें की नर्सरी तैयार करनें के तरीके बताए गए। इस समूह से जुड़ी महिलाओं को एक आंख का टुकड़ा बडकटर से काटकर तथा हेक्सा स्टाप से बीज उपचारित कर ट्रे में बायोखाद मिट्टी व गोबर से तैयार खाद को ट्रे में रखकर उसके ऊपर खाद से ढककर पौध तैयार करनें के बारे में प्रशिक्षक पूनम श्रीवास्तव द्वारा विधिवत बताया गया।इस अवसर पर न्यू इंडिया शुगर मिल हाटा के सहायक प्रबंधक गन्ना मुकेश कुमार सिंह नें समूह की महिलाओं को गन्नें की नर्सरी तैयार कर खुद को स्वावलम्बी बनने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही ऊन्होंनें कहा कि गन्ने की नर्सरी तैयार कर महिलाएं आत्मनिर्भर व स्वावलम्बी होनें के साथ इसे बेहतर आय का स्रोत बना सकतीं हैं। इस में चीनी मिल के गन्ना सुपरवाईजर दीपांकर यादव एवं समूह की अध्यक्ष उर्मिला देवी, सदस्य रमावती देवी, रामपरी, रेखा, कालपति, गुड्डी, मुन्नी, शारदा, इंदू देवी व कौशल्या देवी आदि महिलाओं ने भाग लिया।

मोटे अनाज स्वास्थ्य के लिए उपयोगी:डॉ0 विश्वम्भर नाथ

कुशीनगर। 50 यूपी बीएन एनसीसी एवं समाजशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को उदित नारायण पीजी कॉलेज, पडरौना में इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत एनसीसी के कैडेट्स और समाजशास्त्र के विद्यार्थियों को मोटे अनाज के सेवन से होने वाले लाभ के बारे में बताया गया। वक्ता के रूप में डॉ0 विश्वम्भर नाथ प्रजापति ने मोटे अनाज को भारतीय संस्कृति और लोकगीतों में उसकी महत्ता को बताया और साथ ही मोटे अनाज स्वास्थ्य के लिए विशेष कर महिलाओं के लिए कैसे उपयोगी हैं उस पर भी अपने विचार को प्रकट किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुई कॉलेज की प्राचार्य प्रो0 ममता मणि त्रिपाठी जी ने कहा कि मोटे अनाज प्रोटीन, विटामिन, फाइबर, आयरन इत्यादि से युक्त होते हैं। इनके सेवन से शरीर स्वस्थ रहता है और शुगर, कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याओं से मुक्त रहता है। अध्यक्षता समाजशास्त्र विभाग के प्रभारी व एनसीसी के एएनओ डॉ0 लेफ्टिनेंट नरेंद्र त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर एनसीसी के रूपक प्रधान, शिक्षक संघ अध्यक्ष डॉ0 मुकेश चंद यादव, शिव प्रकाश पांडेय, अभिषेक सरोज, ऐश्वर्य पाठक, डॉ0 शम्भू प्रसाद, डॉ0 हरिओम मिश्र इत्यादि उपस्थित रहे।

प्राथमिक विद्यालय बसेड़ा तगा ब्लॉक में

बाबा भीमराव अंबेडकर जी के चित्र पर किए पुष्प अर्पित

संवाददाता

अमरोहा। आधुनिक भारत के निमार्ता भारत रत्न से सम्मानित भारतीय संविधान के शिल्पकार करोड़ों करोड़ों दलितों के मसीहा परम पूज्य बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी के परिनिर्वाण दिवस पर शासन के निर्देश अनुसार प्राथमिक विद्यालय बसेड़ा तगा ब्लॉक क्षेत्र अमरोहा मेंबाबा साहब परम पूज्य भीमराव अंबेडकर जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें विनम्र

श्रद्धांजलि दी गई सभी छात्राओं नेउनके चित्र पर बारी-बारी पुष्प अर्पित किए सभी छात्र छात्राओं को उनके जीवन परिचय उनकी विचारधारा एवं देश के निर्माण मेंउनके कार्यों एवं योगदान की विस्तार से चर्चा की गई एवं उनके जीवन परिचय के बारे में बच्चों को विस्तार से बताया गया सभी बच्चों ने परम पूज्य बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी के जीवन परिचय विचारों को शतिपूर्वक सुना एवं उनकी विचारधारा कोअपने जीवन में अपनाने की शपथ ली सभी अध्यापकों द्वारा उनके जीवन परिचय पर विस्तार से बताया गया इस अवसर पर प्राथमिक विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

फाजिलनगर में सांसद की पहल पर ओवरब्रिज के लिए धन अवमुक्त होने पर हर्ष

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर में फोरलेन निर्माण के साथ ही कस्बे के बघौचघाट मोड़ पर आये दिन दुर्घटना होने के चलते ओवरब्रिज निर्माण के मांग शुरू हो गया था। लोगों के मांग पर क्षेत्रीय सांसद व भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डा. रमापतिराम त्रिपाठी के पहल पर रोड सेफ्टी प्लान के तहत फाजिलनगर सहित तीन ओवरब्रिज निर्माण के लिये धन निर्गत होने से लोगों में खुशी की लहर है। फोरलेन निर्माण के बाद कस्बे के बघौचघाट मोड़ पर बने क्रासिंग पर आये दिन दुर्घटना में लोग अपनी जान गवातें रहे इसके बाद से ही यहां ओवरब्रिज निर्माण की मांग

उठने लगी। इसके लिये लोगों ने धरना प्रदर्शन करने के साथ क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों सहित एनएचएआई को भी पत्र लिखकर यहां ओवरब्रिज निर्माण की मांग उठाई थी। कुछ माह पूर्व से इस निर्माण के लिये मांग काफी तेज हो गयी। लोगों के मांग पर क्षेत्रीय सांसद डा.त्रिपाठी ने यहां हो रहे दुर्घटनाओं का हवाला देते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री से मिलकर जनहित में यहां तत्काल ओवरब्रिज बनवाने की मांग किया था। इसी बीच तत्कालीन जिलाधिकारी ने एनएचएआई और अन्य विभागों से फोरलेन पर ब्लेक स्पॉट का सर्वे कराया था तथा इसकी रिपोर्ट्स सम्बंधित विभाग को भेजा गया था। देवरिया सांसद डॉ रमापति राम त्रिपाठी ने बताया कि क्षेत्र के लोगों ने फाजिलनगर, पटहेरवा, तथा सलेमगढ़ में बने क्रासिंग पर दुर्घटनाओं का हवाला देते हुए ओवरब्रिज निर्माण की मांग किया था जिसके लिये मैं केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री से मिलकर जनहित में इन तीनो जगहों पर ओवरब्रिज निर्माण की मांग किया था। इन तीनों जगहों के लिये धन निर्गत हो जाने से जल्द ही यहां ओवरब्रिज निर्माण कार्य शुरू हो जायेगा जिससे निश्चित ही दुर्घटनाओं में कमी आ सकेगी।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम में प्रतिभाग

वितरित किया लाभार्थियों को प्रमाण पत्र दिलाई विकसित भारत संकल्प यात्रा के पंच प्रण की शपथ

संवाददाता

अमरोहा। माननीय मंत्री गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग उत्तर प्रदेश / प्रभारी मंत्री जनपद अमरोहा संजय गंगवार द्वारा विकासखंड जोया के ग्राम सूदनपुर के उच्च प्राथमिक विद्यालय में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया।

इस अवसर पर माननीय मंत्री द्वारा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हुए लाभार्थियों को प्रमाण पत्र तथा अच्छा कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया तथा उपस्थित अधिकारी कर्मचारी ग्रामीण जनों को विकसित भारत के पंच प्रण की शपथ दिलाई गई । इस अवसर माननीय मंत्री जी ने प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना घरौनी किसान सम्मान निधि सहित अन्य विभिन्न योजनाओ के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र भी दिया । इस अवसर पर विभिन्न लाभार्थी जो की सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हो चुके थे उन्होंने अपना अनुभव भी शेयर किया ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय मंत्री जी ने कहा कि सरकार गरीबों के कल्याण के लिए संकल्पित है उन्हें बिना भेदभाव के पात्रता के आधार पर योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक उन योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के पहुंच रहा है ।समाज के सभी वर्गों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने का कार्य सरकार कर रही है । ऐसे लाभार्थी

जो अभी तक सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित नहीं हो पाए हैं अछूते रह गए हैं वंचित हैं उन्हें भी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जाए इसी उद्देश्य से सरकार ने विकसित भारत संकल्प यात्रा का कार्यक्रम आयोजित कर रही है ।सरकार ने बड़ी संख्या में शौचालय बनाकर महिलाओं को घर से बाहर शौच से मुक्ति दिलाई है इसी प्रकार धुएं से मुक्ति के लिए सरकार ने उज्ज्वला योजना के तहत निःशुल्क गैस कनेक्शन देकर धुएं से मुक्ति दिलाई है ।

बड़ी संख्या में उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को गैस सिलेंडर बांटे गए हैं इसी प्रकार प्रधानमंत्री खाद्य सुरक्षा योजना के तहत हर गरीब पात्र को निशुल्क राशन दिया जा रहा है । जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी ने कहा कि सरकार हर व्यक्ति का ध्यान रखते हुए कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने का कार्य कर रही है हर वर्ग के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाएं चला रखी है ताकि उन योजनाओं से हर तबके को कवर किया जा सके ।अंत में जिलाधिकारी जी ने माननीय मंत्री जी को विकसित भारत संकल्प यात्रा के संबंध में जनपद में किए जा रहे कार्यक्रमों के बारे में बहुत ही गंभीरता के साथ अवगत कराया ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का मुख्य उद्देश्य सरकार की कल्याणकारी योजनाएं जो चलाई जा रही है उनका लाभ जो अभी तक नहीं ले पाए हैं वंचित रह गए हैं उनको भी लाभ दिलाया जाने का है। उन्होंने उपस्थित सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि यह सुनिश्चित करें कि जितनी भी सरकार की कल्याणकारी योजनाएं चल रही हैं इस लगने वाले कैंप में सभी वंचित लाभार्थियों को जोड़ा जाए कोई भी लाभार्थी योजना से वंचित नहीं रहना चाहिए शतप्रतिशत लाभ मिलना चाहिए पूरे ग्राम को संतृप्त किया जाना चाहिए । कार्यक्रम के अंत में माननीय मंत्री जी ने कार्यक्रम स्थल पर आईसीडीएस विभाग द्वारा आयोजित गर्भवती महिलाओं के गोद भराई के कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं की गोद भराई कर फलों से भरी हुई पोषण पोटली देकर उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना किया । कार्यक्रम के अंत में माननीय मंत्री जी ने उपस्थित अधिकारियों कर्मचारियों लाभर्थियों ग्रामीण वासियों को विकसित भारत संकल्प यात्रा के पंच प्रण की शपथ भी दिलाई । कार्यक्रम के अवसर पर पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह जी अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्री सुरेंद्र सिंह परियोजना निदेशक अमरेंद्र प्रताप मुख्य चिकित्सा अधिकारी सतपाल सिंह उपनिदेशक कृषि जिला कृषि अधिकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी सहित अन्य सभी संबंधित अधिकारी गण भारतीय जनता के पार्टी कार्यकर्ता गण भारतीय जनता पार्टी के जनपद अमरोहा प्रभारी किसान यूनियन से दिवाकर जी सहित अन्य संबंधित अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्राम सूदन पुर के ग्रामीण और लाभार्थी गण मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

प्रेम ही परमात्माप्राप्ति का सहजमार्ग है - आचार्य विनोद

विशुनपुरा जौराबाजार में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। फाजिलनगर के विशुनपुरा जौराबाजार में अयोध्या श्रीधाम से पधारे आचार्य विनोद जी महाराज ने श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराते हुए कहा कि एकाग्रता सिद्ध करने का सबसे अच्छा उपाय यह है कि अपने मन को संसार की ऐसी बातों से दूर रखा जाए। जिनसे बेकार की उलझनें और समस्याएँ पैदा हों। उसे केवल ऐसी बातों और विचारों तक ही सीमित रखा जाए, जिनसे अपने निश्चित लक्ष्य का सीधा संबंध हो। उन्होंनें आगे कहा कि प्रायः लोगों का स्वभाव होता है कि वे घर, परिवार, मुहल्ले, समाज, देश, राष्ट्र आदि की उन बातों में अपने को व्यस्त बनाए रखते हैं। जिनसे उनके मुख्य प्रयोजन का कोई सरोकार नहीं होता। इस स्वभाव का जन्म निरर्थक उत्सुकता द्वारा ही होता है। प्रेम की उपलब्धि परमात्मा की उपलब्धि मानी गई है। प्रेम परमात्मा का भावनात्मक स्वरूप है। जिसे अपने अंतर में सहज ही अनुभव किया जा सकता है.। प्रेम प्राप्ति परमात्मा प्राप्ति का सबसे सरल मार्ग है। परमात्मा को पाने के अन्य सभी साधन कठिन, दुःसाध्य तथा दुरूह हैं ! एक मात्र प्रेम ही ऐसा साधन है, जिसमें कठोरता अथवा दुःसाध्यता के स्थान पर सरसता, सरलता और सुख का समावेश होता है, अपने-आपको सुधारने का प्रयत्न करना, अपने दृष्टिकोण में गहराई तक समाई हुई भ्रान्तियों का निराकरण करना मानव जीवन का सबसे बड़ा पुरुषार्थ है। हमें यह न केवल करना ही चाहिए, वरन् सबसे पहले अधिक इसी पर ध्यान देना चाहिए। इस दौरान मुख्य यजमान श्रीमती गीता देवी, राघवेंद्र उपाध्याय, नागेंद्र उपाध्याय, आचार्य पंडित चंद्रशेखर पांडेय, दिलीप पांडेय, बृजराज यादव, नथुनी उपाध्याय, रामबिलास उपाध्याय, देवेंद्र उपाध्याय, गजानंद उपाध्याय, डा0 कन्हैया तिवारी, कुलदीप उपाध्याय, नीलेश उपाध्याय, उपेंद्र उपाध्याय,जितेंद्र उपाध्याय, राकेश उपाध्याय, अजित अमित आदि उपस्थित रहे।

लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस को मुंहकी खानी पड़ेगी : स्वतंत्रदेव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के शुरूआती परिणाम पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि सुबह से ही भाजपा ने बढ़त बनायी हुई है। भाजपा की बढ़त ने जनता का मन बताया है। शाम तक परिणाम आयेगा तो विपक्ष की बोलती बंद हो जायेगी। कांग्रेस को जनता ने नकारा है और आने वाले लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस को मुंह की खानी पड़ेगी। स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा कि पांच राज्यों में राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश में बढ़त है। इसके लिए भाजपा कार्यकताओं ने जमकर मेहनत की है। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की सरकार के नेतृत्व में हमारे जैसे कार्यकताओं ने मध्य प्रदेश में जमकर प्रचार किया है। जनता ने भाजपा के विकास कार्यो को स्वीकार किया है और जीत को सुनिश्चित कराने के लिए अपना बहुमूल्य मत दिया है।

कश्मीर में बदलाव

जम्मू-कश्मीर के शासन-प्रशासन में सुधार का क्रम जारी है और इसी कड़ी में लोकसभा में दो संशोधन विधेयकों का पारित होना सुखद व स्वागतयोग्य है। देश के अनुरूप इस केंद्रशासित प्रदेश को मुख्यधारा में लाने के तमाम प्रयास जरूरी हैं। जम्मू एवं कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक के पारित होने से इस क्षेत्र के प्रतिनिधित्व में विस्तार होगा। कश्मीरी प्रवासी समुदाय के दो प्रतिनिधि और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से विस्थापित लोगों का भी एक प्रतिनिधि केंद्रशासित प्रदेश की विधानसभा में नामित किया जाएगा। यह बात छिपी नहीं है कि विगत वर्षों में बड़ी संख्या में लोग जम्मू-कश्मीर से पलायन करने को मजबूर हुए हैं। यह संख्या एक से तीन लाख तक बताई जाती है। पलायन करने वालों में पंडितों की संख्या सबसे ज्यादा है। जो एक बार घाटी से निकले, तो फिर लौट न पाए। बड़ी संख्या में ऐसे कश्मीरी पंडित हैं, जो कभी कश्मीर जाने की हिम्मत नहीं कर सके। ऐसे लोगों के बीच से जब प्रतिनिधि विधानसभा के लिए नामित होंगे, तो जाहिर है, वंचितों-शोषितों को एक आधिकारिक आवाज मिलेगी, अपनी विधानसभा में उनका दर्द भी दर्ज होगा। अतः यह एक बड़ी जरूरी राजनीतिक-सामाजिक पहल है, इससे अलगाववादियों को भी मुंहतोड़ जवाब मिल सकेगा। इसके अलावा पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर का भी एक प्रतिनिधि जम्मू-कश्मीर विधानसभा में नामित होगा। जाहिर है, इसमें ऐसे कश्मीरी नेताओं को आवाज मिलेगी, जो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के हैं और कहीं बाहर रहने को मजबूर हैं। पाक अधिकृत कश्मीर को वापस लेने के संकल्प के मद्देनजर यह पहल महत्वपूर्ण है। वास्तव में, विधानसभा में कश्मीरी पंडितों और पाक अधिकृत क्षेत्र के कश्मीरियों की आवाज के बिना जम्मू-कश्मीर की बात पूरी नहीं होती थी। देखने में ये कदम छोटे लग सकते हैं, लेकिन इनका प्रभाव विशेष रूप से घाटी की राजनीति पर पड़ना तय है। अब यह सरकारों पर निर्भर करेगा कि जम्मू-कश्मीर की विधानसभा में योग्यतम प्रतिनिधित्व पहुंचे और शांति-समाधान की दिशा में काम करे। कोरी राजनीति से अलग कश्मीर के व्यापक हित के बारे में सोचने का समय है। वहां धीरे-धीरे सामान्य हो रही स्थितियों को हर प्रकार से सकारात्मक बल देना होगा। आंकड़े गवाह हैं और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूरे तथ्यों के साथ लोकसभा में बताया है कि पहले और आज के कश्मीर की जमीनी हकीकत में बहुत बदलाव आया है। कश्मीर में जनजीवन जैसे-जैसे सामान्य हो रहा है, उससे सरकार की भी उम्मीदें बढ़ रही हैं। साथ ही, जम्मू-कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक के जरिये कश्मीर में आरक्षण का वही स्वरूप हो जाएगा, जो बाकी देश में है। देश में एक विधान, एक निशान, एक प्रधान के अनुरूप ही आरक्षण में एकरूपता जरूरी है। पिछड़ी जातियों को आरक्षण का लाभ देना जरूरी है, ताकि चंद लोगों का परंपरागत वर्चस्व टूट जाए। कश्मीर में ही बड़ी संख्या में ऐसी जातियां रही हैं, जो आरक्षण या किसी भी प्रकार की विशेष सहूलियतों से वंचित हैं, ऐसी तमाम जातियों को विधिवत आरक्षण देकर आगे बढ़ाना कश्मीर के लिए लाभप्रद है।

हिसाब में ईमानदारी

वैश्विक जलवायु के इर्द-गिर्द होने वाली चचाओं के घेरे में 1.5 डिग्री सेल्सियस या पूर्व-औद्योगिक काल से वैश्विक तापमान में हुई औसत वृद्धि है। अब जबकि तापमान में बढ़ोतरी उस निर्धारित सीमा की एक डिग्री सेल्सियस से पार हो चुकी है, दुबई में आयोजित जलवायु शिखर सम्मेलन में चल रही सारी खींचतान बाकी बची आधे डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी को रोकने को लेकर है। उत्सर्जन में कटौती की वैश्विक शपथ इस लक्ष्य को हासिल करने के लिहाज से अपर्याप्त हैं। वर्तमान अनुमान यह है कि तापमान में बढ़ोतरी को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के लिए, दुनिया को 2030 तक तीन गुना अधिक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता या कम से कम 11,000 गीगावॉट की जरुरत है। इस तीन गुनी (ट्रिपलिंग) क्षमता की जरुरत को लेकर वैश्विक स्तर पर व्यापक सहमति है, जिसे पहली बार सितंबर में दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन में नेताओं की नई दिल्ली घोषणा में औपचारिक रूप से व्यक्त किया गया था। दुबई शिखर सम्मेलन से पहले, यह माना गया था कि जलवायु से जुड़े संयुक्त राष्ट्र करार पर हस्ताक्षर करने वाले लगभग 190 देशों के बड़े समूह द्वारा इस सहमति का व्यापक रूप से समर्थन किया जाएगा। यह पता चला है कि अब तक 118 देशों ने इसका समर्थन किया है और दो प्रमुख देश यानी भारत और चीन अब तक इस पर हस्ताक्षर करने से बचते रहे हैं। नवीकरणीय और ऊर्जा दक्षता से जुडी वैश्विक शपथ, जोकि अभी भी एक मसौदा पाठ है, कहती है कि नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करने की अपने प्रयास में, हस्ताक्षरकताओं को ...निरंतर कोयला आधारित बिजली उत्पादन को चरणबद्ध तरीके से कम करने, खासकर बेरोकटोक चलने वाले नए कोयला चालित विद्युत संयंत्र में निरंतर निवेश को रोकने के लिए भी प्रतिबद्ध होना चाहिए। यही भारत के लिए एक प्रमुख बाधा बनने वाली लकीर है। अब जबकि भारत ने खुद को नवीकरणीय ऊर्जा के एक मसीहा के रूप में स्थापित किया है - इसका 2030 का लक्ष्य, जैसा कि इसके औपचारिक रूप से राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) में व्यक्त किया गया है, नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को मौजूदा 170 गीगावॉट से तीन गुना बढ़ाकर 500 गीगावॉट करने की बात करता है - इसने कई बार दोहराया है कि उसे कुछ ईंधनों को छोड़ने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता।

जनगणमन क्या बोले ?

ANALYSIS

गिरीश्वर मिश्र

चार प्रमुख राज्यों में हुए विधानसभा के ताजे चुनाव नतीजे कई अर्थों में आम आदमी और राजनीति के पंडितों हर किसी के लिए बेहद चौंकाने वाले साबित हुए हैं । पांचवा राज्य पूर्वोत्तर का मिजोरम है जहां जेडपीएम को जीत मिली। इस क्षेत्रीय पार्टी ने मिजो अस्मिता को आधार बनाया। लाल दुहोमा की पार्टी ने कुछ ही वर्षों में अपने लिए पर्याप्त समर्थन जुटा लिया। तीन प्रदेशों में भाजपा और एक में कांग्रेस की भारी जीत दर्ज हुई है। कांग्रेस ने दो राज्य गंवाए और एक नया राज्य हासिल किया। जनमत की सघन और तीव्र अभिव्यक्ति करते इन आशातीत परिणामों की व्याख्या किसी एक सूत्र से नहीं की जा सकती। जनता ने स्थानीय परिस्थितियों और राष्ट्रीय स्तर पर उभरते घटनाक्रम की निजी व्याख्या की। इस चुनाव में प्रत्याशियों की अपनी साख की भी खास भूमिका रही। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के उप मुख्यमंत्री जू देव और तेलंगाना में बीआरएस के मुख्यमंत्री केसीआर और कांग्रेस के मोहम्मद अजहरूद्दीन, मध्य प्रदेश के गृह मंत्री रहे नरोत्तम मिश्र जैसों की पराजय इसी के उदाहरण हैं।

भारत के चार प्रमुख राज्यों में हुए विधानसभा के ताजे चुनाव नतीजे कई अर्थों में आम आदमी और राजनीति के पंडितों हर किसी के लिए बेहद चौंकाने वाले साबित हुए हैं । पांचवा राज्य पूर्वोत्तर का मिजोरम है जहां जेडपीएम को जीत मिली। इस क्षेत्रीय पार्टी ने मिजो अस्मिता को आधार बनाया। लाल दुहोमा की पार्टी ने कुछ ही वर्षों में अपने लिए पर्याप्त समर्थन जुटा लिया। तीन प्रदेशों में भाजपा और एक में कांग्रेस की भारी जीत दर्ज हुई है। कांग्रेस ने दो राज्य गंवाए और एक नया राज्य हासिल किया। जनमत की सघन और तीव्र अभिव्यक्ति करते इन आशातीत परिणामों की व्याख्या किसी एक सूत्र से नहीं की जा सकती। जनता ने स्थानीय परिस्थितियों और राष्ट्रीय स्तर पर उभरते घटनाक्रम की निजी व्याख्या की। इस चुनाव में प्रत्याशियों की अपनी साख की भी खास भूमिका रही। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के उप मुख्यमंत्री जू देव और तेलंगाना में बीआरएस के मुख्यमंत्री केसीआर और कांग्रेस के मोहम्मद अजहरूद्दीन, मध्य प्रदेश के गृह मंत्री रहे नरोत्तम मिश्र जैसों की पराजय इसी के उदाहरण हैं। चुनाव के लिए सामान्य परिवेश रचने में भ्रष्टाचार के आरोप, राजनीतिक दलों की अंदरूनी खींचतान, योजनाओं और वादों का जमीनी स्तर पर लागू न होना, और जातीय संतुलन साधने में विफलता ने मतदाता की प्रेरणाओं को निश्चित रूप से प्रभावित किया। दूसरी ओर मध्य प्रदेश के जनादेश ने एक भिन्न चित्र प्रस्तुत किया। वहां के मुख्यमंत्री लम्बी अवधि से सत्ता में रहे। सोशल मीडिया पर मामा की विदाई का वीडियो खूब चला परंतु शिवराज सिंह की जनाभिमुखी यात्रा अनथक चलती रही। लाड़ली बहना जैसे महिला सशक्तीकरण के उनके प्रयास विशेष रूप से प्रभावी साबित हुए । परिस्थिति की जटिलता को देखते हुए केंद्रीय मंत्रियों को मैदान में उतारा गया। प्रधानमंत्री मोदी की रैलियों ने पूरे माहौल में जान भरी और इन सब प्रयासों के परिणाम एंटी इनकंबेंसी और राजनीतिक थकान को झुठला दिया। चौहान छठीं बार बुधनी से चुनाव जीते। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री बघेल की वापसी को लेकर सब लोग आश्वस्त लग रहे थे। रमन सिंह जरूर बहुमत का दावा कर रहे थे जो भाजपा की रणनीति, मोदी जी का आकर्षण और सरकार की कमजोरियों के चलते सही साबित हुआ। भाजपा द्वारा धान की खरीद की राशि बढ़ाने का प्रस्ताव किया, महतारी वंदन योजना प्रस्तुत की, प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी आई और भावी मुख्यमंत्री का नाम घोषित न करना भी सहायक हुआ। दक्षिण में तेलंगाना में कांग्रेस की जीत जनता में एक दशक पुरानी सत्ता के विरोध की मनःस्थिति का परिणाम था और कांग्रेस की भारत जोड़ो रैली का भी योगदान रहा। कांग्रेस की रणनीति बेहद प्रभावी साबित हुई और केसीआर को उनकी प्रलोभन वाली तमाम योजनाओं का लाभ न मिल सका। के सी आर के बेटे का हस्तक्षेप और भ्रष्टाचार की आरोप उनके लिए मुसीबत हो गए। कांग्रेस ने महालक्ष्मी, इंदिरम्मा, और गृह ज्योति जैसी योजनाओं का वादा कर महिला मतदाता को रिझाया। कांग्रेस का पेशेवर चुनाव अभियान बाजी मार ले गया। राजस्थान में कांग्रेस ने बड़ी तैयारी की थी और मुख्यमंत्री गहलोत ने दावे भी किए थे और अपनी योजनाओं को मुख्य औजार बनाया पर जनता अपने पुराने ढर्रे के मुताबिक बाजी पलट दी। विधायकों को लेकर जन आक्रोश, पार्टी नेताओं के बीच तनाव, कानून व्यवस्था की बढ़ती मुश्किलों ने जनता के मन से भरोसा हटा दिया था। युवा वर्ग भी असंतुष्ट था। काफी बड़ी संख्या में कांग्रेसी मंत्रियों को हार का मुंह देखना पड़ा है। चुनाव में कांग्रेस की स्पष्ट अस्वीकृति उभर कर सामने आई। भाजपा ने गुटबाजी को रोका, कानून व्यवस्था की चूकों को लेकर कांग्रेस को घेरा। प्रधानमंत्री की गारंटी ने जनता में आश्वस्ति का भाव पैदा किया। उल्लेखनीय है कि भाजपा ने इस बार मुख्य मंत्री के रूप में किसी का नाम प्रस्तावित नहीं किया था जब कि कांग्रेस ने इनकी घोषणा की थी । संभवतः जनता और प्रत्याशियों के बीच इसका भी सकारात्माक संकेत गया। इन चुनावों ने प्रधानमंत्री मोदी की जन-स्वीकृति के ग्राफ को और ऊपर उठाया है। उनकी छवि, उपस्थिति और संवाद की लोकप्रियता परिपुष्ट हुई है। इसका कारण राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके नेतृत्व की विलक्षण गतिशीलता ने भारत की छवि को भरोसेमंद बनाया है। उनकी सतत सक्रियता सबको स्पर्श करती चलती है। ह्यमन की बातह्व और पद्म अलंकरणों के पात्रों के चयन में उनकी सामाजिक समावेश प्रवृत्ति झलक रही है। गरीबों, स्त्रियों, किसानों और हाशिये के उपेक्षितों के लिए होने वाली पहलों ने सरकार की जनपक्षीयता की लगातार पुष्टि की है। जन-सुविधाओं के लिए बड़े पैमाने पर डिजीटलीकरण, संसाधनों और इंफ्रास्ट्रक्चर का सतत विस्तार, आर्थिक मोर्चे पर मजबूती, प्रतिरक्षा तंत्र का सुदृढ़ीकरण, वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति के प्रयास जैसे कदम जनता में आश्वस्ति का भाव पैदा करते रहे हैं। इन सबसे उभरती ह्यमोदी की गारंटीह्व ने लोगों को प्रभावित किया और मीडिया की बदौलत इसका संदेश भी खूब प्रचारित प्रसारित हो रहा है । सामाजिक और राजनीतिक समीकरण साधना एक बड़ी चुनौती है और भाजपा ने इस दृष्टि से कई बड़े कदम उठाए हैं। विपक्षी दलों की सोच में जहां परिवारवाद और संकुचित दृष्टि बढ़ी है । जातिवाद और तुष्टिकरण का लाभ उठाने की जुगत के साथ बहुत से दल व्यक्तिगत दल की तरह काम कर रहे हैं। सांसद की बैठकों को देखें तो बड़ी असंतोषजनक स्थिति उभरती है। विपक्षी सांसद किस तरह लगातार हंगामा करते हुए अपनी उपस्थिति प्रमाणित करते हैं यह किसी से छिपा नहीं है। प्रलोभन की राजनीति का आश्रय लेते हुए कुछ चुने लोगों को लाभ पहुंचाना आम बात हो चुकी है। साथ ही भ्रष्टाचार में संलिप्तता के अनेक बड़े मामले टी एम सी और कांग्रेस जैसे कई विपक्षी दलों की विश्वसनीयता और लोकप्रियता के लिए घातक सिद्ध हो रहे हैं। विपक्ष के अनेक दल नीति और दृष्टि को लेकर भिन्न-भिन्न मत रखते हैं। सभी दलों को साथ लेकर एक मोर्चा बनाने की नीतीश बाबू ने जो कवायद शुरू की थी वह आधार में ही लटकी हुई है। वह जमीनी स्तर पर नहीं उतर पा रही है। आईएनडीआईए एक दूर की कौड़ी ही बना हुआ है। कुल मिला कर असंगठित और संकल्पहीन विपक्ष में सकारात्माक एजेंडा और सार्थक आलोचना की भारी कमी खटकती रहती है। इस बदलते माहौल में खड़गे ने विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए की बैठक बुलाई है। कांग्रेस के लिए गहन आत्म मंथन का अवसर है। अपने अस्तित्व के लिए उसे निर्मम हो कर यह तय करना होगा कि अन्य दलों के साथ कैसा रिश्ता साधें और अपने लिए कौन सा मार्ग अपनाएं? मोदी के चेहरे पर जनता का भरोसा भाजपा को आश्वस्ति जरूर देता है और परिस्थितियों को जांच परख कर जूझने की उसकी सजग रणनीति के अच्छे परिणाम होते हैं। केंद्रीय नेताओं को राज्य स्तर पर लाकर चुनाव लड़ना जोखिम भरा काम था। इस बार कुल 21 भाजपायी सांसद विधानसभा के चुनावों में उतरे थे। इसके अच्छी संदेश गए और लाभकर परिणाम भी हुए। देश के सामने जन कल्याण, संस्थाओं का पुनर्जीवन, भ्रष्टाचार का उन्मूलन, आत्म निर्भर भारत का निर्माण, वंचितों की सामर्थ्य को बढ़ाना, पारदर्शिता, सुशासन, तथा महिलाओं, किसानों, और युवा वर्ग को अवसर उपलब्ध कराना जैसी बड़ी चुनौतियां अभी भी मुंह बाए खड़ी हैं। फौरी प्रलोभन दे कर वोट बटोरने की प्रथा कुछ तात्कालिक लाभ जरूर देती है परंतु अंततोगत्वा उसका नुकसान ही होता है। इस प्रसंग में जातिगत जन गणना को एक नया उपाय बनाने के उपक्रम का जिक्र किया जा सकता है। इस चुनाव में इसे भुनाने की कोशिश हुई पर इसे किसी ने भाव नहीं दिया। विधान सभाओं का यह चुनाव भविष्य की राजनीति के लिए यदि कोई पूर्वाभास देता है तो वह यही है कि भारत की जनता एक ऐसे सशक्त भारत का स्वप्न देख रहा है जिसमें ऐसी पारदर्शी व्यवस्था हो जो लोक कल्याण से प्रतिबद्ध हो। भारत के सशक्त नेतृत्व इस लक्ष्य के साथ है, आवश्यकता है कि व्यक्ति, संस्था और संगठन के स्तर पर सबकी सहभागिता हो।

लेखक, अंतरराष्ट्रीय महात्मा गांधी हिंदी विश्वविद्यालय,वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।

साइबर सुरक्षित भारत के निर्माण की ओर बढ़ते कदम

यह 21वीं सदी है। इस सदी ने दुनिया को इलेक्ट्रानिक, सूचना व संचार प्रौद्योगिकी का बड़ा उपहार दिया है। भारत के लिए तो यह एक तरह से क्रांति जैसी है। इस युग में कंप्यूटर, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी से संबंधित उपकरण और सुविधाएं आम लोगों तक के जीवन का सबसे अहम हिस्सा बन गए हैं। इस युग का सबसे बड़ा सच यह है कि इन सुविधाओं के बिना आसान जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इस पर निर्भरता इतनी बढ़ गई है कि सामान्य बातचीत से लेकर व्यापार, सरकारी और गैरसरकारी कामकाज, शिक्षा, बैंकिग लेनदेन, खरीद-फिरोख्त जैसी सभी गतिविधि ऑनलाइन या डिजिटल माध्यम से संचालित हो रही हैं। बड़ा तथ्य यह है कि वर्ष 2020 तक भारत में इंटरनेट का प्रयोग करने वालों की संख्या 70 करोड़ तक पहुंच गई थी। वर्ष 2025 तक इसके 97.4 करोड़ तक का आंकड़ा छूने की उम्मीद है। इस लिहाज से देखा जाए तो भारत, चीन के बाद विश्व में दूसरे स्थान पर है। इस क्रांति ने सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिदृश्य को तो बदला ही है पर इसमें अपराध जगत ने सेंध लगा दी है। आज दुनिया का हर देश अपने नागरिकों को इनके जाल से बचाने के लिए प्रयासरत है। इसमें भारत का गृह मंत्रालय अपने स्तर पर हर चंद कोशिश कर रहा है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में साइबर सुरक्षित भारत का निर्माण करना गृह मंत्रालय की एक सर्वोच्च प्राथमिकता है। गृह मंत्रालय साइबर अपराध को रोकने और लोगों को साइबर खतरे से बचाने के लिए प्रतिबद्ध है। नागरिक ऐसे धोखेबाजों के फोन नंबर और सोशल मीडिया हैंडल के बारे में **WWW.CYBERCRIME.GOV.IN** पर रिपोर्ट कर मदद करें। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (क्मसी) देश में साइबर अपराध से समन्वित और व्यापक तरीके से निपटने के लिए गृह मंत्रालय की बड़ी पहल है। पीआईबी की ताजा विज्ञप्ति के अनुसार क्मसी ने अपने वर्टिकल नेशनल साइबर क्राइम थ्रेट एनालिटिक्स यूनिट (एनसीटीएयू) के माध्यम से पिछले सप्ताह संगठित निवेश-कार्य आधारितझ पार्ट टाइम नौकरी देने की धोखाधड़ी में शामिल 100 से अधिक वेबसाइटेस की पहचान कर उन पर अंकुश लगाने की सिफारिश की। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के तहत इन वेबसाइट्स को अवरुद्ध कर दिया। यह खुलासा हुआ है कि इन वेबसाइट्स का संचालन विदेशी एजेंट करते हैं। डिजिटल विज्ञापन, चैट मैसेंजर, म्यूल और रेन्टिड खातों का प्रयोग करके कार्ड नेटवर्क, क्रिप्टो मुद्रा, विदेशी एटीएम निकासियों और अंतरराष्ट्रीय फिनटेक कंपनियों का उपयोग करके आर्थिक धोखाधड़ी से प्राप्त अवैध धन को भारत से बाहर बड़े पैमाने पर वैध करते हुए (मनीलॉन्ड्रिंग) पाया गया है। केंद्र सरकार के जागरुकता अभियान का असर यह है कि आम लोग अब 1930 हेल्पलाइन और एनसीआरपी के माध्यम से शिकायतें कर रहे हैं। यह अपराधी विदेशी विज्ञापनदाताओं के माध्यम से कई भाषाओं में घर बैठे नौकरी, घर बैठे कमाई कैसे करें आदि जैसे प्रमुख शब्दों का उपयोग करते हुए गूगल और मेटा जैसे मंचों पर लक्षित डिजिटल विज्ञापन देते हैं। इनके निशाने पर अधिकतर सेवानिवृत्त कर्मचारी, महिलाएं और पार्ट टाइम नौकरी की तलाश कर रहे बेरोजगार युवा रहते हैं। ऐसे विज्ञापनों पर क्लिक करने पर, व्हाट्स ऐप और टेलीग्राम का उपयोग करने वाला एक एजेंट संभावित पीड़ित व्यक्ति के साथ बातचीत शुरू करता है, जो उसे वीडियो लाइक और सब्सक्राइब, मैप्स रेटिंग आदि जैसे कुछ कार्य करने के लिए तैयार करता है। कार्य पूरा होने पर ऐसे शिकार व्यक्ति को शुरू में कुछ कमीशन दिया जाता है और उसे दिए गए कार्य के बदले अधिक लाभ प्राप्त करने के लिए और अधिक निवेश करने के लिए कहा जाता है। विश्वास हासिल करने के बाद जब वह व्यक्ति बड़ी रकम जमा करता है, तो जमा राशि जब्त कर ली जाती है और इस तरह उस व्यक्ति को धोखा दिया जाता है। केंद्र सरकार की सलाह है कि इंटरनेट पर प्रायोजित इस तरह की अधिक से अधिक कमीशन का भुगतान करने वाली ऑनलाइन योजनाओं में निवेश करने से पहले सोच-समझ कर निर्णय लें। यदि कोई अज्ञात व्यक्ति आपसे व्हाट्स ऐप और टेलीग्राम पर संपर्क करता है तो उसके साथ बिना उचित सत्यापन के वित्तीय लेनदेन करने से बचा जाए। यूपीआई ऐप में उल्लिखित रिसीवर के नाम का उचित तरीके से सत्यापन करें। यदि प्राप्तकर्ता कोई रेंडम व्यक्ति है, तो यह एक म्यूल खाता हो सकता है और उसकी योजना धोखाधड़ी हो सकती है। इसी तरह, उस स्रोत की भी जांच करें जहां से प्रारंभिक कमीशन प्राप्त हो रहा है। नागरिकों को अज्ञात खातों से लेनदेन करने से बचना चाहिए, क्योंकि ये मनी लॉन्ड्रिंग और आतंक के वित्तपोषण में शामिल हो सकते हैं।

नये कल्याणकारी राज्य का आरंभ

राजनीतिक विश्लेषक राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा की जीत के कारणों का विश्लेषण कर रहे हैं। भाजपा चुनाव में अक्सर कांग्रेस की सांप्रदायिक वोट बैंक, भ्रष्टाचार, वंशवाद आदि की राजनीति के मुद्दे उठाती रही है। राम मंदिर का निर्माण, धारा 370 की समाप्ति, सांप्रदायिक हिंसा जैसे मुद्दे काफी चर्चा में रहे। लेकिन इतिहास गवाह है कि चाहे ये मुद्दे महत्वपूर्ण रहे हैं, लेकिन यदि कोई पार्टी या सरकार लोगों की भलाई के लिए काम नहीं करती, तो जनता उसे स्वीकार नहीं करती। भाजपा को मध्य प्रदेश में 48।81 प्रतिशत, राजस्थान में 41।85 प्रतिशत और छत्तीसगढ़ में 46।35 प्रतिशत वोट मिलना यह दशार्ता है कि पार्टी की केंद्र सरकार की योजनाओं और उनकी उपलब्धियों से जनता संतुष्ट है और इसलिए उसकी सरकार चाहती है। वंशवाद, भ्रष्टाचार और सांप्रदायिक हिंसा के बारे में भी जनता संवेदनशील है और देश में स्वस्थ एवं विकासवादी राजनीति की स्थापना चाहती है। वह वोट बैंक की राजनीति के चलते आर्थिक एवं सामाजिक वातावरण को दूषित भी नहीं होने देना चाहती। आम जन इस दंश के साथ जी रहा था कि भारत एक गरीब देश है, जो अमीर देशों की अकूत संपत्ति, विकसित इंफ्रास्ट्रक्चर, उच्च आमदनी और जीवन स्तर का मुकाबला कर ही नहीं सकता। उनके बराबर पहुंचने में हमें कई सदियां भी लग सकती हैं। साल 2014 में भारत की अर्थव्यवस्था सबसे जर्जर पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल थी। लेकिन 10 वर्षों से भी कम समय में भारत विश्व की दसवीं अर्थव्यवस्था से आगे बढ़ता हुआ पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था तक पहुंच गया है और अगले तीन सालों से भी कम समय में चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ आगे बढ़ रहा है। आज भारत विश्व की सबसे तेज बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था भी बन चुका है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के 100 वर्ष पूर्ण होने से पहले एक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प देकर आम जन की आकांक्षाओं को नये पंख देने का काम किया है। स्वाभाविक है कि जनता ने भाजपा पर अपना भरोसा जताया है। पिछले कुछ समय से कुछ राज्यों में सरकारों और दलों द्वारा बड़ी मात्रा में मुफ्त की योजनाओं के दम पर सत्ता पर काबिज होने का प्रयास शुरू हुआ है। उन्हें कुछ हद तक सफलता भी मिलती हुई दिख रही है। दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकारों द्वारा मुफ्त की योजनाओं की झड़ी लगी हुई है। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में भी ऐसी कई योजनाएं चल रही हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि इन योजनाओं को चलाने हेतु इन सरकारों के पास पर्याप्त धन की भारी कमी है। इस कारण वे एक ओर तो भारी कर्ज में डूबते जा रहे हैं, तो दूसरी ओर इन योजनाओं के कारण वे शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आम जन को सशक्त बनाने वाली अन्य योजनाओं पर खर्च नहीं कर पा रहे हैं। हालिया चुनावों में भी दलों ने मुफ्त योजनाओं की कई घोषणाएं की। कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में किसानों के कर्ज माफ करने के अलावा, मुफ्त बिजली, गैस सिलेंडर की सब्सिडी, महिलाओं को 1500 रुपये प्रतिमाह, युवाओं को 3000 रुपये बेरोजगारी भत्ते के अलावा आदि स्कीमों की घोषणा की। राजस्थान में पहले से ही कांग्रेस सरकार महिलाओं को स्मार्टफोन, सस्ता सिलेंडर, 25 लाख रुपये तक के इलाज के लिए फ्री मेडिकल बीमा, एक करोड़ परिवारों को फ्री फूड पैकेट आदि की योजनाएं तो चला ही रही थी, इस चुनाव में उसने फ्री लैपटॉप, फ्री बिजली आदि की भी घोषणा की थी। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी ऐसी मुफ्त की योजनाओं को गलत मानते हैं और इसे रेवड़ी बांटने की संज्ञा देते हैं, इसके बावजूद भाजपा और उसकी सरकारों ने बड़ी मात्रा में कई ऐसी योजनाओं को चलाया है, जिसमें उज्जवला लाभार्थियों और आम जन को सस्ता सिलेंडर देना, राजस्थान में 12वीं कक्षा पास करने के बाद लड़कियों को फ्री स्कूटी देना आदि की घोषणा भी शामिल है।

साझा दोष

किसी प्राकृतिक आपदा के बाद आयी विपत्ति में किसका कितना दोष है, यह बंटवारा लगभग असंभव है। लेकिन, भारतीय शहरों ने अक्सर यह निर्णय आसान बनाने की कोशिश की है, और 4 दिसंबर को चेन्नई भी इसका अपवाद नहीं था। परसों 3 दिसंबर के आखिरी पहर में, मिचौंग चक्रवात (जो जल्द ही महा-चक्रवाती तूफान में बदलने वाला था) ने शहर के लगभग 100 किलोमीटर पूरब में डेरा डाला, और चेन्नई में मूसलाधार बारिश शुरू हो गयी। अगली सुबह तक, ज्यादातर इलाकों में 120 मिमी से ज्यादा बारिश दर्ज की गयी। कुछ इलाकों में यह 250 मिमी से भी ज्यादा रही। ये आंकड़े बताते हैं कि एक दिन में कितनी ज्यादा मात्रा में पानी बरसा। तमिलनाडु के नगरीय प्रशासन मंत्री के.एन. नेहरू ने इसी आशय का बयान देते हुए कहा कि शहर ने सात दशकों में इतने पानी का सामना कभी नहीं किया था। लेकिन यह पूरी कहानी नहीं है। आपदाओं को लेकर बनाये गये ह्यनैरेटिवह्व का असर उनसे निपटने की कार्रवाई पर पड़ता है, और किसी प्राकृतिक आपदा को विलक्षण करार देने वाली उद्घोषणाएं अक्सर पक्षपातपूर्ण तर्क को मजबूत बनाती हैं जिसमें सारा दोष कुदरत के मत्थे मढ़ दिया जाता है। दिसंबर 4 की सुबह चेन्नई में जैसे ही बारिश तेज हुई, तमिलनाडु जेनरेशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन लिमिटेड ने एहतियात के तौर पर शहर में बिजली बंद कर दी। गंदे पानी में पैदल यात्रियों को ढीले तारों से करंट लगने से बचाने के लिए शायद ऐसा किया गया। इस तरह के एहतियात की जरूरत ही क्यों पड़ी? इससे राज्य की विद्युत अवसंरचना (पावर इंफ्रास्ट्रक्चर) की स्थिति के बारे में काफी कुछ पता चल जाता है। रखरखाव और मरम्मत में वर्षों से अपर्याप्त निवेश के मसले के हल का कोई झटपट तरीका या शॉर्टकट नहीं है।

Social Media Corner

सच के हक में...

हमें देश के और अधिक प्रभावी तथा समावेशी विकास के लिए अपने मैनेजमेंट शिक्षण संस्थानों की शिक्षा पद्धति में भी कुछ बदलाव लाने होंगे। विदेशों में स्थित व्यवसायों पर केस स्टाडीज और लेखों की जगह भारत में स्थित भारतीय और मल्टी नेशनल कंपनियों पर केस स्टाडीज लिखी और पढाई जानी चाहिए। आईआईएम लखनऊ में की जा रही रिसर्च को केवल विश्व प्रसिद्ध विदेशी पत्रिकाओं तक ही सीमित ना रखें।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का 'एक्स' पर पोस्ट)

तेलंगाना राज्य के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर श्री रेवंत रेड्डी गारू को अनेक-अनेक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार। आपके नेतृत्व में तेलंगाना राज्य विकास की नई ऊंचाइयां छुए, यही कामना करता हूं।

(सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

गुजरात और देशवासियों को बहुत बहुत बधाई। हमारा देश ना सिर्फ अर्थव्यवस्था और रक्षा क्षेत्र में अपनी ताकत दिखा रहा है बल्कि देश की सामाजिक और सांस्कृतिक समृद्धता भी विश्व पटल पर मोदी जी के नेतृत्व में दिखा रहा है। मुझे पूरी उम्मीद है २१वीं सदी में दुनिया भारत के अद्भुत विकास यात्रा की साक्षी होगी और जिसके सूत्रधार श्री नरेंद्र मोदी जी हैं ।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

बैंकॉक में 40वें थाईलैंड इंटरनेशनल मोटर एक्सपो के दौरान 11 बच्चों ने NETA मैजिक किड का अनुभव लिया।

फेडरल बैंक देगा ई-प्रोक्योरमेंट और ई-ऑक्शन सुविधाएं

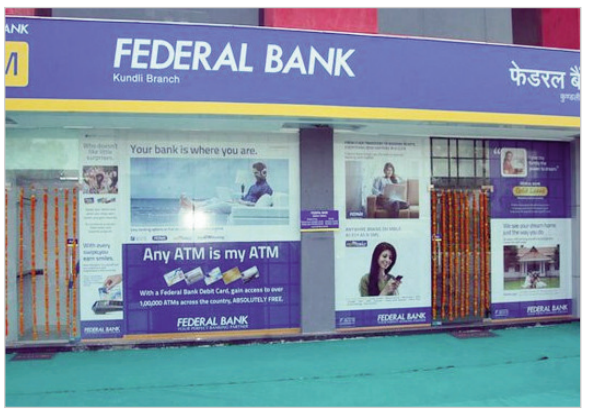

नई दिल्ली ।

फेडरल बैंक अब ई-प्रोक्योरमेंट और ई-ऑक्शन प्रणाली से जुड़ गया है। बैंक ने ये सुविधाएं देने के लिए एनसीडीईएक्स ई-मार्केट लिमिटेड (एनईएमएल) के साथ करार किया है। एनईएमएल एक नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव एक्सचेंज लिमिटेड (एनसीईएक्स) की स्वामित्व वाली सहयोगी ईकाई है। एनसीडीईएक्स 90 कमोडिटी के ट्रेडिंग प्लेटफार्म में महत्वपूर्ण भागीदारी रखता है। बैंक ने कहा कि इस रणनीतिक साझेदारी से राज्य और केंद्र सरकारों को ई-प्रोक्योरमेंट के लिए एडवांस सॉल्यूशन मिलेगा।

इस प्लेटफार्म के जरिए किसान एनईएमएल प्लेटफार्म पर अपनी उपज बिक्री के लिए दर्ज करवा सकेंगे। प्लेटफार्म पर दर्ज कृषि उपज को सरकार दिए गए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएनपी) पर खरीद लेगी। इसके बाद वह फेडरल बैंक अपने प्लेटफार्म से लिंक एनईएमएल प्लेटफार्म के जरिए कृषि उपज का बेहद अहम सरकारी पेमेंट कराएगा। इसके साथ ई ऑक्शन भी सरकार को सारी प्रमुख कमोडिटी के उचित मूल्य निर्धारित करके उसकी खरीदारी में मदद करेगा। इसके लिए वह बेहतर ढंग से प्राइस डिस्कवरी करेगा।

उल्लेखनीय है कि नीलामी में आने वाली सभी बोलियों में सबसे उचित मूल्य के चुनाव की प्रक्रिया को प्राइस डिस्कवरी कहते हैं। इससे बिचौलियों की भूमिका खत्म होगी।

बाजार के मौजूदा परिदृश्य के अनुसार पूरी पारदर्शिता के साथ सभी कमोडिटीज के दाम तय होंगे।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल कीमतों में बदलाव

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट देखी जा रही है। गुरुवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड 69.62 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड भी गिरकर 74.30 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल 67 और डीजल 66 पैसे महंगा हो गया है। हरियाणा में पेट्रोल और डीजल दोनों 28 पैसे महंगे हो गए हैं। झारखण्ड, कर्नाटक, पंजाब और राजस्थान में पेट्रोल-डीजल की कीमत में तेजी दिख रही है। पश्चिम बंगाल में पेट्रोल 44 पैसे और डीजल 41 पैसे सस्ता हो गया है।

महाराष्ट्र में पेट्रोल 58 और डीजल 53 पैसे सस्ता हो गया है। हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश और बिहार में भी पेट्रोल-डीजल सस्ता हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.77 रुपये और डीजल 94.37 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.92 रुपये और डीजल 90.14 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.26 रुपये और डीजल 89.45 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.66 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.59 रुपये और डीजल 94.36 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

कॉफी चेन स्टारबक्स को 11 अरब डॉलर का नुकसान

ह्यूस्टन ।

विश्व भर में राजनीतिक तनाव के बीच सिएटल स्थित स्टारबक्स कॉर्पोरेशन पर भी काफी नकारात्मक असर देखने को मिला है। स्टारबक्स को खराब बिक्री और उसके उत्पादों के बहिष्कार को लेकर बड़ा नुकसान झेलना पड़ा है। लगातार इस बहिष्कार के कारण कंपनी को लगभग 11 अरब डॉलर का खामियाजा भुगतना पड़ा है। कंपनी को इतना नुकसान उठाना पड़ा है। इससे कंपनी का कुल मूल्य 9.4 प्रतिशत घटा है। लगातार कंपनी के खिलाफ हो रहे बहिष्कार के कारण स्टारबक्स के शेयरों में भी बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। आंकड़ों के अनुसार स्टारबक्स के शेयर 8.96 प्रतिशत तक गिर गए है। शेयरों में गिरावट के कारण कंपनी को 11 अरब अमेरिकी डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा है। बता दें कि स्टारबक्स वर्कर्स यूनाइटेड के एक ट्वीट के बाद कंपनी मुश्किल में आ गई थी। इसके बाद से ही कंपनी के उत्पादों

का बहिष्कार होना शुरू हो गया था।

श्रमिक संघ उसके कई बरिस्ता का प्रतिनिधित्व करता है और उन्होंने गाजा में जारी हिंसक संघर्ष में फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता व्यक्त की है। इस संबंध में एक उद्योग विश्लेषक का कहना है कि गाजा पट्टी पर इजराइल की आक्रामकता के बीच बहिष्कार भी जारी है। इसके साथ ही कंपनी को लेकर असंतोष भी फैला हुआ है। कंपनी का भविष्य भी चुनौतीपूर्ण स्थिति में पहुंचा हुआ है।

रैपिडो ने की कैब बाजार में उतरने की घोषणा

-कंपनी कराएगी अब कार से भी सफर

नईदिल्ली ।

रैपिडो कंपनी ने कैब बाजार में उतरने की घोषणा की! कंपनी ने सॉफ्टवेयर एज अ सर्विस (सास) पर चलने वाला अपना प्लेटफॉर्म रैपिडो कैब्स पेश किया। रैपिडो कैब्स प्लेटफॉर्म हर फेरे पर कमीशन नहीं लेगा बल्कि उसके ड्राइवर सबस्क्रिप्शन मॉडल पर काम करेंगे। उबर और ओला जैसी इस बाजार की स्थापित कंपनियां ड्राइवरों से हर फेरे पर तयशुदा कमीशन लेती हैं। मगर रैपिडो प्लेटफॉर्म पर जब ड्राइवर की कमाई 10,000 रुपये महीने से ज्यादा हो जाएगी तब उसे 500 रुपये का सबस्क्रिप्शन शुल्क देना होगा। रैपिडो के सह-संस्थापक पवन गुंटूपल्ली ने कहा, 'सास पर चलने वाला हमारा अनूठा प्लेटफॉर्म ड्राइवरों के लिए कमीशन वाली पुरानी व्यवस्था में क्रांति ला देगा। इसमें ड्राइवरों को न्यूनतम सॉफ्टवेयर उपयोग शुल्क ही देना होगा, जो उद्योग में बड़ा बदलाव होगा।' रैपिडो ने अपने बेड़े में 1 लाख से अधिक कार जोड़ ली हैं, जिनमें से करीब 50 फीसदी कार दिल्ली-एनसीआर में हैं।

रैपिडो फिलहाल देश के 100 शहरों में अपनी सेवाएं दे रही है, लेकिन उसकी कैब सेवा शुरू में केवल बेंगलूरु, हैदराबाद और दिल्ली-एनसीआर में ही मिलेगी। कंपनी ने अगले चरण में अपने कारोबार का विस्तार छोटे एवं मझोले शहरों तक करने की योजना बनाई है। कंपनी अपने साथ करीब 5,00,000 ड्राइवर पार्टनर होने और हर महीने 5.5 करोड़ फेरे उपलब्ध कराने का दावा करती है। इसके अलावा वह न्यूनतम किराये की गारंटी के साथ ग्राहक जोड़ने की भी कोशिश कर रही है। सवारी की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कंपनी ने अपने ऐप पर एसओएस, लोकेशन साझा करने और आपातकालीन बटन जैसी सुविधाएं दी हैं। अगर ड्राइवर निर्धारित मार्ग से भटक जाता है, रुक जाता है अथवा सवारी को बुकिंग वाली जगह के बजाय कहीं और उतारता है तो उसकी सूचना भेजने के लिए ऐप को भी बेहतर बनाया गया है। कंपनी भविष्य में चेहरा पहचानने की सुविधा भी तैयार कर रही है। रैपिडो अपने ड्राइवर पार्टनर को कैप्टन कहती है। उसके कैप्टनों को सवारी के प्रति संवेदनशील बनाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम से भी गुजरना होगा। कंपनी अपने बेड़े में इलेक्ट्रिक वाहन भी शामिल करने लगी है। डेटा प्लेटफॉर्म ट्रैक्सन के अनुसार रैपिडो ने अब तक करीब 2,600 करोड़ रुपये जुटाए हैं और उसका मूल्यांकन करीब 6,750 करोड़ रुपये है।

हुंदै मोटर एक जनवरी से बढ़ाएगी वाहनों की कीमत

नई दिल्ली । देश में वाहन निर्मात कंपनी हुंदै मोटर इंडिया ने कच्चे माल की बढ़ती लागत, प्रतिकूल विनिमय दर और जिंस की कीमतों में वृद्धि का हवाला देते हुए अगले महीने से अपने वाहनों की कीमतें बढ़ाने की घोषणा की। कंपनी ग्रैंड आई10 निओस से लेकर इलेक्ट्रिक एसयूवी आईओएनक्यू5 तक वाहनों की एक श्रृंखला बेचती है। इनकी कीमत 5.84 लाख रुपये से 45.95 लाख रुपये के बीच है। हालांकि एक जनवरी 2024 से कीमत कितनी बढ़ाई जाएगी इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) की ओर से जारी बयान के अनुसार, कीमतों में वृद्धि कच्चे दाम की बढ़ती लागत प्रतिकूल विनिमय दर और अन्य कारणों के अलावा जिंस की कीमतों में वृद्धि के कारण है। एचएमआईएल के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि कंपनी हमेशा लागत वृद्धि को यथासंभव हद तक वहन करने की कोशिश करती है और यह सुनिश्चित करती है कि ग्राहकों पर बोझ न पड़े।

हफ्ते के पहले दो दिनों में अडानी की आय 16.71 अरब डॉलर बढ़ी

नई दिल्ली ।

अडानी के शेयर बीते कुछ दिनों से तेज रफ़्तार से बढ़े हैं। अडानी की कंपनी की कमाई लगातार बढ़ रही है। गौतम अडानी की दौलत में दिन दूनी रात चौगुनी की बढ़ोतरी हो रही है। हफ्ते के पहले दो दिनों में अडानी ने 16.71 अरब डॉलर की कमाई कर ली। गौतम अडानी की दौलत में आई इस तेजी के चलते उन्होंने दुनिया के अरबपतियों की लिस्ट में लंबी छलांग लगाई है। अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग के आरोपों के चलते अडानी की दौलत आधे से अधिक गिर गई थी, साल खत्म होने से पहले उन्होंने कमबैक कर लिया है। शेयरों में तेजी की वजह से अडाणी ने दुनिया के अरबपतियों की सूची में एक बार ऊंची छलांग लगाई है। अडानी की दौलत में हुई बढ़ोतरी से उन्होंने दुनिया के अमीरों की सूची में टॉप 15 में जगह बना ली। ब्लूमबर्ग बिनेलियर्स इंडेक्स के अनुसार गौतम अडानी की दौलत में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। एक दिन के कमाई मामले में उन्होंने बुधवार को एलन मस्क को भी पछाड़ दिया। बुधवार को उनके नेटवर्थ नें 12.5 अरब डॉलर की उछाल आई। इसके साथ ही उनकी संपत्ति 82.5 अरब डॉलर पर पहुंच गई।

जी और सोनी विलय की मंजूरी के खिलाफ दायर अपीलों पर सुनवाई स्थगित

नई दिल्ली । राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने जी एंटरटेनमेंट और कल्वर मैक्स एंटरटेनमेंट के प्रस्तावित विलय के खिलाफ दायर अपीलों पर सुनवाई एनसीएलएटी के चेयरपर्सन की अगुवाई वाली पीठ ने समय की कमी के कारण 15 दिसंबर तक के लिए स्थगित कर दी। यह मामला 31 अक्टूबर को हुई पिछली सुनवाई में एक अलग पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया गया था, जिसने दोनों याचिकाओं को न्यायाधिकरण चेयरपर्सन की पीठ को स्थानांतरित कर दिया था। ये याचिकाएं एक्सिस फाइनेंस और आईडीबीआई बैंक ने दाखिल की हैं। उस पीठ ने कहा था कि चेयरपर्सन की अगुवाई वाली पीठ पहले से ही जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड के खिलाफ दायर आईडीबीआई बैंक की दिवालिया अर्जी पर सुनवाई कर रही है, लिहाजा इन अपीलों पर भी उसी पीठ का सुनवाई करना उचित होगा। हालांकि, एनसीएलएटी ने एक्सिस फाइनेंस और आईडीबीआई बैंक की अपीलों पर कोई नोटिस जारी नहीं किया। इन दोनों ने जी एंटरटेनमेंट और कल्वर मैक्स के विलय को मंजूरी देने के फैसले को चुनौती दी है। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ ने 10 अगस्त को इन दोनों मीडिया कंपनियों के विलय प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। विलय के बाद बनने वाली नई कंपनी देश की सबसे बड़ी मीडिया इकाई होगी।

सात दिन बाद शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 132 अंक टूटा

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार में सात दिन से जारी तेजी के बाद गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली और ग्लोबल मार्केट से मिले कमजोर रुझानों के दबाव से बाजार में गिरावट आई। विश्लेषकों के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की गिरती कीमतें घरेलू बाजार को सहारा देने में विफल रहीं क्योंकि निवेशक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति के फैसले से पहले सतर्क नजर आए।

गुरुवार के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 132 अंक कमजोर हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 37 अंक की गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, व्यापक बाजार गुरुवार को अपनी बढ़त बरकरार रखने में कामयाब रहे। बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.7 फीसदी, जबकि स्मॉलकैप 0.3 फीसदी बढ़ा। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 132.04 अंक की गिरावट के साथ 69,521.69 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में गुरुवार को 69,320.53 और 69,695.33 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी में भी 36.55 अंक की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 20,901.15 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में गुरुवार को 20,850.80 और 20,941.25 के रेंज में कारोबार हुआ। गुरुवार के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 12 शेयर हरे निशान पर बंद हुए। पावर ग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाइटन, एनटीपीसी और एसबीआई सेंसेक्स के टॉप 5 गेनर्स रहे।

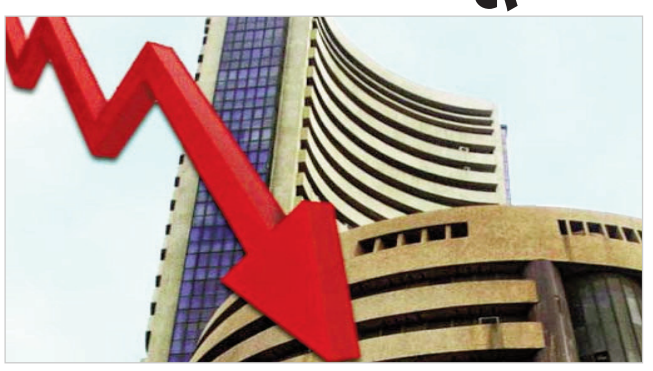

सबसे ज्यादा मुनाफा पावर ग्रिड के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 2.43 फीसदी चढ़ गए। वहीं, दूसरी तरफ सेंसेक्स के शेयरों में 18 शेयर लाल निशान पर बंद हुए। भारती एयरटेल, एचयूएल, टाटा स्टील, आईटीसी और एलएंडटी सेंसेक्स के टॉप 5 लूजर्स रहे। सबसे ज्यादा नुकसान भारती एयरटेल के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 2.46 फीसदी गिर गए। एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की, हांगकांग का हैंगसेंग और चीन का शंघाई कम्पोजिट नुकसान में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों मेंज. फ्रांस के सीएसी में तेजी रही जबकि जर्मनी का डीएएक्स नुकसान में रहा। वहीं लंदन के एफटीएसई में गिरावट रही। अमेरिकी बाजारों में बुधवार को मिला-जुला रुख था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ 75.05 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

भारत और अमेरिका की व्यापार बैठक अगले माह

मुंबई । भारत और अमेरिका अगले माह होने वाली सालाना व्यापार नीति फोरम बैठक के आयोजन की तैयारी कर रहे हैं। इस मामले के जानकार व्यक्तियों ने कहा कि इसमें दोनों पक्षों के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने, व्यापार व निवेश मुद्दों को सुलझाने और भविष्य के मुद्दों की पहचान किए जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि टीपीएफ की बैठक इस महीने में होने की उम्मीद थी लेकिन अब यह जनवरी में होने की उम्मीद है। भारत अमेरिका टीपीएफ की सह अध्यक्षता वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) और कैथरीन ताई करेंगी। दोनों देशों ने जनवरी, 2023 टीपीएफ की 13वीं मंत्रिस्तरीय बैठक की थी। चार वर्ष के अंतराल के बाद नवंबर 2021 में भारत-अमेरिका टीपीएफ हुआ। यह फोरम महत्त्वपूर्ण है क्योंकि भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक व निर्यात साझेदार अमेरिका है। अप्रैल-अक्टूबर में द्विपक्षीय व्यापार कारोबार 69.36 अरब डॉलर हुआ था। यह बैठक उस समय हो रही है जब भारत अमेरिका के संबंध नई ऊंचाइयों पर पहुंच चुके हैं। इस क्रम में भारत और अमेरिका विश्व व्यापार संगठन के कई विवादित मुद्दों को हल करने की आम सहमति बना चुके हैं।

आगे कितना मजबूत होगा रुपया विश्लेषक इस लेकर सतर्क

मुंबई । भारतीय शेयर बाजारों में अधिक विदेशी फंड आने से रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 5 पैसे बढ़कर 83.32 पर बंद हुआ, जो अब तक का शीर्ष स्तर है। हालांकि, शेयर बाजार में आने वाले फंड को हॉट मनी माना जाता है और यह अल्प सूचना पर बाहर निकल सकता है। इसकारण बाजार विशे लेषक इस लेकर सतर्क हैं कि रुपया आगे कितना मजबूत होगा। बहुत कुछ तेल की कीमतों पर भी निर्भर करेगा। डॉलर सूचकांक, जो छह मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी मुद्रा की ताकत का अनुमान लगाता है, भी 0.07 प्रतिशत कम पर कारोबार कर रहा था, जिससे रुपये को मदद मिली। डॉलर हाल ही में इस उम्मीद से कमजोर होना शुरू हुआ है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व अगले साल ब्याज दरों में कटौती शुरू करेगा।इससे उभरते बाजारों की मुद्राओं को अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने में भी मदद मिली है। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि आरबीआई ने डॉलर की खरीदारी की जिससे रुपये की बढ़त सीमित हो गई। आरबीआई द्वारा डॉलर की खरीद-फरोख्त का मकसद रुपये में व्यापक उतार-चढ़ाव को रोककर उस स्थिर बनाए रखना है। जब रुपया तेजी से गिरने लगता है, तब आरबीआई भारतीय मुद्रा को सहारा देने के लिए डॉलर बेचता है। इसके विपरीत, जब रुपया बढ़ता है, तब यह आरबीआई को डॉलर खरीदने का मौका देता है। यह भी बताया गया है कि आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक से पहले विदेशी मुद्रा बाजार प्रतीक्षा और घड़ी की स्थिति में है, जिसने ब्याज दरों पर निर्णय लेने के लिए तीन दिवसीय विचार-विमर्श शुरू कर दिया है।

एएमडी ने डेटा सेंटर से लेकर पीसी तक नए एआई समाधान उत्पाद किए पेश

सैन जोस ।

तेजी से बढ़ते कृत्रिम मेधा (एआई) क्षेत्र का लाभ उठाने के लिए चिप निर्माता कंपनी एएमडी ने डेटा सेंटर से लेकर पर्सनल कंप्यूटर (पीसी) तक के लिए उत्पादों की एक नई श्रृंखला पेश की है। सांता क्लारा स्थित सेमीकंडक्टर कंपनी ने कई नए उत्पाद पेश किए। इनमें एएमडी इंस्टिंक्ट एमआई300 सीरीज डेटा सेंटर एआई एक्सेलेरेटर, लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) का समर्थन करने वाले नए फीचर्स के साथ आरओसीएम 6 ओपन सॉफ्टवेयर स्टैक और राइजेन एआई के साथ राइजेन 8040 सीरीज प्रोसेसर शामिल हैं। एएमडी की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) लिसा सु ने यहां इन उत्पादों को पेश करते हुए कहा कि एआई कंप्यूटिंग का भविष्य है। एएमडी एंड-टू-एंड बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए इसे विशिष्ट रूप से बनाया गया है। यह इस एआई युग को क्लाउड इंस्टॉलेशन से लेकर एंटरप्राइज क्लस्टर तथा एआई-सक्षम इंटेलिजेंस एम्बेडेड डिवाइस व पीसी तक को परिभाषित करेगा। उन्होंने दावा किया कि कंपनी नए इंस्टिंक्ट एमआई300 जीपीयू की बहुत मजबूत मांग देख रही है, जो दुनिया में जेनरेटिव एआई को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी। एआई क्षेत्र में संभावित वृद्धि के बारे में उन्होंने कहा कि बाजार के 70 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ने की उम्मीद है। कुछ अनुमानों के अनुसार, 45 अरब अमेरिकी डॉलर का मौजूदा बाजार आकार 2027 तक बढ़कर 400 अरब अमेरिकी डॉलर होने की उम्मीद है।

सरकार गन्ने से एथनॉल उत्पादन पर लगाएगी रोक

नई दिल्ली ।

भारत गन्ने से एथनॉल उत्पादन पर अंकुश लगाने की तैयारी कर रहा है क्योंकि दुनिया का सबसे बड़ा चीनी उपभोक्ता घरेलू कमी से जूझ रहा है। एक समाचार एजेंसी ने इस मामले में बताया कि अधिकारी चालू सीजन के लिए जैव ईंधन (एथनॉल) का उत्पादन करने के लिए गन्ने के उपयोग को सीमित करने के प्रस्ताव का अध्ययन कर रहे हैं। इस विषय पर फिलहाल कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है और योजनाएं अभी भी बदल सकती हैं। ये दि इस तरह का कोई प्रस्ताव लाया जाता है, जिस मंजूरी मिलने पर देश में चीनी की कमी को कम करने में मदद करेगा। बुधवार को न्यूयॉर्क में वायदा कीमतों में 7.9 फीसदी की गिरावट दर्ज की, जो 10 महीनों में सबसे बड़ी गिरावट है। यह भारत के लिए चीनी आयात करने की किसी भी संभावना को भी ख़त्म कर देगा। मंत्रालय ने इस विषय पर टिप्पणी के अनुरोध का कोई जवाब नहीं दिया। अनियमित बारिश ने भारत में गन्ने की फसल को नुकसान पहुंचाया, जिससे दुनिया के दूसरे सबसे बड़े चीनी उत्पादक को निर्यात पर प्रतिबंध 31 अक्टूबर से आगे बढ़ाने के लिए मजबूर होना पड़ा। पैरागॉन ग्लोबल मार्केट के प्रबंध निदेशक माइकल मैकडॉगल ने कहा कि एथनॉल उत्पादन को सीमित करने से भारत में चीनी के भंडार में और गिरावट नहीं आएगी। रिपोर्ट में कहा गया कि हालांकि इस उपाय से भारत को खाद्य मुद्रास्फीति पर काबू पाने में मदद मिल सकती है, लेकिन इसका सीमित प्रभाव हो सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि सूत्रों के अनुसार कुछ एथनॉल इस साल की शुरुआत में एक निविदा में बेचा जा चुका है और इसका उत्पादन करने की आवश्यकता होगी।

अनमोल है पशुओं की दुनिया

दोस्तों तुम जब अपने माता-पिता के साथ कहीं सैर पर जाते हो तो अक्सर रास्ते में तुम पशुओं को देखते होगे। कई प्रकार के होते है यह पशु, लेकिन आज पशुओं के प्रति लोगों की रूची काफी कम हो गई है। आज के लिए खास संदेश यह है कि इंसान और पशुओं के बीच ऐसा आत्मीय रिश्ता बने, जिसमें हम उन्हें नुकसान न पहुंचाएं, बल्कि उनसे और ज्यादा प्यार कर सकें। इस 'पशु पर्व' के मौके पर जानते हैं पशुओं की दुनिया की कुछ निराली बातें..

- शेर को भले ही जंगल का राजा कहा जाता है, लेकिन वह गैंडे और हाथी से कभी भी लड़ना नहीं चाहता।
- कैलिफोर्निया एकेडमी ऑफ साइंस के अनुसार, ऊंट छह माह तक बिना पानी के भी रह सकता है।
- व्हेल मछली उल्टी दिशा में नहीं तैर सकती।
- चीता एक घंटे में 112 किमी की रफ्तार से दौड़ सकता है।
- घोडे खडे-खडे नींद ले सकते हैं।
- पालतू पशु कुत्ते की श्रवणशक्ति यानी सुनने की क्षमता मनुष्य से 9 गुना अधिक तेज होती है।
- हाथी अपनी सूंढ़ में 5 लीटर तक पानी रख सकता है।
- हिप्पोपोटामस (दरियाई घोड़ा) उन बहुत कम जानवरों में से एक है, जो पानी में बच्चों को जन्म देता है।
- समुद्र मे गहरा गोता लगाने के लिए मगरमच्छ कभी-कभी भारी पत्थर भी निगल लेता है।
- ब्लू व्हेल का हृदय एक मिनट में मात्र 9 बार ही धड़कता है।

आओ पहल करें

पशुओं की रक्षा और उसके हित की बातें सभी करते हैं, लेकिन अपनी ओर से पहल करने वालों की संख्या बहुत कम है। सड़क पर पड़े पशुओं के साथ जितनी बेरहमी से सुलूक किया जाता है, उसे देखकर कह सकते हैं कि लोग पशुओं के प्रति संवेदनशील नहीं हो सके हैं। पशुओं के साथ ऐसा व्यवहार नहीं होने देंगे, इसका हमें संकल्प लेना चाहिए और दूसरों के लिए उदाहरण बनना चाहिए।

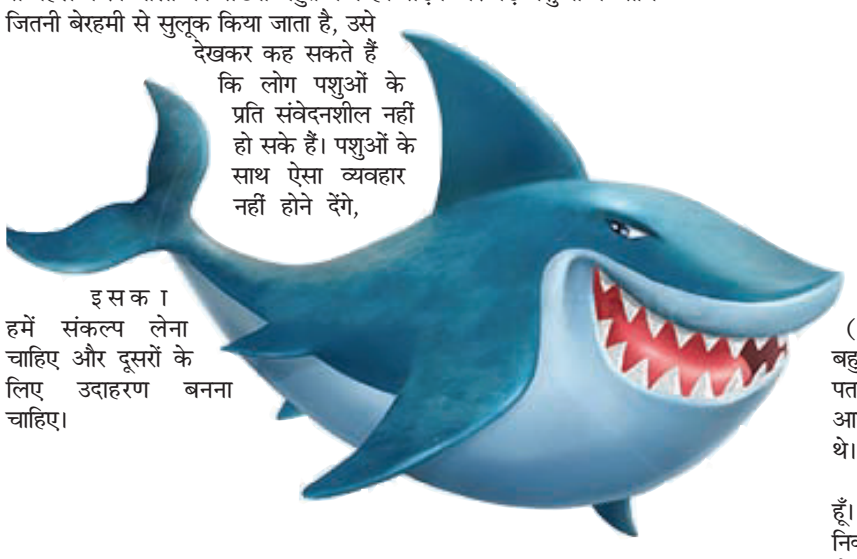

चीता कैसे बना सबसे तेज धावक

एक बार ईश्वर ने यह तय किया कि यह जाना जाए कि उनके बनाए हुए इतने सारे तरह तरह के जीव जन्तुओं में सबसे तेज कौन दौडता है। बहुत सारी रेस हुई और सेमीफाईनल्स, से फाईनल में पहुंचते पहुंचते बस दो जानवर बचे एक तो चीता और दूसरा बारहसिंघा जो कि सारी हिरणों और एन्टेलोप्स की प्रजातियों में तेज गति वाला था।

चीता को अहसास हुआ कि उसके पंजे तो मुलायम और गद्देदार हैं, जो कि उबड ख़ाबड मैदान की दौड के लिये उपयुक्त नहीं थे। उसने अपने एक मित्र जंगली कुत्ते से कडे पंजों का जोडा उधार ले लिया।

रेस शुरु हुई एक ऊंचे ताड के पेड के पास से। ईश्वर स्वयं रेस के जज बने और उन दोनों प्रतियोगियों को मैदान से होकर पहाडी के दूसरे छोर तक एक खास जगह तक दौडने के लिये कहा गया। सारे जानवर इकट्ठे हुए। दौड के अन्त वाले स्थान पर शेर और उसके साथियों को जज करने के लिये खडा किया गया। और फिर दोनों को खडा कर के आदेश दिया गया- रेस शुरु दौड़ो..

सारे जानवर उत्साह में चिल्लाने लगे, कोई चीते के साथ था तो कोई बारहसिंघा के। बारहसिंघा कुछ दूर दौड कर आगे हो गयालग रहा था कि बस वही जीतेगा। तभी बारहसिंघा के रास्ते में एक बड़ा पत्थर आ गया और वह उससे टकरा गया और अपना पैर तुड़ा बैठा। अब क्या!

किन्तु अच्छे स्वभाव वाले चीता ने रेस बीच में ही छोड दी और बारहसिंघा की सहायता को चला आया। उसे उठाया, लेकर पीछे लौटा जहां, ईश्वर और बाकि जानवर थे।

ईश्वर यह सब देखा और वह चीता के इस निस्वार्थ सेवा से बहुत प्रसन्न हुए। और उन्होंने ऐलान किया कि चीता न जीत कर भी जीता है अतः उसे पृथ्वी का सबसे तेज धावक होने का वरदान दिया जाता है और उसे जंगली कुत्ते के कड़े पंजे रख लेने की भी इजाजत दी जाती है। बस तभी से चीता सबसे तेज दौड़ने वाला जीव है पृथ्वी पर।

चालाक चोर

विमलापुर नामक एक नगर था, जो बहुत खुशहाल था, लेकिन नगर में कभी-कभी चोरी की घटनाएँ हो जाया करती थीं। करिया उसी नगर का एक चोर था।जो बहुच चालाक था।उसे कोई पकड़ नहीं पाता था। वह छोटी-मोटी चोरियाँ करके भागने में हर बार कामयाब हो जाता था। एक दिन रात को जब वह किसी के यहाँ चोरी करने के इरादे से निकला था, तो रास्ते में एक अजनबी मिला। करिया समझ गया कि वह चोर ही होगा। बातचीत के दौरान दोनों समझ गए कि दोनों का एक ही (चोरी) है। अजनबी का नाम भैरव था। करिया ने भैरव से कहा, ''टोपीवाले आदमी को देखो। वह बहुत अमीर लगता है। मैं उसके पास जाकर देखकर बताता हूँ कि उनकी जेब में क्या है और उसे पता तक नहीं चलेगा''। इतना कहकर वह वहाँ से गायब हो गया और थोड़ी देर बाद जब वापस आया तो उसके हाथ में एक बटुआ था। बटुआ खोलकर देखा गया, उसमें सोने के दस सिक्के थे।

यह देखकर भैरव ने मुस्कराते हुए कहा, ''मैं तो इससे भी बढ़कर काम करके दिखा सकता हूँ। मैं मालिक को भी चोर साबित कर सकता हूं।'' उसने सोने के सिक्कों में से दो सिक्के निकाल लिये और उनके स्थान पर ताँबे के दो सिक्के रख दिए। उसके बाद वह वहाँ से गायब हो गया।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्यायधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 3027

■	9	24	■	29	8	■	30	3	■
17			8			7			■
8			15 9			9 23			■
■	23				17			10	■
■	■	7 11			19 24				8
■	4 4			17 10			3		
3			9			■	10 24		
8			11 4			8 7			■
■	6				15			■	■
■	■	4			9			■	■

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

	10 6	1	2	3	4
1					
2					
3					

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो -3026 का हल

■	■	■	10	16	■	■	22	17
■	■	9 29	2	7	■	16	7	9
■	24 8	7	8	9	■	14 17	6	8
10	7	9	■	■	9	8	1	11
15	6	8	11	4	24	9	8	7
■	10	5	2	3	■	4 10	3	1
■	■	6 6	3	1	2	6 3	3	1
■	4 4	3	1	7	1	2	4	7
9	3	1	5	■	7	1	2	4
3	1	2	■	■	■	4	1	2

हंसी के फव्वारें

जज ने अभियुक्त से कहा-'तुम पर मोटर तेज चलाने का इल्जाम है. क्या तुम अपना इल्जाम स्वीकार करते हो?'

'जी हां, मीलार्ड, मगर ?'

'मैंने कोई अपराध नहीं किया.' अभियुक्त सफाई देते हुए बोला-'मेरी मोटर के ब्रेक खराब थे,इसलिये मैंने सोचा कि जल्दी से घर पहुँच जाऊं. कहीं ऐसा न हो कि कोई एक्सीडेंट हो जाए !'

□ □ □

एक सेठ बीमार पड़ गया.

डाक्टरों ने उसे राय दी कि वह विदेश जाकर दवा कराये तो उसने अपने मुंशी से पूछा-'मुंशी जी ! विदेश जाकर दवा कराने में कितना खर्च होगा ?'

'लगभग बीस हजार !'

'और क्रिया-कर्म में ?'

'लगभग पांच हजार !'

'तो फिर इलाज से मरना ही ज्यादा फायदेमंद रहेगा.' सेठ ने ठण्डी सांस लेते हुए कहा.

□ □ □

रमेश ने महेश से पूछा-'जब सेब पेड़ से नीचे गिरा तो न्यूटन को बहुत आश्चर्य हुआ.'

महेश-'पागल था वह ?'

रमेश-'वह कैसे ?'

महेश-'आश्चर्य की बात तो तब होती जब सेब नीचे से ऊपर जाता.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3027

1		2	3	■	4	5	■	6	
	■	7		8	■	9			■
	■		■	10	11		■	12	
■	13			■		■	14		■
15		■	■	16		17	■		18
	■	19			■	20			
21	22		■		■		■	■	
■		■	23		24		25	■	
26	■	27		■	28				■
29		■	30			■			31

बायें से दायें:-

१. ऋषिकपूर, मनीषा की 'दिल की कही ना जाए' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली रितिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
६. कृतिका, सोनू की 'सुबह सुबह जब खिड़की' गीत वाली फिल्म-२
७. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
९. फिल्म 'चोरी चोरी' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'रणभूमि' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१२. ऋषिकपूर, डिम्पल की 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'पिया तू अब तो आजा' गीत वाली फिल्म 'कारवाँ' का नायक-३
१४. प्रशांत, ऐश्वर्या की 'कोलंबस कोलंबस' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली मनोज वाजपेयी, तब्बू की फिल्म-२
१६. जैकी, जूही, अमृता की 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दम भर जो उधर मुँह फेरे' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-३
२०. धर्मेन्द्र, हेमा की 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
२१. 'यादें' में रितिक की नायिका -३
२३. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मेरी जाँ प्यार करो' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी, रंजीता की फिल्म-२
२८. शत्रुघ्न, मिथुन, हेमा, अनिल राज की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देवआनंद, माला की फिल्म-२
३०. 'अगर जिंदगी हो तेरे संग हो' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'चंदा ने दी चाँदनी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. 'हँसदे हँसदे' गीत वाली कमल हासन, रवीना, मनीषा की फिल्म-३
२. अमिताभ, शाहरूख, उदय चोपड़ा, ऐश्वर्या, किम शर्मा, प्रीति की फिल्म-४
३. 'आजा आजा गिव मी ए' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
५. 'दिल क्यों धड़कता है' गीतवाली फिल्म-३
६. 'सुनिये तो रूकिये तो' गीत वाली शाहरूख, जूही चावला की फिल्म-२,२
८. फिल्म 'सवेरे वाली गाड़ी' में नायक-२
११. मिथुन, आदित्य, रेखा की 'मेरा नाम बिल्लू' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'अभी साँस लेने की' गीत वाली सलमान, सनी, करिश्मा की फिल्म-२
१५. सनी, मीनाक्षी, ममता की 'कोई जाए तो ले' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मेरे सपनों की रानी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१७. मिथुन, अतुल, पूजाभट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'जीवन के सफर में राही' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-४
१९. 'कभी हाँ कभी ना' में सुचित्रा कृष्णामूर्ति के चरित्र का नाम-२
२२. 'सनम तेरी कसम' में नायिका कौन-२
२३. सनी, अमृता की 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'प्यार कोई खेल नहीं' की नायिका-३
२५. 'रूके रूके से' गीत वाली फिल्म जिसमें संजीव, शर्मिला थे-३
२६. फिल्म 'संन्यासी' में नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3026

घ	रौं	दा	■	जा	लि	म	■	आ	■
र	■	मि	ल	न	■	न	सी	ह	त
■	स	नी	■	व	■	■	मा	■	र
खे	ल	■	नू	र	ज	हाँ	■	मा	ला
■	मा	धु	री	■	मी	■	आँ	सू	■
शा	न	■	■	औ	र	त	■	म	स्त
गि	■	दि	ल	■	■	रा	खी	■	■
र्द	■	ल्ल	■	आ	र	जू	■	■	आ
■	स	गी	ना	■	वी	■	जा	गृ	ति
ह	त्या	■	ना	■	ना	गि	न	■	श

सूडोकु -3027

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3026 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

शब्द पहेली - 3027

1	2		3		4	■	5		6	7
8		■		■	9			■	10	
	■	11				■	12	13	■	
14				■	15	16	■	17	18	
	■		■	19			20	■		■
21	22		23		■	24		25		26
■		■		27		28			■	
29		30		■	31		■	32		
	■	33	34	■	35				■	
36	37	■	38			■		39		
40				■	41					

बाएँ से दाएँ

1.उपासना करना-6
5.अलमस्त, उत्साही-4
8. हरे रंग का-2
9.चाह,इच्छा-3
10.अधिकार,आरोप-2
11.निर्दय, हिंसक-4
12.आंदोलन-2
14.सज्जन,सभ्य-4
15.स्मृति,अविस्मरण-2
17.रूखा, रसहीन-3
19.गुप्तचर-4
21.संकट मोचक,नाविक-5
24.चुगली करना-5
27.नेता पथ प्रदर्शक-4
29.प्रेम,चाहत-3
31.एक ग्रह-2
32.अनर्गल प्रलाप-4
33.नौकर,सेवक-2
35.उद्विग्न,आतुर-4
36.श्रवणेंद्रिय-2
38.दीपक,दिया-3
39.बोलने के लिये कहना-2
40.एक मुस्लिम महीना-4
41.सहायता करना-3,3

ऊपर से नीचे

1.सहिष्णुता,उदारता-6
2.थोड़ा,कम-2
3.कपड़ों के टुकड़े-4
4.असफल-5
5.राजी करना-3
6.वजन,वायदा-2
7.अनाथ,बेवारिस-4
11.वैधव्य-4
13.राजा की पत्नी-2
16.टूटना-4
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.खबरी,खबर देने वाला-4
20.हमारा पड़ोसी देश-2
22.घूमना-3
23.पराजय-2
25.खतरनाक, खौफनाक-4
26.पसंद नहीं होना, अस्वीकृत-4,2
28.अशोक कुमार, मीना कुमारी, प्रदीप कुमार की फिल्म-5
29.हमले का जवाब देना,प्रतिशोध-4
30.कभी-2
32.जब्त,प्राप्त होना-4
34.मास्टर ब्लास्टर-3
37.भीगा हुआ-2
39.टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली - 3026 का हल

■	ब	ल	शा	ली	■	रु	ख	सा	र
अ	न	■	ली	■	प	त	न	■	जा	न
न	■	ज	मा	दा	र	■	न	म	■	फा
म	ग	रु	र	■	■	आ	■	द	र	स
ना	■	र	■	अ	ज	ग	र	■	वा	त
■	भि	त	वा	■	ही	■	स	प	ना	■
म	ल	■	दा	वा	न	ल	■	रा	■	फि
त	न	या	■	ल	■	■	ह	ज	र	त
ल	■	म	त	■	का	र्या	ल	य	■	र
बी	ज	■	म	का	न	■	घ	■	सा	त
■	य	ल	गा	र	■	ब	ल	शा	ली	■

दक्षिण अफ्रीका में बारिश ने किया टीम इंडिया का स्वागत, छतरी की जगह ट्रॉली बैग का लिया सहारा

सेंचुरियन (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार को पहले टी20 मैच से शुरू होने वाली आगामी बहु-प्रारूप श्रृंखला के लिए डरबन पहुंचने पर टीम इंडिया का स्वागत बारिश ने किया जिसके बाद होटल में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। जैसे ही मेन इन ब्लू दक्षिण अफ्रीका में उतरे, वे बारिश ने उनका स्वागत किया और कुछ खिलाड़ियों को बस की ओर दौड़ते समय अपने ट्रॉली बैग को कवर के रूप में इस्तेमाल करते देखा गया। हालांकि जैसे ही वे अपने होटल पहुंचे, मूड तेजी से बदल गया। हवाई अड्डे पर प्रशंसकों ने उनका उत्साह बढ़ाया और उन्होंने अपने समर्थकों के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें खिलाड़ियों को दक्षिण अफ्रीकी हवाई अड्डे पर पहुंचते और होटल के कर्मचारियों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत करते देखा गया। दक्षिण अफ्रीका का सभी प्रारूपों का दौरा रविवार को तीन मैचों की टी20आई श्रृंखला के साथ शुरू होगा जो 14 दिसंबर तक चलेगा। 17 दिसंबर से सफेद गेंद श्रृंखला का एकदिवसीय चरण शुरू होगा जो 21 सितंबर को समाप्त होगा।

वीडियो में सूर्यकुमार यादव, रुतुराज गायकवाड़, श्रेयस अय्यर, यशस्वी जयसवाल, मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और मोहम्मद सिराज सहित भारतीय टीम शामिल थी। कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रित बुमरा जैसे सीनियर खिलाड़ी सभी प्रारूपों की श्रृंखला में सफेद गेंद से नहीं खेल पाएंगे। नंबर एक टी20आई बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव टी20आई टीम का नेतृत्व करेंगे जबकि केएल राहुल वनडे टीम की कप्तानी करेंगे। रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, साई सुदर्शन और रजत पाटीदार जैसे युवाओं को वनडे टीम के लिए कॉल-अप मिला है।

सीनियर खिलाड़ी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए वापसी करेंगे जो 26 दिसंबर से सेंचुरियन में शुरू होगा और दूसरा टेस्ट अगले साल 3 जनवरी से केपटाउन में होगा। श्रृंखला का यह रेड-बॉल चरण भारतीय प्रशंसकों के लिए सबसे प्रतीक्षित होगा क्योंकि भारत ने अभी तक दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट श्रृंखला जीत दर्ज नहीं की है।

जब मैदान में गौतम गंभीर और श्रीसंत के बीच हुई नोकझोंक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी गौतम गंभीर वर्तमान में लीजेंड्स लीग क्रिकेट में इंडिया कैपिटल्स की कप्तानी कर रहे हैं। गंभीर का बल्ला इस टूर्नामेंट में जमकर हल्ला बोल रहा है। गुजरात जॉयंट्स और इंडिया कैपिटल्स के बीच खेला गया पहला एलिमिनेटर मैच बेहद रोमांचक रहा। इस मुकाबले में गंभीर और गुजरात जॉयंट्स की ओर से खेल रहे टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज शांताकुमारन श्रीसंत के बीच नोकझोंक देखने को मिली। श्रीसंत की गेंदों पर गंभीर ने कुछ करारे शॉट लगाए जिससे भारतीय पेसर चिढ़ गया और गंभीर को आंख दिखाने की कोशिश की लेकिन गौतम ने भी श्रीसंत को मुंहतोड़ जवाब दिया। हालांकि बाद में श्रीसंत ने वीडियो जारी कर कहा कि गंभीर को इस तरह की हरकत लाइव मैच में नहीं करनी चाहिए।

यह वाकया मैच के दूसरे ओवर की है जब गौतम गंभीर स्ट्राइक पर थे। पेसर श्रीसंत अपना पहला ओवर लेकर आए। गंभीर ने पहली गेंद को छक्के के लिए बाउंड्री के बाहर भेज दिया। अगली गेंद को गंभीर ने चौके के लिए बाउंड्री का दर्शन कराया। अगली गेंद डॉट रही। इसके बाद श्रीसंत अपने फॉलो थ्रू में आगे बढ़े और गंभीर की ओर देखने लगे। गंभीर भी कहां पीछे रहने वाले। उन्होंने भी श्रीसंत को करारा जवाब दिया। हालांकि मामला ज्यादा आगे नहीं बढ़ा और दोनों यहीं पर शांत हो गए। मैच के बाद शांताकुमारन श्रीसंत ने एक वीडियो जारी किया जिसमें वह कहते हुए नजर आ रहे हैं कि उनके दिल में सीनियर खिलाड़ियों जैसे वीरू आदि के लिए बहुत सम्मान है। उन्होंने कहा कि मेरी गलती नहीं थी लेकिन गौतम गंभीर ने क्रिकेट के मैदान पर लाइव मैच में जिस भाषा का इस्तेमाल किया वह बर्दाश्त करने योग्य नहीं थी। भारतीय टीम के पूर्व पेसर ने कहा कि आज नहीं तब कल यह बात सामने आ जाएगी कि गंभीर ने क्या कहा था। मुकाबले की बात करें तो गौतम गंभीर की कप्तानी वाली इंडिया कैपिटल्स ने गुजरात जॉयंट्स को 12 रन से हरा दिया। गंभीर ने 30 गेंदों पर 7 चौकों और एक छक्का की मदद से 51 रन की पारी खेली। इंडिया कैपिटल्स ने 7 विकेट पर 223 रन बनाए।

बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन का खेल बारिश की भेंट चढ़ा

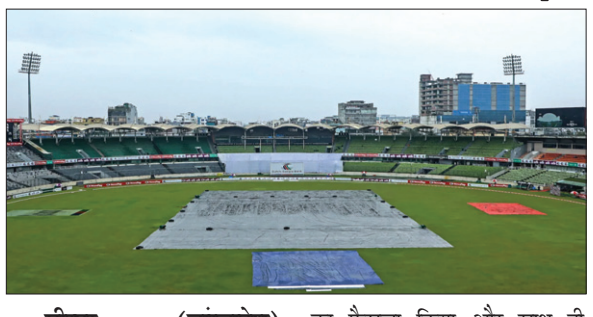

मीरपुर (बांग्लादेश) (एजेंसी)। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच दूसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन गुरुवार को यहां बारिश के कारण एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। मैच के पहले दिन बांग्लादेश की टीम पहली पारी में 172 रन पर आउट हो गई थी लेकिन मेजबान टीम ने वापसी करते हुए न्यूजीलैंड का स्कोर पांच विकेट पर 55 रन करके अपना पलड़ा भारी रखा।

लगातार बारिश के कारण मैच अधिकारियों ने दिन का खेल रद्द करने का फैसला किया और साथ ही शुक्रवार को मैच जल्दी शुरू करने का भी फैसला किया। न्यूजीलैंड की टीम अब भी बांग्लादेश से 117 रन पीछे है जबकि उसके पांच विकेट बाकी हैं। डेरिल मिशेल 12 जबकि ग्लेन फिलिप्स पांच रन बनाकर खेल रहे हैं। बांग्लादेश ने दो टेस्ट की श्रृंखला का पहला मैच 150 रन से जीता था और उसके पास न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली बार टेस्ट श्रृंखला जीतकर इतिहास रचने का मौका है।

जैक्स और करन का शानदार प्रदर्शन, इंग्लैंड ने दूसरे वनडे में वेस्टइंडीज को हराकर श्रृंखला बराबर की

नॉर्थ साउंड (एंटीगा) (एजेंसी)। विल जैक्स के 73 रन और सैम करन के तीन विकेट के दम पर इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को दूसरे एक दिवसीय क्रिकेट मैच में छह विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 1-1 से बराबरी की। इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को पहले बल्लेबाजी के लिये भेजा था और मेजबान टीम 40 ओवर में 202 रन पर आउट हो गई। वहीं जैक्स के दूसरे अर्धशतक की मदद से इंग्लैंड ने 33 ओवर में चार विकेट पर 206 रन बनाए।

वेस्टइंडीज के लिए पहले मैच में नाबाद 109 रन बनाने वाले शाई होप ने 68 रन की पारी खेली। एक समय सात ओवर के बाद वेस्टइंडीज का स्कोर चार विकेट पर 23 रन था लेकिन होप ने शेरफान रदरफोर्ड (63) के साथ 129 रन की साझेदारी करके पारी को संभाला। उन्होंने 44 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया और 68 गेंद में 68 रन बनाए। रदरफोर्ड ने 71 गेंद में अर्धशतक पूरा किया।

जवाब में जैक्स ने फिल साल्ट(21) के साथ 50 रन की साझेदारी की और 43 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। इंग्लैंड के जाक क्रॉउले और बेन डकेट जल्दी आउट हो गए लेकिन हेनरी ब्रूक और जोस बटलर ने 17.1 ओवर बाकी रहते टीम को जीत दिलाई। बटलर 58 रन बनाकर और ब्रूक 43 के स्कोर पर नाबाद रहे। बटलर ने 36 रन पूरे होते ही वनडे क्रिकेट में 5000 रन पूरे कर लिए। इससे पहले शुरूआती वनडे में होप इस आंकड़े तक पहुंचे थे।

विकेटकीपर के रुप में 5 हजार रन बनने वाले पांचवे खिलाड़ी बने बटलर

मुंबई। इंग्लिश कप्तान जोस बटलर ने लगातार कम स्कोर के बाद फॉर्म में वापसी की और वनडे में 5,000 रन का आंकड़ा छू लिया। वह ऐसा करने वाले इंग्लैंड के केवल पांचवें खिलाड़ी बन गए हैं। साथ ही बटलर विकेटकीपर द्वारा सबसे तेज 5000 वनडे रन बनाने वालों की टॉप 5 की लिस्ट में भी शामिल हुए हैं। बटलर नॉर्थ साउंड में वेस्टइंडीज के खिलाफ इंग्लैंड के दूसरे वनडे के दौरान इस मुकाम पर पहुंचे। मैच में बटलर ने 45 गेंदों में नाबाद 58* रन बनाए। उनकी पारी में चार चौके और तीन छक्के थे। उनके रन 128 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से आए। अब 180 वनडे और 153 पारियों में इंग्लैंड कप्तान ने 39.85 की औसत और 117 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 5,022 रन बनाए हैं।

अनुभवी बल्लेबाज फाफ डु प्लेसिस को क्रिकेट में वापसी की उम्मीद

अबू धाबी। अबू धाबी टी10 2023 संस्करण में मॉरिसविले सैंप आर्मी की बांग्ला टाइगर्स के साथ भिड़ंत से पहले अनुभवी बल्लेबाज फाफ डु प्लेसिस ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी पर खुलकर बात की है। इस बीच खबर थी कि फाफ अन्य वरिष्ठ खिलाड़ियों के साथ वापसी कर सकते हैं। फाफ ने मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। इस बारे में पूछने पर फाफ ने कहा कि मुझे विश्वास है कि मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी वापसी कर सकता हूं। हम पिछले कुछ वर्षों से इस बारे में बात कर रहे हैं। यहां सिर्फ अगले साल टी20 विश्व कप के लिए संतुलन का पता लग रहा है। यह निश्चित रूप से कुछ ऐसा है जिसके बारे में नए कोच से बात की है।

शुबमन गिल ने राशिद खान से की मुलाकात, सोशल मीडिया पर डाली तस्वीर

नई दिल्ली। भारत के बल्लेबाज शुबमन गिल ने अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान से ब्रिटेन में मुलाकात की। इस दौरान वह अपने गुजरात टाइटंस (जीटी) टीम के साथी को देखकर बहुत रोमांचित हुए। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक दिल छू लेने वाली पोस्ट भी साझा की है। इस राशिद खान ने गिल के साथ एक तस्वीर खिंचवाई जिन्होंने हाल ही में हार्दिक पांड्या की मुंबई इंडियंस में आश्चर्यजनक वापसी के बाद आईपीएल 2024 के लिए गुजरात टाइटन्स का नया कप्तान बनाया था। राशिद ने सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, कप्तान साहब द्वारा रोकने के लिए धन्यवाद। राशिद की पोस्ट पर माइकल वॉन और टाइटन्स दोनों की ओर से उत्साहजनक प्रतिक्रियाएं आईं और दोनों दिग्गज खिलाड़ियों की मुलाकात को देखकर खुश हुए। अपनी प्रतिक्रिया में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने कहा कि मुझे यह पसंद है। दूसरी ओर टाइटन्स ने लिखा, नजर ना लगे। बता दें कि राशिद की 24 नवंबर को यूनाइटेड किंगडम में पीठ के निचले हिस्से की एक छोटी सी सर्जरी हुई। वह भी पीठ की चोट के कारण आगामी बिग बैश लीग सीजन 13 से हट गए हैं जिसके लिए एक छोटी सी सर्जरी की आवश्यकता है। उन्होंने अफगानिस्तान की क्रिकेट टीम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और 2023 वनडे विश्व कप में उनकी सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इंग्लैंड और पाकिस्तान जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ मैचों में उनका प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट में क्रिश गेल ने खूब लगाया जोर, फिर भी 12 रन से हारे

नई दिल्ली (एजेंसी)। लीजेंड्स लीग क्रिकेट में क्रिश गेल ने खूब जोर लगाया, बावजूद इसके फिर भी उनकी टीम 12 रनों से हार गई। सूरत के लाल भाई कॉन्ट्रेक्टर स्टेडियम में खेली जा रही लीजेंड्स लीग क्रिकेट 2023 के एक अहम मुकाबले में गुजरात जायंट्स की ओर से खेलते हुए क्रिस गेल ने 150 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से 84 रन बनाए। लेकिन वह अपनी टीम को 12 रन की हार से बचा नहीं पाए। इससे पहले खेलते हुए इंडिया कैपिटल्स ने गौतम गंभीर के 51, चिप्ली के 35 और बेन डंक के 30 रनों की बदौलत 223 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी गुजरात 211 रन ही बना पाई। गुजरात को रोकने में इसरु उडाना की शानदार गेंदबाजी आड़े आई। इसरु ने अपने 4 ओवर में केवल 22 रन दिए और गुजरात के बल्लेबाजों को बांध कर रख दिया। इससे पहले इंडिया कैपिटल्स की कप्तानी कर रहे गौतम गंभीर ने तेजतर्रार शुरूआत कर अपनी टीम को 200 पार लगवाने में मदद की।

हालांकि टीम की शुरूआत अच्छी रही थी। एडवर्ड्स के साथ गंभीर ने पहले विकेट के लिए 65 रन जोड़े थे। एडवर्ड्स ने 20 गेंदों पर 26 रन बनाए जबकि गौतम गंभीर ने 28 गेंदों पर अर्धशतक लगाकर दर्शकों का मनोरंजन किया। गंभीर इस दौरान अच्छी लय में दिखे। उन्होंने श्रीसंत के पहले ही ओवर में 1 छक्का और 1 चौका लगाकर कमाल ??दिखा ?दिया। कैपिटल्स की ओर से खेल रहे बेन डंक ने भी जलवा दिखाते हुए 10 गेंदों पर 4 छक्कों की मदद से 30 रन बनाकर टीम को मजबूती दी। इससे पहले पीटरसन ने भी 15 गेंदों पर तीन छक्कों की मदद से 26 रन बनाए थे। अंत में चिप्ली ने 16 गेंदों पर 3 छक्कों की मदद से 35 रन बनाए जबकि एश्ले नर्स ने 5 गेंदों पर 12 रन बनाकर स्कोर 223 तक पहुंचा दिया।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में पूर्व चैंपियन कैरोलिन वोज्नियाकी को मिला वाइल्डकार्ड

मेलबर्न। पूर्व विश्व नंबर 1 और 2018 चैंपियन डेनमार्क की कैरोलिन वोज्नियाकी को छह ऑस्ट्रेलियाई प्रतिभाओं के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 के लिए मुख्य ड्रॉ वाइल्डकार्ड दिया गया है। बता दें कि वोज्नियाकी ने 2018 में मेलबर्न पार्क में यह खिताब जीता था। उन्हें मंगलवार को साल के पहले ग्रैंड स्लैम आयोजन के लिए वाइल्डकार्ड प्राप्तकर्ता घोषित किया गया, जो सात खिलाड़ियों में से एक थी। अन्य छह प्रतिभाशाली ऑस्ट्रेलियाई किम्बर्ली बिरेल, ओलिविया गैडेकी, तायला प्रेस्टन, जेम्स डकवर्थ, मार्क पोलमैन्स और एडम वाल्टन हैं। 2018 चैंपियन वोज्नियाकी ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के आधिकारिक पॉडकास्ट पर 4 साल में पहली बार ऑस्ट्रेलिया लौटने के अपने उत्साह का खुलासा किया। 2 बच्चों की मां, 33 वर्षीय वो?ज्नियाकी ने कहा है कि मेरे पास मेलबर्न की बहुत सारी अद्भुत यादें हैं और निश्चित रूप से ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतना करियर का सर्वकालिक आकर्षण है। गौरतलब है कि वोज्नियाकी ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2020 में संन्यास ले लिया था। साढ़े 3 साल दूर रहने के बाद वोज्नियाकी ने अगस्त 2023 में टेनिस में रोमांचक वापसी की। यूएस ओपन में ग्रैंड स्लैम वापसी से पहले उन्होंने मॉन्ट्रियल और सिनसिनाटी में खेला, जहां वह चौथे में अंतिम चैंपियन कोको गॉफ से हार गईं। वोज्नियाकी ने वापसी पर कहा कि मेलबर्न दुनिया में मेरे सबसे पसंदीदा शहरों में से एक है, और मैं इसे अपने परिवार और अपने बच्चों के साथ साझा करने के लिए इंतजार नहीं कर सकती। बता दें कि ऑस्ट्रेलियन ओपन 14 से 28 जनवरी तक चलेगा, जिसमें आर्यना सबालेंका का लक्ष्य महिला खिताब का बचाव करना है और नोवाक जोकोविच पुरुष वर्ग में एक और जीत हासिल करना चाहेंगे।

करियर बर्बाद होने के बाद फिर से आईपीएल की उम्मीद जगा रहे खलील अहमद

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के टोंक में टेनिस-बॉल क्रिकेट खेलते हुए बड़े हुए खलील अहमद को आईपीएल से उम्मीद जाग रही है। जानकार बता रहे हैं ?कि हो सकता है उनकी आईपीएल से वापसी हो जाए। 5 दिसंबर 1997 को पैदा हुए खलील अहमद 26 साल के हो गए। 2018 में जब उन्होंने टीम इंडिया के लिए डेब्यू किया तो खलील को लंबी रेस का घोड़ा माना जा रहा था। जहीर खान, आशीष नेहरा, इरफान पठान वाली टीम इंडिया की लेफ्ट आर्म पेसर्स लीगेसी अब खलील अहमद के पास थी। मगर जल्द ही उनका क?रियर खत्म हो गया। खलील को टीम इंडिया से बाहर हुए चार साल हो चुके हैं। ले?किन आईपीएल और घरेलू क्रिकेट के भरोसे वापसी की उम्मीद लगाए बैठे खलील का रास्ता आसान नहीं ?दिख रहा है। खलील को सबसे पहले 2016 में आईपीएल नीलामी में दिल्ली डेयरडेविल्स ने 10 लाख रुपये में खरीदा था, जिससे राहुल द्रविड़ के साथ उनका जुड़ाव बढ़ा, जिन्होंने भारत के अंडर-19 कोच के रूप में काम किया और डेयरडेविल्स टीम के मेंटर भी थे। दिल्ली डेयरडेविल्स (2016 और 2017) के दौरान शुरू हुई इस कहानी में खलील को अपने सीनियर गेंदबाज जहीर खान का काफी सपोर्ट मिला, जो उस वक्त टीम की कप्तानी कर रहे थे।

जहीर ने खलील को कॉन्फिडेंस दिया। अपनी फील्ड खुद सेट करने और उसके हिसाब से बॉलिंग करने के लिए प्रेरित किया। खलील की माने तो इस अनुभव से एक गेंदबाज के रूप में उनमें काफी सुधार हुआ। 2018 की आईपीएल नीलामी में सनराइजर्स हैदराबाद ने किंग्स इलेवन पंजाब और डेयरडेविल्स को ऑक्शन में मात देते हुए खलील को तीन करोड़ रुपये में खरीदा था। यह और बात है कि सनराइजर्स उन्हें सिर्फ बतौर बैक-अप ही इस्तेमाल करने वाली थी, क्योंकि उनके पास भुवनेश्वर कुमार, संदीप शर्मा, सिद्धार्थ कौल और बासिल थम्पी के रूप में एक मजबूत भारतीय पेस बैटरी थी। अब दिल्ली कैपिटल्स ने एकबार फिर उनपर भरोसा जताया है और ऑक्शन से पहले रिटेन कर लिया है।

चोट से उबरने के बाद हार्दिक पांड्या अब सीधे आईपीएल में लेंगे एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। हार्दिक पांड्या अपनी चोट से उबरने के बाद अब सीधे आईपीएल में ही एंट्री करेंगे। हालांकि टी20 विश्व कप 2024 भले ही छह महीने दूर है लेकिन बीसीसीआई ने अभी से संभावित कप्तान हार्दिक पांड्या की फिटनेस पर काम शुरू कर दिया है। क्रिकेट विश्व कप 2023 में जब हार्दिक को चोट लगी तो दक्षिण अफ्रीका दौरे पर बीसीसीआई ने रोहित शर्मा से सफेद गेंद फॉर्मेट की कप्तानी संभालने को कहा था। लेकिन बात न बनने पर बीसीसीआई ने टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए अभी से हार्दिक पांड्या पर फोक्स करना शुरू कर दिया है। बता दें कि हार्दिक पहले से चोटों से परेशान रहे हैं, ऐसे में बीसीसीआई विशेष रूप से ऑलराऊंडर के लिए 18-सप्ताह का उच्च-प्रदर्शन कार्यक्रम पर काम कर रही है। एनसीए द्वारा तैयार किए गए कार्यक्रम में हार्दिक कार्डियो, शक्ति प्रशिक्षण, कार्यात्मक प्रशिक्षण और महत्वपूर्ण रूप से पर्याप्त आराम जैसे विभिन्न पहलुओं पर ध्यान देंगे। बीसीसीआई ने आगामी दो टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए यह रणनीति बनाई है। 2024 में विंडीज और अमरीका में जबकि 2026 में भारतीय धरती पर विश्व कप होना तय है।

गौरतलब है कि बीसीसीआई और एनसीए द्वारा अपनाया गया यह कार्यक्रम नया नहीं है। इससे पहले जसप्रीत बुमराह, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल जैसे खिलाड़ी इस परीक्षा से गुजर चुके हैं। सूत्र बताते हैं कि हार्दिक पंड्या की वर्तमान चोट उनकी पिछली पीठ की चोट से संबंधित नहीं है, जिसके लिए 2019 में उन्होंने सर्जरी करवाई थी। हार्दिक ने अपनी वापसी के बाद से शानदार फिटनेस बनाए रखी थी और आई.पी.एल. में गुजरात टाइटन्स का नेतृत्व किया और अपनी टीम को खिताब भी दिलवाया। आई.पी.एल. 2023 में वह अपनी टीम को फाइनल तक भी लेकर गए। इसके अलावा श्रीलंका, न्यूजीलैंड और वेस्ट इंडीज के खिलाफ टी20ई सीरीज में भी उन्होंने टीम को लीड किया।

हालांकि पहले संभावना थी कि हार्दिक दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज से वापसी होगी। या फिर श्रीलंका या अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली सीरीज में लौट आएंगे। लेकिन ऐसा होता न देख बीसीसीआई अब उनकी मुकम्मल फिटनेस पर काम कर रही है। यहां गौरतलब है कि टीम इंडिया ने जून 2022 से अब तक 55 टी20 मुकाबले खेले हैं, जिनमें से 38 में हार्दिक ने हिस्सा लिया। वनडे के 50 में से 23 मैच में वह खेले। आंकड़े बताते हैं कि हार्दिक टीम इंडिया के प्रमुख खिलाड़ियों में से एक है। ऐसे में उनकी फिटनेस क्रिकेट अधिकारियों के लिए प्राथमिकता बन जाती है।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने पाकिस्तानी टीम को बताया मजबूत

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने पाकिस्तानी टीम को बेहद मजबूत बताया है। नए कप्तान शान मसूद की अगुवाई में पाकिस्तान की क्रिकेट टीम तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए पहुंच गई है। सीरीज का पहला टेस?ट 14 दिसंबर से पर्थ में खेला जाना है। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के तेज और उछाल भरे विकेट पर ऑस्ट्रेलिया के पेस बॉलर, पाकिस्तान के बैटरों की कठिन परीक्षा ले सकते हैं लेकिन इस्लामाबाद में जन्मे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा की राय में शान मसूद की मौजूदा टीम बेहद मजबूत है। उन्होंने इसे ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने वाली पाकिस्तान की सबसे मजबूत टीमों में से एक माना है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफटेस्ट सीरीज में जिस पाकिस्तानी बैटर पर लोगों की सबसे ज्यादा निगाह होगी वह हैं पूर्व कप?तान बाबर आकि ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे में बाबर ने दो टेस्ट में 52.5 के औसत से 278 रन बनाए थे जिसमें एक शतक शामिल था। ख्वाजा ने बाबर को क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में एक बताते हुए कहा कि बाबर, उनकी ऑस्ट्रेलिया टीम के खिलाफ चुनौती पेश कर सकते हैं। 36 साल के इस पाकिस्तानी मूल के ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने कहा कि बाबर तीनों प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ बैटरों में से एक हैं। स्टीव स्मिथ हमारे युग के महानतम बल्लेबाज हैं। जब ये दोनों बाबर और स्मिथ यहां, बेनो-कादिर सीरीज में खेलेंगे तो यह रोमांचक मुकाबला होगा। बाबर की स्मिथ से तुलना करना लगभग स्मिथ की कोहली से तुलना जैसा है।

चाइनीज निमोनिया की भारत में दस्तक?

नई दिल्ली। कोविड के बाद चीन में फैली रहस्यमयी बीमारी को लेकर जहां दुनिया में चिंता बढ़ी है तो वहीं भारत में भी अलर्ट जारी कर दिया गया है। अब खबर यह है कि चाइनीज निमोनिया ने भारत में दस्तक दे दी है और इसके 7 मरीज एम्स में इलाज के लिए भर्ती बताए गए हैं। इस पर भारत के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक स्पष्टीकरण भी जारी किया है। इससे पहले खबरों बतलाया गया कि चीन के अस्पतालों में माइकोप्लाज्मा निमोनिया से पीड़ित अनेक बच्चों का इलाज किया जा रहा है। इस बीमारी को वॉकिंग निमोनिया या व्हाइट लंग सिंड्रोम भी कहा गया है। हाल ही में इंटरनेशनल मेडिकल जर्नल लैंसेट में एक स्टडी के हवाले से खबर चली कि चाइनीज निमोनिया ने भारत में भी दस्तक दे दी है। इस रिपोर्ट और एम्स में स्टडी करने वाली एक प्रमुख डॉक्टर का हवाला देते हुए कहा गया कि नई दिल्ली के ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में सितंबर 2022 से लेकर अप्रैल 2023 तक सात केस वॉकिंग निमोनिया यानि माइकोप्लाज्मा निमोनिया के दर्ज किये गए। इस रिपोर्ट के आधार पर बताया गया कि ये आंकड़े अलग-अलग सैंपलों की अलग-अलग जांच से सामने आए। वैसे इस पूरी रिपोर्ट के आधार पर चलाई गई खबरों को लेकर भारत के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि दिल्ली एम्स में मिले बैक्टीरियल केसेज का चीन में हुए निमोनिया आउटब्रेक से कोई भी संबंध नहीं है। मंत्रालय ने इसे भ्रामक और गलत बताया है। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि माइकोप्लाज्मा निमोनिया समुदाय से प्राप्त होने वाले निमोनिया का सबसे कॉमन बैक्टीरियल कारण है। इस प्रकार दिल्ली एम्स में मिले निमोनिया के मामलों को चीन की बीमारी से जोड़ कर देखना ठीक नहीं बताया गया है।

आठ भारतीय मछुआरों को श्रीलंका नौसेना ने किया गिरफ्तार

चेन्नई। श्रीलंका नौसेना ने आठ भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार चक्रवात मिचौंग के कारण कुछ दिनों के अंतराल के बाद पहली बार मछली पकड़ने के लिए समुद्र में उतरे तमिलनाडु के आठ मछुआरों को गुरुवार तड़के श्रीलंकाई नौसेना ने पकड़ लिया। मछुआरों को बुधवार की रात अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा पार करने और श्रीलंकाई जलक्षेत्र में घुसने के आरोप में तथा रात समुद्र में जाने के बाद ऊंचे समुद्र में लाइन (आईएमबीएल) से गिरफ्तार किया गया। ये सभी मछुआरे रामनाथपुरम जिले के रामेश्वरम के पंबन निवासी बताये जा रहे है। पुलिस ने कहा कि मछुआरे मंडपम के एम. उदयराज की नाव पर सवार होकर समुद्र में उतरे थे। तब श्रीलंकाई नौसेना ने उन्हें घेर लिया और खींचकर ले गये और उनकी नाव भी जब्त कर ली गई है।

राज कुंद्रा को राहत, पोर्नोग्राफी मामले में ईडी को नहीं मिला कोई ठोस सबूत

मुंबई। साल 2021 में प्रोड्यूसर राज कुंद्रा पर अश्लील फिल्में और पोर्नोग्राफी बनाने का आरोप लगा था। इस मामले में उन्हें गिरफ्तार भी किया गया था। वह कई दिनों तक जेल में भी रहे। राज कुंद्रा का पोर्नोग्राफी मामला काफी चर्चित रहा था। चर्चा थी कि शिल्पा शेट्टी और उनके रिश्ते में भी कड़वाहट आ गई है। लेकिन अब राज कुंद्रा मामले में एक बड़ी खबर ये सामने आई है कि बहुत जल्द उन्हें ईडी से क्लिन चिट मिलेगी। गौरतलब हो कि जुलाई 2021 में उन्हें अश्लील पोर्नोग्राफी के एक मामले में मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया था। बाद में उन पर मनी लॉन्ड्रिंग का भी आरोप लगाया गया जिसकी अभी भी जांच और कार्रवाई चल रही है। हाल ही में सामने आई जानकारी के मुताबिक ईडी को पोर्नोग्राफी मामले में राज कुंद्रा का कोई सीधा कनेक्शन नहीं मिला है। सूत्रों के मुताबिक, ईडी फिलहाल राज कुंद्रा के मनी लॉन्ड्रिंग केस पर फोकस कर रही है। इंग्लैंड स्थित कंपनी केनरिन, जो मनी लॉन्ड्रिंग में फंसी अन्य शेल कंपनियों से जुड़ी है, जांच में यह पता चला है कि राज कुंद्रा के बहनोई प्रदीप बख्शी केनरिन कंपनी के मालिक हैं। साथ हे हॉटशॉट ऐप का आधिकारिक प्रमोटर भी। ईडी सूत्रों के मुताबिक, आर्म्स प्राइम मीडिया लिमिटेड के सीईओ सौरभ कुशवाह ने कंपनी में निवेश के लिए जनवरी 2019 में राज कुंद्रा से संपर्क किया था। उनका रिश्ता उसी साल दिसंबर तक जारी रहा। ऐप बनाने के बाद हॉटशॉट को केनरिन को 25,000 डॉलर में बेच दिया गया। ईडी उनके बैंक लेनदेन की जांच कर रही है। राज कुंद्रा को भारतीय दंड संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत अपराध करने के बाद 19 जुलाई 2021 को गिरफ्तार किया गया था। मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट एस.बी.भाजीपाले ने 50,000 रुपये के निजी मुचलके पर जमानत अर्जी मंजूर कर ली। सरकारी वकील ने उनकी अर्जी का विरोध किया था। पुलिस ने आरोप पत्र में दावा किया था कि राज कुंद्रा मुख्य सूत्रधार थे। उनपर मुख्य आरोप यह था कि उन्होंने युवतियों का अश्लील वीडियो बनाकर और उन्हें बेचकर उनका यौन शोषण किया था। जमानत मिलने के बाद राज कुंद्रा काले हेलमेट में नजर आ रहे हैं। ऐसे में कई लोग उन्हें ट्रोल करते हैं। कई लोगों ने कहा कि अब चेहरा छुपाने का समय आ गया है। कुछ दिनों पहले उनके केस पर आधारित फिल्म यूटी 69 भी काफी चर्चा में रही थी।

देश में सड़क हादसों का शिकार हुए 32,000 पैदल यात्री

नई दिल्ली। सड़क हादसों में पैदल चल रहे व्यक्ति सबसे अधिक असुरक्षित होता है। भारत में करीब 32 हजार पैदल व्यक्ति सड़क दुर्घटनाओं के शिकार होते हैं। राज्यसभा सांसद राकेश सिन्हा ने इसकी जानकारी सदन के समक्ष रखकर सड़क पर चलने वाले पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। राज्यसभा सांसद ने बताया कि सड़क पर होने वाले हादसों में 58 प्रतिशत दुर्घटनाएं पैदल चलने वाले व्यक्तियों की हो रही हैं। भारत में दुर्घटनाओं का यह आंकड़ा देखा जाए, तब 2022 में लगभग 32,825 पैदल चलने वाले व्यक्ति दुर्घटनाओं के शिकार हुए। सिन्हा ने बताया कि यह ग्लोबल ट्रेंड है, और इस प्रकार के हादसे पूरे विश्व में हो रहे हैं। उनके मुताबिक पूरी दुनिया में 1.2 मिलियन एक्सीडेंट होते हैं। सिन्हा ने बताया कि अमेरिका में वर्ष 2022 में 7500 एक्सीडेंट हुए हैं। बड़ी बात यह है कि अमेरिका में हुए ये सड़क हादसे वर्ष 2010 की तुलना में 77 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाते हैं। सिन्हा ने कहा कि पैदल चलने वालों का एक प्राकृतिक और मौलिक अधिकार होता है। जब नेशनल हाईवे का चौड़ीकरण हो रहा है, तब उन स्थानों पर छोटे-छोटे व्यापारी, फल विक्रेता, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड पहले से स्थित होता है। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देकर कहा कि मौजूदा तथ्यों के मुताबिक, पैदल चलने वालों में 31 प्रतिशत व्यक्ति कारोबारी कारणों से पैदल चलते हैं। राज्यसभा सांसद ने कहा कि इस संदर्भ में मैं सड़क पर चलने वाले पैदल यात्रियों की सुरक्षा की मांग करता हूं। उन्होंने कहा कि सामान्य संदर्भ में जहां भी सड़क का चौड़ीकरण हो या विस्तारीकरण किया जाए, वहां उन स्थानों पर स्थानीयता को सुरक्षित रखा जाए। यानि स्थानीय लोग जो पैदल यात्रा करते हैं, परंपरागत तरीकों से यात्रा करते हैं, बैलगाड़ी से चलते हैं, घोड़ा गाड़ी से चलते हैं, टमटम से चलते हैं, उनकी सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा हमारा कर्तव्य है। सिन्हा ने राज्यसभा में कहा कि चूंकि नेशनल हाईवे बड़े-बड़े शहरों को जोड़ता है, इसलिए स्थानीय लोगों को असुरक्षित महसूस नहीं होना चाहिए।

मदरसों के वित्तस्रोत जांच के लिए एसआईटी गठित

– 2 वर्षों में मदरसों को 100 करोड़ की विदेशी फंडिंग

लखनऊ। मदरसों को मिलने वाली विदेशी फंडिंग के दुरुपयोग संबंधी तथ्यों के मद्देनजर उत्तरप्रदेश सरकार ने मदरसों के वित्तीय स्रोतों की जांच के लिए 3 सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। पिछले 2 वर्षों में कई देशों से लगभग 100 करोड़ रुपए का दान प्राप्त करने के लिए अब तक 80 मदरसों की पहचान की गई है। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि एसआईटी अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि मदरसों ने यह धनराशि किस मद में खर्च की और क्या इसमें कोई अनियमितता थी। राज्य में लगभग 24,000 मदरसे हैं, जिनमें से 16,500 से अधिक उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, एसआईटी का नेतृत्व कर रहे एटीएस के अतिरिक्त महानिदेशक मोहित अग्रवाल ने कहा कि हम देखेंगे कि विदेशी फंडिंग के माध्यम से प्राप्त धन को कैसे खर्च किया गया है। संक्षेप में यह जांचना है कि क्या पैसे का इस्तेमाल मदरसा चलाने या किसी अन्य गतिविधियों के लिए किया जा रहा है। अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से जांच पूरी करने के लिए अभी तक कोई समय सीमा नहीं बताई गई है। सूत्रों ने बताया कि एसआईटी पहले ही अपने बोर्ड से पंजीकृत मदरसों का ब्योरा मांग चुकी है। योगी आदित्यनाथ सरकार ने पिछले साल जिलाधिकारियों को गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों का सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया था। बता दें कि 2 महीने के सर्वेक्षण के दौरान, 8,449 मदरसे ऐसे पाए गए जो राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं थे। नेपाल सीमा से सटे लखीमपुर खीरी, पीलीभीत, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर और बहराइच के अलावा आसपास के कई इलाकों में 1,000 से ज्यादा मदरसे चल रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि पिछले कुछ सालों में इन इलाकों में मदरसों की संख्या तेजी से बढ़ी है।

चंक्रवाती तूफान मिचौंग ने मचाई तबाही, न दूध-पानी मिल रहा न बिजली बहाल

–अब तक 17 लोगों की मौत, टीमें जुटीं हुई हैं बचाव कार्य में

चैन्नई (एजेंसी)। चक्रवाती तूफान मिचौंग ने चेन्नई को भीषण तबाही के मुहाने पर लाकर खड़ा कर दिया है। तूफान के कारण चैन्नई के साथ-साथ अन्य जिलों में भी जमकर बारिश हुई, जिसके कारण सड़कें और घर जलमग्न हो गए। यहां अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि न दूध मिल रहा न पीने का पानी ही उपलब्ध है। इसके साथ बिजली संकट की समस्या तक पैदा हो गई। वैसे तो मिचौंग अब कमजोर पड़ गया है लेकिन उसका असर अभी तक कई जिलों और इलाकों में दिख रहा है। चेन्नई और उसके उपनगरों के कुछ हिस्सों में लोग अभी भी रुके हुए पानी और बिजली की समस्या से जूझ रहे हैं। इस बीच राहत व बचाव कार्य तेज कर दिए गए हैं। वहीं आज रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए गुरुवार को तमिलनाडु का दौरा करने वाले हैं। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार ने भीषण बाढ़ के कारण चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और चेंगलपट्टू के सभी स्कूलों और कॉलेजों की छुट्टियां गुरुवार तक बढ़ा दी हैं। पल्लावरम, तांबरम, वंडालूर, थिरुपोरूर, चेंगलपट्टू और थिरुकाझुकुंड्रम में शैक्षणिक संस्थान आज बंद रहेंगे। भीषण बाढ़ के कारण लोगों को दूध, पीने के पानी और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कमी का सामना करना पड़ रहा है।

चेन्नई में बाढ़ के चलते इन सभी चीजों की आपूर्ति पूरी तरह से ठप हो गई है। लोगों के बेवजद खरीदारी के चलते भी दैनिक आवश्यक वस्तुओं की कमी का संकट और गहरा गया है। बताया जा रहा है कि चक्रवात से पहले हुई मूसलाधार बारिश के कारण आई बाढ़ में 17 लोगों की मौत हो गई है, जिनमें से ज्यादातर मौतें चेन्नई में हुई है। हालांकि बाढ़ के दौरान बचावकर्मियों ने लोगों को उनके घरों से बाहर निकालने के लिए इन्फ्लेटेबल राफ्ट और रस्सियों का इस्तेमाल किया। जबकि पानी से घिरे लोगों ने जैसे ही मदद की गुहार लगाई, तो लोगों को ऊंचे स्थानों पर ले जाने के लिए नावें उलब्ध कराई गईं।

नेहरू पर बयान देकर शाह ने साबित किया वे भाजपा की व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से पढ़े : गोगोई

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने भारत के पहले प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू के खिलाफ अपनी टिप्पणी को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर कटाक्ष किया है। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गोगोई ने कहा कि शाह ने साबित किया हैं कि उन्होंने भाजपा की व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से जवाहरलाल नेहरू पर पीएचडी की है। इस लेकर उन्होंने ट्वीट भी किया। उन्होंने लिखा कि केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने संसद में साबित कर दिया कि उन्होंने बीजेपी व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से पंडित नेहरू पर पीएचडी की है। ये आरएसएस बीजेपी की नई शिक्षा नीति है। पूर्व पीएम नेहरू को लेकर शाह के बयान पर कांग्रेस के लोकसभा मुख्य सचेतक के सुरेश ने कहा कि बुधवार को लोकसभा में शाह ने सदन और देश को गुमराह किया। पंडित नेहरू के योगदान को हर जगह स्वीकार किया जाता है, न केवल हमारे देश में बल्कि पूरी दुनिया में। उनकी नीतियों और निर्णयों को मंजूरी और सहमति दी गई। दरअसल बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने सदन को बताया कि पंडित नेहरू के फैसले बड़ी भूल थे। हमने इस टिप्पणी का कड़ा विरोध किया। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि पीएम मोदी को सत्ता में आए 10 साल हो गए, अटल बिहारी वाजपेयी 6 साल तक सत्ता में रहे। तब, भाजपा को कौन रोक रहा है?...2024 चुनाव से पहले पीओके वापस लो। पूरे भारत का सारा वोट आपको मिलेगा। राजद के मनोज झा ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी के पत्र पढ़ें, महादेव देसाई के अंतिम चरण को देखें। तुम्हें सब कुछ पता चल जाएगा। मेरा मानना ??है कि अगर आप आज भी नेहरू से इतना डरते हैं, तब आपको नेहरू का मंत्रालय बनाना चाहिए और एक दिन उनके बारे में 12 घंटे लंबी चर्चा करनी चाहिए। हकीकत सामने आ जाएगी।

भाषाई मामले में भारत देश विश्व में सबसे समृद्ध : कोविन्द

–आईजीएनसीए एवं हिन्दुस्तानी भाषा अकादमी ने किया भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन

नयी दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा है कि भाषाओं के मामले में भारत दुनिया में सबसे समृद्ध देश है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली स्थित तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में भारतीय भाषा दिवस के उपलक्ष्य में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) एवं हिन्दुस्तानी भाषा अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कोविन्द ने बच्चों की उपस्थिति पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा, इतनी बड़ी संख्या में भारतीय भाषा के मेधावी छात्रों और भाषा शिक्षकों को देखकर मुझे अत्यंत गौरव की अनुभूति हो रही है। इतना विराट, विशाल वैभवशाली भारत आज मेरे सामने हैं। सचमुच, मुझे यह मिनी भारत का जीता-जागता उदाहरण लग रहा हैं। इस विहंगम दृश्य को देखकर कौन मुग्ध और मोहित नहीं होगा। मुझे इसे बात की खुशी है कि आज माली और फूल एक साथ बैठे हैं। उन्होने कहा कि शिक्षक के रूप में आप सभी गुरुजन माली और शिष्यों के रूप में उपस्थित सभी छात्र फूल हैं। मैं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र एवं हिन्दुस्तानी भाषा अकादमी द्वारा देश के भविष्य और देश के भविष्य के निर्माताओं को उनकी उपलब्धियों को सम्मानित करने हेतु भारतीय भाषा उत्सव आयोजित करने के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि हमारा भारत विविधताओं से भरा देश हैं। भौगोलिक, सांकृतिक, खान-पान, रहन-सहन, आस्था, मान्यताओं की विविधताओं के साथ-साथ भाषाओं के मामले में भारत विश्व में सबसे धनी है। उन्होंने कहा कि हमारे व्यक्तित्व के निर्माण में भाषा की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। सचमुच भाषा हमें गढ़ती हैं और अपनी मिट्टी से जोड़ने का काम भी करती है। भारत केवल प्राचीन सभ्यता के लिए ही नहीं, अपितु अपनी संस्कृति और भाषाई संस्कृति के लिए भी जाना जाता है। उन्होंने कहा, मैं सभी बच्चों से कहना चाहूंगा की वह अपनी मातृभाषा के अलावा और भी भाषाएं सीखें, जिससे आप भारत के समृद्ध इतिहास को जान सकेंगे।

कार्यक्रम में संस्कृति एवं विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा कि जब कोई बच्चा जन्म लेता है, तो वह कोई भाषा नहीं जानता। वह सबसे पहली भाषा वही सीखता है, जो उसकी मां उसे सिखाती हैं। इसीलिए उसे मातृभाषा की संज्ञा दी गई है। आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने कहा कि भारतीय भाषाओं को लेकर यह अब तक का सबसे महत्त्वपूर्ण आयोजन है। आज इस सभागार में वे सभी विद्यार्थी उपस्थित हैं, जिन्होंने भारतीय भाषाओं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इनमें से बहुत से विद्यार्थी ऐसे भी हैं, जिन्होंने 100 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। इस दौरान भारतीय भाषाओं में उच्चांक प्राप्त बच्चों तथा उनके शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

मिशन 2040: अब इंसान को चांद की सैर कराने जा रहा इसरो

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष और अनुसंधान संगठन (इसरो) पूरी दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुका है। यहां तक की अमेरिकी अतंरिक्ष एजेंसी नासा भी इसरो के साथ काम करने को लालयित रही है। अब दोनो मिलकर स्पेश के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारियां जुटाने पर काम कर रहे हैं। आने वाले समय में भारत के लोगों को चंद्रमा की सैर करने का मौका मिलेगा। अंतरिक्ष में एक और तकनीकी उपलब्धि हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसरो को बधाई दी है। चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल ने एक सफल चक्कर लगाया। एक अन्य अनूठे प्रयोग में प्रोपल्शन मॉड्यूल को चंद्र कक्षा से पृथ्वी की कक्षा में लाया गया है। इस उपलब्धि के बारे में इसरो के एक्स पोस्ट का जवाब देते हुए, प्रधान मंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया,बधाई हो इसरो। हमारे भविष्य के अंतरिक्ष प्रयासों में हासिल की गई एक और तकनीकी उपलब्धि में 2040 तक चंद्रमा पर एक भारतीय को भेजने का हमारा लक्ष्य भी शामिल है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा, एक और अनूठे प्रयोग में, विक्रम लैंडर पर हॉप प्रयोग की तरह, चंद्रयान -3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल (पीएम) को चंद्रमा के चारों ओर एक कक्षा से पृथ्वी के चारों ओर एक कक्षा में ले जाया गया। इसरो ने एक्स पर पोस्ट किया कि चंद्रयान-3 मिशन- सीएच-3 का प्रोपल्शन मॉड्यूल (पीएम) एक सफल चक्कर लगाता है! एक अन्य अनूठे प्रयोग में, पीएम को चंद्र कक्षा से पृथ्वी की कक्षा में लाया जाता है। चंद्रयान -3 मिशन का प्राथमिक उद्देश्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के पास एक नरम लैंडिंग का प्रदर्शन करना और विक्रम और प्रज्ञान पर उपकरणों का उपयोग करके प्रयोग करना था। 23 अगस्त को, विक्रम लैंडर ने चंद्रमा पर अपनी ऐतिहासिक लैंडिंग की और उसके बाद प्रज्ञान रोवर को तैनात किया गया। लैंडर और रोवर में वैज्ञानिक उपकरणों को निर्धारित मिशन जीवन के अनुसार 1 चंद्र दिवस तक लगातार संचालित किया गया।

महिला सुरक्षा में नाकाम भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार: कुमारी सैलजा

–राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार में सतासीन लोग बराबर के भागीदार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने आरोप लगाया कि भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार में भ्रष्टाचार नए रिकॉर्ड बना रही है। महिलाओं व बच्चियों की सुरक्षा के खिलाफ बढ़ रही दुष्कर्म समेत आपराधिक घटनाएं इसका प्रमाण है।

सैलजा ने कहा कि भ्रष्टाचार आरोपियों को पकडने के मामले में हरियाणा देश में छठे नंबर पर है। अगर भ्रष्टाचार कम होता तो भ्रष्टाचारियों को पकडने की घटनाएं बढने की बजाय कम होती। राज्य सरकार मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो एनसीआरबी ने साल 2022 में घटे अपराधों को लेकर रिपोर्ट जारी की है। इसमें हरियाणा में बढ़ती घटनाएं हर किसी को चौंका सकती हैं। इस रिपोर्ट के अध्ययन से साफ है कि प्रदेश में कानून का राज नहीं है, बल्कि यहां पर अपराधियों को खौफ लोगों के बीच बढ़ रहा है। खास तौर पर ऐसे अपराध में बढ़ोतरी हो रही है, जिससे हर आम आदमी सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को लेकर भयभीत होने लगता है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एक ही साल में कर्मचारियों व अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के 246 मामले दर्ज होने से पता चलता है कि प्रदेश में भ्रष्टाचार किस स्तर पर पहुंच चुका है। भाजपा के साल 2014 में सत्ता संभालने के बाद से तमाम महकमों में रिश्वत के बढ़ते रेट भी इस बात का सबूत हैं। मुख्यमंत्री के गृह जिले करनाल से ही बार-बार भ्रष्टाचार के मामले सामने आने से साफ है कि इनका कनेक्शन सत्ता में बैठे लोगों तक जिसमें वे बराबर के भागीदार हैं।

सुखदेव गोगामेड़ी पर भारी पड़ी लॉरेंस-आनंदपाल की दुश्मनी, कर दी हत्या

–मिलने के बहाने पहुंचे थे शूटर, लगातार 17 राउंड फायरिंग हुई थी

जयपुर (एजेंसी)। सुखदेव गोगामेड़ी पर लॉरेंस-आनंदपाल की दुश्मनी भारी पड़ गई। राजस्थान में सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड़ में लारेंस विश्नोई गैंग से पुरानी अदावत होने की बात सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि बिश्नोई गैंग गोगामेड़ी को लंबे समय से अपना दुश्मन मानता था। गैंग के बड़े लीडर संपत नेहरा ने पहले ही धमकी में ये साफ कर दिया था कि गोगामेड़ी की हत्या होगी। दरअसल इस गैंग को ये लग रहा था कि गोगामेड़ी दूसरे गैंग के गैंगस्टर्स की मदद करते हैं। राजस्थान में जो गैंग अपराध को अंजाम दे रहे हैं उनके लिए खास बात यही है कि जो भी विरोधी गैंग को कोई सपोर्ट कर रहा है तो ये उसे अपना दुश्मन मान लेते हैं। सुखदेव सिंह गोगामेड़ी के केस में यही हुआ। जानकार बता रहे हैं कि सुखदेव सिंह का विवादों से पुराना नात रहा है। उन पर विभिन्न थानों में 35 केस दर्ज है। सुखदेव सिंह गुर्जर समाज पर पर भी प्रतिकूल टिप्पणियां कर सुर्खियों में रहे है।

आनंदपाल सिंह और विश्नोई गैंग के बीच पुरानी दुश्मनी थी। विश्नोई गैंग को आनंदपाल सिंह और सुखदेव सिंह की दोस्ती पंसद नहीं थी। आनंदपाल की हत्या के बाद दुश्मनी की लकीर और बढ़ गई, और मौका मिलते ही सुखदेव सिंह की हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि करणी सेना के प्रमुख बनने के बाद वो अक्सर चर्चा में रहे, लेकिन साथ ही उनके दुश्मन भी बनने लगे। कुछ समय पहले सुखदेव सिंह गोगामेड़ी को लॉरेंस बिश्नोई के गैंग से धमकी मिली थी। एक बार लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शूटर संपत नेहरा ने गोगामेड़ी को जान से मारने की बात कही थी। करणी सेना प्रमुख ने पुलिस को इस बारे में जानकारी भी दी थी, लेकिन तब ये नहीं पता था कि दुश्मनी इस कदर बड़ी हो जाएगी कि हत्या तक कर दी जाएगी। गौरतलब है कि दोपहर करीब एक बजे सुखदेव सिंह अपने घर पर ही थे।

उनके एक जानने वाले नवीन शेखावत ने उनसे मिलने का वक्त मांगा था। नवीन शेखावत अपने साथ दो लोगों को को लेकर आए थे। इन दो लोगों ने सुखदेव सिंह से मिलने की इच्छा जताई थी। चारों बैठे बातें कर रहे थे, तभी दोनों लड़कों ने अपनी जेब से पिस्टल निकाल ली और सीधा सुखदेव सिंह पर गोली चला दी। नवीन शेखावत समझ ही नहीं पाए ये क्या हुआ। उन्होंने विरोध किया तो उन पर भी गोलियां चला दी। 17 राउंड फायरिंग हुई और फिर दोनों फरार हो गए। पुलिस की जांच अभी शुरू भी नहीं हुई थी कि बिश्नोई गैंग ने इस हत्या की जिम्मेदारी ले ली। बिश्नोई गैंग ने जो धमकी दी थी उसे पूरा कर दिया था। बिश्नोई गैंग के एक गैंगस्टर रोहित गोदारा ने सोशल मीडिया के जरिए हत्या के बाद ये मैसेज दिया।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में मुकेश अंबानी, सचिन तेंदुलकर और रामायण के राम-सीता होंगे शामिल

झज्जर (एजेंसी)। अयोध्या(ईएमएस)। आने वाली 22 जनवरी को वो समय आ रहा है जिसका करीब 5 सौ सालों से इंतजार किया जा रहा था। भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्री मोदी पहली आरती करेंगे। इस मौके पर उद्योगपति मुकेश अंबानी,क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और रामायण के राम (अरुण गोविल) और सीता (दीपिका चिखालिया) विशेष रुप से मौजूद रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 22 जनवरी, 2024 को प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए पहले ही आमंत्रित किया जा चुका है। ट्रस्ट ने 3000 वीवीआईपी सहित 7,000 लोगों को आमंत्रण भेजा है। कार्यक्रम में 1992 में मारे गए कारसेवकों के परिवारों को भी आमंत्रित किया जाएगा। आमंत्रित वीवीआईपी लोगों में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत, योग गुरु राम देव, उद्योगपति रतन टाटा, उद्योगपति गौतम अडाणी भी शामिल हैं। ट्रस्ट ने देशभर से 4000 संतों को भी आमंत्रित किया है जो राम जन्मभूमि परिसर में मौजूद रहेंगे।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, फिल्म स्टार अमिताभ बच्चन और उद्योगपति मुकेश अंबानी सहित करीब सात हजार लोगों को राम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए आमंत्रित किया है। ट्रस्ट के सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। दूरदर्शन पर प्रसारित धारावाहिक 'रामायण में भगवान राम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल (भगवान राम) और देवी सीता की भूमिका निभाने वाली दीपिका चिखलिया को भी इस आयोजन में शामिल होने के लिए आमंत्रण भेजा गया है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा, ''प्राण प्रतिष्ठा समारोह में 50 देशों से एक-एक प्रतिनिधि बुलाने का प्रयास है। आंदोलन के दौरान जान गंवाने वाले 50 कारसेवक परिवारों के लोगों को भी आमंत्रित किया गया है।उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों, वैज्ञानिकों, लेखकों और कवियों को भी आमंत्रण पत्र भेजा गया हैं। राय ने बताया कि इसके अलावा संतों, पुजारियों, शंकराचार्यों, धार्मिक नेताओं, पूर्व नौकरशाहों, सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों, वकीलों, संगीतकारों और पद्म श्री और पद्म भूषण से सम्मानित हस्तियों को भी आमंत्रित किया गया है।

विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के प्रवक्ता शरद शर्मा ने कहा, ''हमने उन पत्रकारों को भी आमंत्रित किया है, जिन्होंने अपने समाचार पत्रों, लेखों और रिपोर्टिंग के माध्यम से हमारे राम मंदिर आंदोलन का समर्थन किया था, उनके (पत्रकारों के) बिना, राम मंदिर का यह संघर्ष अधूरा था। शर्मा ने बताया कि वीवीआईपी को बार कोड पास के जरिए प्रवेश मिलेगा। आमंत्रित 7000 लोगों में से लगभग 4,000 देश भर से आए धार्मिक नेता होंगे। बाकी 3000 विभिन्न क्षेत्रों के वीवीआईपी होंगे। समारोह से पहले आमंत्रित लोगों के साथ एक लिंक साझा किया जाएगा।एक बार जब वे लिंक के साथ पंजीकृत हो जाएंगे, तो कोड उत्पन्न होगा जो प्रवेश पास के रूप में कार्य करेगा।

निमंत्रण पत्र में लिखा है, ''आपको विदित ही हैं कि लंबे संघर्ष के पश्चात, श्री राम जन्मभूमि पर मंदिर का निर्माण कार्य प्रगति पर है। पौष शुक्ल द्वादशी विक्रम संवत 2080, सोमवार (22 जनवरी 2024)को गर्भगृह में रामलला के नूतन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। हमारी प्रबल इच्छा है कि आप इस पुनीत अवसर पर अयोध्या में उपस्थित रहकर प्राण-प्रतिष्ठा के साक्षी बनें और इस महान ऐतिहासिक दिन की गरिमा को बढ़ाएं। निमंत्रण पर राम मंदिर ट्रस्ट के सचिव चंपत राय के हस्ताक्षर हैं। राय ने कहा, ''राम मंदिर में रामलला पांच साल के बालक के रूप में विराजमान होंगे। इसके लिए दो चट्टानों से तीन मूर्तियां बनाई जा रही हैं जिनमें से एक चट्टान कर्नाटक से दूसरी राजस्थान से लाई गई है। उन्होंने कहा, ''मूर्तियां 90 प्रतिशत तैयार हैं और उन्हें अंतिम रूप दिया जा रहा है। प्राण-प्रतिष्ठा के लिए सबसे आकर्षक मूर्ति का चयन किया जाएगा।

यूनेस्को ने गरबा को सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता दी

जिनेवा। यूनेस्को ने गुजरात के नृत्य गरबा को मानवता की एक अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएचएच) घोषित किया है। गरबा आईसीएचएच सूची के साथ-साथ नवरोज़ में भारत के 12 लोगों में शामिल हो गया है, जिसे अन्य देशों के साथ साझा किया जाता है। भारत की सूची में वैदिक मंत्रोच्चार की परंपरा, छाऊ नृत्य, केरल का मुडियेट्टू नृत्य नाटक, रामलीला प्रदर्शन, लद्दाख का बौद्ध मंत्रोच्चार और दुर्गा पूजा शामिल हैं। समिति ने बुधवार को ढाका में रिक्शा और रिक्शा पेंटिंग को भी मान्यता दी। अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए यूनेस्को की अंतर सरकारी समिति ने बुधवार को बोत्सवाना के कसाने में अपनी बैठक में गरबा को अपनी आईसीएचएच सूची में शामिल करने का निर्णय लिया। यूनेस्को ने कहा कि बढ़ते वैश्वीकरण के सामने सांस्कृतिक विविधता बनाए रखने में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत एक महत्वपूर्ण कारक है और विभिन्न समुदायों की ओर से इसकी समझ अंतर-सांस्कृतिक संवाद और जीवन के अन्य तरीकों के लिए पारस्परिक सम्मान में मदद करती है। इसमें कहा गया है कि दशकों से गरबा भारत और दुनिया भर में भारतीय प्रवासियों के बीच गुजराती संस्कृति का एक अभिन्न, बहुसंख्यक घटक रहा है। यूनेस्को ने कहा कि नवरात्रि उत्सव के नौ दिनों के दौरान गरबा किया जाता है जो स्त्री ऊर्जा या शक्ति की पूजा के लिए समर्पित है। इसमें कहा गया, इस स्त्री ऊर्जा की दृश्य अभिव्यक्ति गरबा नृत्य के माध्यम से व्यक्त की जाती है। यूनेस्को ने कहा, एक धार्मिक अनुष्ठान होने के अलावा, गरबा सामाजिक-आर्थिक, लिंग और कठोर संप्रदाय संरचनाओं को कमजोर करके सामाजिक समानता को बढ़ावा देता है। यह विविध और हाशिए पर रहने वाले समुदायों द्वारा समावेशी और भागीदारीपूर्ण बना हुआ है, जिससे सामुदायिक बंधन मजबूत हो रहे हैं। नई दिल्ली में यूनेस्को के क्षेत्रीय कार्यालय के निदेशक टिम कर्टिस ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि यह इस परंपरा की व्यवहार्यता सुनिश्चित करने में मदद करेगा और समुदाय, विशेष रूप से युवाओं को गरबा से जुड़े ज्ञान, कौशल और मौखिक परंपराओं को जारी रखने के लिए प्रेरित करेगा।

बांग्लादेश से निकले 400 रोहिंग्याओं की जान संकट में

-दो बड़ी नावों में सवार ये लोग अंडमान सागर में फंसे

वॉशिंगटन । संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी ने बांग्लादेश से नाव लेकर अंडमान सागर में फंसे 400 रोहिंग्या मुसलमानों के बचाव को लेकर चेतावनी जारी की गई है। बताया जा रहा है कि ये सभी 400 लोग दो बड़ी नावों में सवार होकर बांग्लादेश से निकले थे। ये सभी लोग संकट में फंस गए हैं। इनके पास खाने-पीने का सामान भी अब नहीं बचा है । एजेंसी के क्षेत्रीय प्रवक्ता बाबर बलूच ने चिंता जाहिर करते हुए कि अगर इन लोगों को नहीं बचाया गया तो नाव पर सवार सभी लोग मर सकते हैं। उन्होंने बताया, 'अगर इन लोगों को बचाने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया तो लगभग 400 बच्चे, महिलाएं और पुरुषों की मौत हो सकती है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश से रवाना हुई नावें लगभग दो सप्ताह से समुद्र में होने की सूचना है। शनिवार को एपी द्वारा संपर्क किए गए एक नाव के कप्तान ने कहा कि उसमें 180 से 190 लोग सवार थे, उनके पास भोजन और पानी नहीं था और इंजन क्षतिग्रस्त हो गया था। कैप्टन मान नोकिम ने कहा, 'वे चिंतित हैं कि वे सभी मरने वाले हैं।'रविवार को, नोकिम ने कहा कि नाव थाईलैंड के पश्चिमी तट से 320 किलोमीटर (200 मील) दूर थी। सोमवार को संपर्क करने पर थाई नौसेना के प्रवक्ता ने कहा कि उन्हें नावों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। यूएनएचसीआर के प्रवक्ता बलूच ने कहा कि यह स्थान इंडोनेशिया के सबसे उत्तरी प्रांत आचे से सुमात्रा द्वीप पर लगभग इतनी ही दूरी पर है, जहां शनिवार को 139 लोगों के साथ एक और नाव उतरी थी। उन्होंने कहा कि उनमें 58 बच्चे, 45 महिलाएं और 36 पुरुष शामिल हैं, जो समुद्री यात्रा करने वालों के विशिष्ट संतुलन को दर्शाता है। पिछले महीने सैकड़ों लोग आचे पहुंचे। बता दें कि ये रोहिंग्या आमतौर पर बांग्लादेश में भीड़भाड़ वाले शरणार्थी शिविरों से आते हैं। अगस्त 2017 से लगभग 740,000 रोहिंग्या मुसलमान बौद्ध-बहुल म्यांमार से भागकर बांग्लादेश के शिविरों में आ चुके हैं। म्यांमार के सुरक्षा बलों पर सामूहिक बलात्कार, हत्याओं और हजारों रोहिंग्या घरों को जलाने का आरोप लगाया गया है।

दक्षिण कोरिया और जापान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की मुलाकात शनिवार को

सियोल । दक्षिण कोरिया और जापान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार उत्तर कोरिया की ओर से बढ़ते सैन्य खतरे और अन्य क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा करने के लिए इस सप्ताह सियोल में मुलाकात करने वाले हैं। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि उसके राष्ट्रीय सुरक्षा कार्यालय के निदेशक चो ताइ-योंग शनिवार को सियोल में अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवान और जापान के राष्ट्रीय सुरक्षा सचिवालय के महासचिव ताकियो अकीबा के साथ उत्तर कोरिया और सुरक्षा, प्रौद्योगिकी तथा व्यापार से जुड़े अन्य मामलों पर गहन चर्चा के लिए त्रिस्तरीय बैठक की मेजबानी करने वाले हैं। चो शुक्रवार को सुलिवान और अकीबा के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करने वाले हैं। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि बैठकें ''परस्पर चिंता के क्षेत्रीय मुद्दों, खासतौर से सुरक्षा के माहौल पर चर्चा के मजबूत एजेंड से प्रेरित होंगी। जापान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि उत्तर कोरिया पर चर्चा के विषयों में उसके पहले सैन्य टोही उपग्रह का हाल में हुआ प्रक्षेपण भी शामिल होगा जिसे उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन अमेरिका और दक्षिण कोरिया की सैन्य गतिविधियों पर नजर रखने के लिए अहम बताते हैं।

जर्मनी में भारी बर्फबारी से यातायात दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत

बर्लिन । जर्मनी में भारी बर्फबारी और कड़ाके की ठंड को यातायात दुर्घटना का जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। जर्मनी में हाल में हुए यातायात दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई तथा खराब मौसम के कारण म्यूनिख हवाई अड्डे ने अस्थाई रूप से उड़ाने निलंबित कर दीं। पुलिस ने कहा कि एर्जगेबिर्ज पहाड़ों पर एक स्कूल बस के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से एक छात्र की मौत हो गई तथा कम से कम दस अन्य स्कूली बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे में बस चालक सहित दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि बस चेक सीमा के पास सेहमताल काउंटी में एक शीतकालीन सड़क रखरखाव वाहन से टकरा गई, जिसके बाद वह एक पेड़ से जा टकराया। इसने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन के आगे का हिस्सा पूरी तरह से नष्ट हो गया। म्यूनिख में सुबह छह बजे से दोपहर (0500-1100 जीमटी) के बीच सभी उड़ानें या तब रद्द कर दी गईं या फिर स्थगित कर दी गईं। अपर बवेरिया में ए-8 राजमार्ग पर एक कार और ट्रैक्टर के बीच टक्कर में दो अन्य लोगों की मौत हो गई। डीपीए ने पुलिस के हवाले से बताया कि उनकी कार एक ट्रक के पिछले हिस्से के नीचे घुस गई, जो राजमार्ग की सतह पर जमी बारिश के कारण सोमवार से मंगलवार तक रातभर राजमार्ग पर रुका हुआ था।

सूरज के अंदर इतना बड़ा गड्ढा, 60 पृथ्वी समा जाएं , नासा की रिपोर्ट में दावा

वाशिंगटन । भारत ने सूरज को स्टडी करने के लिए अपना पहला मिशन आदित्य एल-1 भेजा है, जो अगले साल जनवरी में अपने लक्ष्य तक पहुंचेगा। इस बीच नासा द्वारा सूर्य को लेकर की जा रही स्टडी के दौरान चौंकाने वाली बात सामने आई है। दावा है कि सूरज की सतह पर आठ लाख किलोमीटर बड़ा गड्ढा हो गया है। इस छेद की की चौड़ाई इतनी बड़ी है, जिसमें 60 पृथ्वी समा सकती हैं। नासा ने छेद को 'कोरोनल होल' नाम दिया है। खगोलशास्त्रियों का कहना है कि इस कोरोनल होल से सोलर विंड पृथ्वी की तरफ आ रही हैं, जिसके चलते पृथ्वी का रेडियो और सैटेलाइट कम्युनिकेशन सिस्टम टूट भी सकता है। खगोलशास्त्री बता रहे हैं कि कोरोनल छेद एक दिन के भीतर अपने चरम आकार तक पहुंच गया और 4 दिसंबर से शुरू होकर सीधे पृथ्वी का सामना कर रहा है। ये छेद असामान्य नहीं हैं, लेकिन इसके पैमाने और समय ने वैज्ञानिक समुदाय का ध्यान आकर्षित किया है। यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है, क्योंकि यह तब होता है जब सूर्य अपने 11-वर्षीय गतिविधि चक्र के चरम पर पहुंचता है, जिसे सौर अधिकतम के रूप में जाना जाता है। अनुमान लगाया जा रहा है कि 2024 में इसका अंत हो सकता है। शुरुआत में ऐसी चिंताएं थीं कि सौर हवाएं जो 500-800 किलोमीटर प्रति सेकंड के बीच यात्रा कर सकती हैं। ये एक मध्यम जी2 भू-चुंबकीय तूफान को प्रेरित कर सकती हैं, जिससे संभावित रूप से रेडियो ब्लैकआउट की स्थिति पैदा हो जाए।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने कीव, यूक्रेन में यूक्रेन पर रूस के हमले के बीच, यूक्रेनी सशस्त्र बल दिवस पर एक सेवा सदस्य को युद्ध ध्वज सौंपा।

पीएम सुनक के इमीग्रेशन मंत्री ने दिया इस्तीफा

लंदन। ब्रिटेन के इमीग्रेशन (आव्रजन) मंत्री रॉबर्ट जेनरिक ने अवैध प्रवासियों को देश से वापस भेजने की सरकार की रवांडा नीति पर ''गहरी असहमति व्यक्त कर प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया है। जेनरिक को हाल तक सुनक के सहयोगी के तौर पर देखा जाता था। जेनरिक ने कहा कि उन्होंने महसूस किया कि प्रधानमंत्री, गृह मंत्री जेम्स क्लेवरली द्वारा संसदीय बयान में प्रस्तुत आपातकालीन विधेयक 'कानूनी चुनौतियों को समाप्त करने के लिए पर्याप्त नहीं है। सुनक ने उनके इस्तीफे पर कहा कि वह 'निराश हैं, लेकिन पद छोड़ने का उनका तर्क 'स्थिति की बुनियादी गलतफहमी पर आधारित है। जेनरिक ने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'बेहद दुख के साथ मैंने आव्रजन मंत्री के रूप में अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री को दे दिया है। उन्होंने कहा, सरकार की नीति को लेकर जब मेरी इतनी गहरी असहमति है, तब मैं अपने पद पर नहीं बने रह सकता। जेनरिक ने कहा कि इंग्लिश चैनल को पार करने वाली छोटी नौकाएं देश को 'अनजाने में नुकसान पहुंचा रही हैं और सरकार को 'राष्ट्रीय हितों को अंतरराष्ट्रीय कानून के अत्यधिक विवादित बयानों से ऊपर रखने की जरूरत है। उन्होंने बुधवार को सुनक को लिखे अपने इस्तीफे में लिखा, 'मैंने लगातार एक स्पष्ट कानून की वकालत की है जो घरेलू और विदेशी अदालतों के लिए नीति की प्रभावशीलता को अवरुद्ध करने या कम करने के अवसरों को गंभीर रूप से सीमित करता है। अपने जवाब में प्रधानमंत्री सुनक ने कहा कि कि नया विधेयक ''ब्रिटेन सरकार द्वारा अब तक पेश किया गया सबसे कठिन अवैध प्रवासन कानून होगा। उन्होंने कहा, 'रवांडा सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि वह ऐसे कानून पर आधारित ब्रिटेन की इस योजना को स्वीकार नहीं करेगी जिसे अंतरराष्ट्रीय कानून दायित्वों का उल्लंघन माना जा सकता है। समझौता यह सुनिश्चित करता है कि रवांडा भेजे गए लोगों को ऐसे देश में स्थानांतरित करने का खतरा नहीं होगा जहां उनके जीवन या स्वतंत्रता को खतरा हो।

इजराइल से जंग में हमास के वरिष्ठ नेता ने पाकिस्तान से मांगी मदद

तेलअवीव (एजेंसी)। हमास के वरिष्ठ नेता और आतंकवादी समूह के राजनीतिक प्रमुख इस्माइल हानियेह ने कथित तौर पर इजराइल के साथ चल रहे युद्ध में पाकिस्तान से मदद मांगी है। पाकिस्तान मीडिया ने बताया कि पाकिस्तान को बहादुर बताकर उन्होंने कहा कि अगर इजरायल को पाकिस्तान के प्रतिरोध का सामना करना पड़ता है,तब क्रूरता का अपराध बंद हो सकता है। हमास के लिए पाकिस्तान के समर्थन की आशा व्यक्त करते हुए, हनियेह ने देश को मुजाहिदीन (इस्लाम के लिए लड़ने वाले लोग) की भूमि कहा।

रिपोर्ट के अनुसार, चल रहे इजरायल-हमास युद्ध में फिलिस्तीनियों द्वारा किए गए बलिदान को रेखांकित करते हुए, हनियेह ने कहा कि पाकिस्तान की ताकत संभावित रूप से संघर्ष को रोक सकती है।

हमास के शीर्ष नेता ने पवित्र कुरान का बारीकी से पालन करने वाले देशों के बीच गाजा पट्टी में इजरायल के हमले का विरोध करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लगभग 16,000 फिलिस्तीनियों की गिरफ्तारी और पवित्र स्थलों को अपवित्र करने सहित इजरायल की कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय शर्तों का उल्लंघन थी।

इस्माइल हानियेह ने भी फिलिस्तीनी क्षेत्रों पर इजरायल के कब्जे में वृद्धि का हवाला देकर ओस्लो समझौते के कार्यान्वयन न होने पर निराशा व्यक्त की। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने हमास के 7 अक्टूबर के

हमले को भी सही ठहराया और इस आत्मरक्षा बताकर कहा कि इसने इजरायल की कब्जे की योजना को रोक दिया।

हानियेह ने कहा कि फिलिस्तीनियों को पाकिस्तान से उच्च उम्मीदें हैं और देश की ताकत पर विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हमास इजरायल के सबसे उन्नत हथियारों का मुकाबला कर रहा है, और इजरायल के इरादों को पटरी से उतारने में फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह की सफलता के बारे में दृढ़ संकल्प दिखाया। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने अपने भाषण में यहूदियों को दुनिया भर के सभी मुसलमानों का सबसे बड़ा दुश्मन भी कहा। युद्ध शुरू होने के बाद से ही हनियेह हमास का सख्त बात करने वाला चेहरा रहा है। 1962 में गाजा के अल-शती शरणार्थी शिविर में जन्मे उनके माता-पिता 1948 के अरब-इजरायल युद्ध के दौरान अपना घर छोड़कर भाग गए थे। हमास नेता अब कतर में स्थित हैं।

अपने कॉलेज के दिनों से ही हमास से जुड़े हनिएह को 1997 में आतंकवादी समूह का प्रमुख नियुक्त किया गया था। तब से, वह रैंकों में आगे बढ़े और उस समूह के प्रमुख भी थे जिसने 2006 में फिलिस्तीनी विधायी चुनाव जीता और प्रधान मंत्री बने। फिलिस्तीनी प्राधिकरण (पीए) के अध्यक्ष महमूद अब्बास ने जून 2007 में फतह-हमास संघर्ष के चरम पर इस्माइल हानियेह को बर्खास्त कर दिया, लेकिन हमास नेता ने आदेश को स्वीकार नहीं किया और गाजा में प्रधान मंत्री पद का प्रयोग जारी रखा, दोनों में से एक बन गए। 7 अक्टूबर के क्रूर हमले के बाद, सामने आए फुटेज में हनीयेह को हमास के अन्य अधिकारियों के साथ नरसंहार का जश्न मनाते और मनाते हुए दिखाया गया है। गाजा में हनिएह का घर पिछले महीने इजरायली युद्धक विमानों ने नष्ट कर दिया था। उनकी यह टिप्पणी तब आई है जब गुरुवार को इजराइल-हमास युद्ध को दो महीने हो गए। हमास के 7 अक्टूबर के हमले के जवाब में इजराइल ने गाजा में चौतरफा हमला शुरू कर दिया है, जिसमें 1,000 से अधिक इज़राइलियों की जान चली गई थी। आतंकवादी समूह 200 से अधिक बंधकों को भी अपने साथ गाजा पट्टी ले गया, जिनमें से 80 से अधिक - विदेशी नागरिकों सहित - को हाल ही में इज़राइल के साथ सात दिवसीय संघर्ष विराम के दौरान रिहा कर दिया गया था।

बढ़ती महंगाई से विद्यार्थियों की शिक्षा, पोषण जैसी बुनियादी जरुरतें प्रभावित

- पेरेंटकाइन रिपोर्ट में 2 लाख, 73 हजार अभिभावक बच्चों को स्कूल भेजने में असमर्थ

लंदन (एजेंसी)। बढ़ती महंगाई ने यूके के नागरिकों का जीवन दूभर कर दिया है। इसके चलते संभ्रान्त परिवारों की आय में भी हो रही गिरावट के कारण संतानों को आवश्यक शिक्षा सुनिश्चित कराने जैसी बुनियादी जरुरतें प्रभावित हुई हैं।

यूनाइटेड किंग्डम की पेरेंटिंग चैरिटी संस्था पेरेंटकाइन के हाल ही के सर्वे रिपोर्ट में बताया गया कि देश में 5 से 11 साल की आयु के करीब 1 लाख विद्यार्थियों आवश्यक पुस्तकें क्रय करने में असमर्थ हैं। सर्वे में 3067 इंगलैंड वासी अभिभावकों में से 14 फीसदी ने बताया कि बच्चों की शिक्षा में बाधक तथ्यों की सरकार द्वारा उपेक्षा की जा रही है। सर्वे में बताया गया कि गणवेश की कीमतें 50 फीसदी बढ़ने से यू.के. के 28 लाख विद्यार्थी प्रभावित हुए हैं।

देश में स्कूलों द्वारा विद्यार्थियों के लगाए जाने वाले ट्रिप भी 44 फीसदी महंगे हो जाने से विद्यार्थियों का पोषण प्रभावित हुआ है। ऐसे में 61 फीसदी अभिभावक यूनिफार्म की बढ़ती कीमतों से परेशान हैं जबकि स्कूल के ट्रिप पर होने वाले सहचर्चा से 52 फीसदी अभिभावक परेशान हैं।

सर्वे में कहा गया है कि 25 फीसदी लोग महंगाई के कारण अपने बच्चों को स्कूल भेजने के मामले में संघर्ष कर रहे हैं। इनमें से करीब 2 लाख 73 हजार बच्चे ऐसे हैं, जिन्हें साल में महज दो बार स्कूल भेजा गया। 55 प्रतिशत अभिभावकों ने बताया कि वे अपने बच्चों को रोजाना विद्यालय भेज रहे है, जबकि 38 फीसदी अभिभावक सप्ताह में एक बार वहीं 6 फीसदी अभिभावक महीने में एक बार ही बच्चों को स्कूल भेजने में समर्थ हैं। 48 फीसदी अभिभावकों का मानना है कि उनके बच्चों का भविष्य अच्छा होगा, जबकि 41 फीसदी अभिभावक आने वाले समय में बच्चों के बेहतर भविष्य की अपेक्षा रखते हैं।

पेरेंटकाइन सर्वे एजेंसी के सी.ई.ओ. और पूर्व अध्यापक जैसन एल्सम ने कहा कि सर्वे के भयावह परिणामों से देश के राजनीतिज्ञों को सचेत होना चाहिए।

चीन की झील में दिखाई दी जलपरी जैसी मछली

-इंसानों से मिलता-जुलता चेहरा है इस मछली का

वॉशिंगटन (एजेंसी)। आपने शायद ही कभी कोई ऐसी मछली देखी होगी, जिसका चेहरा इंसानों से मिलता-जुलता हो। चीन की एक झील में बिल्कुल जलपरी जैसी एक मछली दिखाई दी है। इसका शरीर तो मछलियों जैसा है, लेकिन बिल्कुल इंसानों जैसा है। लोग इसे तैरता देखकर हैरान हो रहे हैं।

आखिर क्या है इस जीव की सच्चाई। इस अजीबोगरीब सी मछली को चीन के सरोवर में देखा गया है। दक्षिण चीन के कुनमिंग के पास एक गांव में ये मछली दिखी, जिसका लोगों ने वीडियो बना लिया। एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2019 में ये वीडियो बनाया गया था, जिसमें मछली झील के किनारे की ओर आती हुई दिख रही है। उसका चेहरा बीच-बीच पानी से ऊपर भी आता है। उसके सिर पर काले धब्बे हैं, जो इंसानी आंखों की तरह लग रहे हैं। दो सीधी लाइनें नाक के पास बनी हुई हैं, वहीं एक आड़ी लाइन इस तरह बनी है, जो मुंह की तरह लग रही है। मछली को देखने के बाद लोग सोशल मीडिया पर लिखा है कि ये काफी डरावनी है तो वहीं कुछ यूज़र्स का ये भी कहना था कि ये जलपरी बन गई है।

सोशल मीडिया के तमाम प्लेटफॉर्म्स पर इसे शेयर गया और देखने वाले सिर्फ यही कह रहे थे कि इसे खाने की हिम्मत कौन करेगा? कुछ ने तो इसे एलियन भी बता दिया और इसकी कीमत 42 लाख रुपये से भी ऊपर लगाई गई है। बता दें कि दुनिया में मछलियों की अलग-अलग प्रजातियां पाई जाती हैं। कोई मछली छोटी ही होती है तो कोई काफी बड़ी हो जाती है। कुछ मछलियां ऐसी भी हैं, जिनके मुंह के अंदर बिल्कुल इंसानों की तरह दांत और जबड़े होते हैं।

अमेरिका के लिए चीन की जासूसी करने का लगा था किन गैंग पर आरोप, 6 महीने से लापता पूर्व चीनी विदेश मंत्री की मौत, जिनपिंग ने करवायी हत्या?

वाशिंगटन (एजेंसी)। चीन में तानाशाही चरम पर है। वहां पर कई अधिकारी और मंत्री गायब हो चुके है। शी को जिस से खतरा महसूस होता है वह उन्हें गायब करवा देते हैं। चीन के पूर्व विदेश मंत्री किन गैंग के गायब होने के बाद चीन के पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू के साथ कई और हाई प्रोफाइल ऑफिशियल?स गायब हो चुके हैं। किन गैंग को लेकर कई बार चीनी सरकार पर आरोप लगा कि उन्हें मरवा डाला गया है। किन गैंग पर अमेरिका की जासूसी करने का भी आरोप लगाया गया था। अब यह पुष्टी की जा रही है कि टॉर्चर करके किन गैंग को मार डाला गया है और इसे सुसाइड का मुखौटा पहना दिया गया है। आखिर इनकी मौत कैसे हुई उसे लेकर अभी कुछ भी साफ नहीं है।

चीन के पूर्व विदेश मंत्री किन गैंग जिन्हें जुलाई में उनके पद से हटा दिया गया था, उनकी कथित तौर पर आत्महत्या या यातना से मृत्यु हो गई है। पोलिटिको की एक रिपोर्ट के अनुसार, शीर्ष चीनी अधिकारियों तक पहुंच रखने वाले दो लोगों ने दावा किया है कि जुलाई

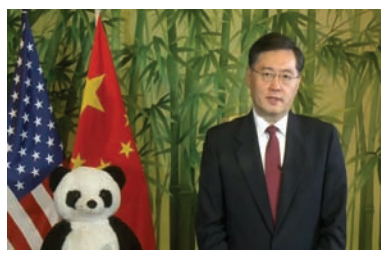

के अंत में बीजिंग के एक सैन्य अस्पताल में किन की मृत्यु हो गई। कथित तौर पर यह अस्पताल देश के शीर्ष नेताओं का इलाज करता है। इससे पहले, वॉल स्ट्रीट जर्नल ने बताया था कि संयुक्त राज्य अमेरिका में राजदूत रहने के दौरान किन के विवाहेतर संबंध थे। इसमें यह भी उल्लेख किया गया है कि पूर्व विदेश मंत्री जांच में सहयोग कर रहे थे, जो इस बात पर केंद्रित था कि क्या मामले या किन के आचरण ने चीन की राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता किया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि वरिष्ठ चीनी अधिकारियों को बताया गया कि आंतरिक कम्युनिस्ट पार्टी की जांच में पाया गया कि संयुक्त राज्य अमेरिका में चीन के राजदूत के रूप में अपने पूरे कार्यकाल के दौरान किन इस मामले में संलिप्त थे। दो सूत्रों ने अखबार को बताया कि इस मामले के परिणामस्वरूप संयुक्त राज्य अमेरिका में एक बच्चे का जन्म हुआ। इसके अलावा, जुलाई में, नौकरी में बमुश्किल आधे साल के लिए कर्तव्यों से एक महीने की रहस्यमय अनुपस्थिति के बाद किन को विदेश मंत्री के रूप में अनुभवी राजनयिक वांग यी द्वारा प्रतिस्थापित किया गया था। वह जुलाई 2021 से इस साल जनवरी तक वाशिंगटन में चीन के शीर्ष दूत थे। पूर्व विदेश मंत्री मई में गोवा में हुई एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी शामिल हुए थे। उन्हें अंतिम बार 25 जून को रूसी, श्रीलंका और वियतनामी अफसरों के साथ बैठक में देखे गए थे। इसके बाद से सार्वजनिक कार्यक्रमों में नहीं दिखे। ईंट का जवाब पत्थर से देने वाले कूटनीतिज्ञ के रूप में मशहूर क्विन गेंग दिसंबर 2022 में चीन के विदेश मंत्री बने थे। गेंग ने 10 साल तक विदेश मंत्री रहे वांग यी का स्थान लिया था।

इजरायली महिलाओं के साथ हो रहे दुष्कर्म पर भड़के नेतन्याहू बोले- अब चुप क्यों है दुनिया

तेल अवीव (एजेंसी)। हमास और इजरायल के बीच चल रही जंग के दौरान महिलाओं को निशाना बनाया जा रहा है। उनके साथ जुल्म हो रहे है और दुष्कर्म किया जा रहा है। इस अत्याचार का शिकार इजरायली महिलाएं हो रही हैं। अब मानवाधिकार संगठन और आर्तकियों की पैरवी करने वाले चुप क्यों हैं। ये सवाल इजरायल के पीएम नेतन्याहू ने अंतरराष्ट्रीय संगठनों निशाना साधते हुए किए है। पीएम नेतन्याहू ने महिलाओं पर हमास आर्तकियों के किए जुल्म पर चुप्पी साधने के लिए महिला संगठनों और संयुक्त राष्ट्र की कड़ी आलोचना की है।

नेतन्याहू ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया कि मैं महिला अधिकार संगठनों, मानवाधिकार संगठनों से कहता हूं, आपने इजराइली महिलाओं के बलात्कार, भयानक अत्याचार, यौन उत्पीड़न के बारे में सुना है, लेकिन आप कहां हैं? मैं सभी नेताओं, सरकारों, देशों से अपेक्षा करता हूं कि वे इस अत्याचार के खिलाफ बोलें। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दुनिया भर के महिला अधिकार संगठनों को संबोधित करते हुए उन पर हमास आतंकवादियों द्वारा महिलाओं के कथित यौन उत्पीड़न पर आंखें मूंदने का आरोप लगाया। 7 अक्टूबर को इपराइल में एक आउटडोर संगीत समारोह पर हमास के हमले के दौरान एक गड्ढे में छिपे एक व्यक्ति ने कहा कि उसने पास में किसी को चिल्लाते हुए सुना कि उसके साथ बलात्कार किया जा रहा है। साथ ही एक इजराइली अधिकार समूह के पहले आकलन से पता चलता है कि यौन हमला हमास और अन्य गाजा आतंकवादियों द्वारा किए गए अत्याचार से भरे क्रोध का हिस्सा था, जिसमें लगभग 1,200 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकांश नागरिक थे, और उस दिन 240 से अधिक बंधक बना लिए गए थे। जबकि जांचकर्ता अभी भी यौन हमलों के दायरे को निर्धारित करने की कोशिश कर रहे हैं, इज़राइल की सरकार अंतरराष्ट्रीय समुदाय, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र पर इज़राइली पीड़ितों के दर्द को नजरअंदाज करने का आरोप लगा रही है।

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संवाददाता सम्मेलन में अपनी बात पर जोर देने के लिए अंग्रेजी का सहारा लिया। उन्होंने कहा कि मैं महिला अधिकार संगठनों, मानवाधिकार संगठनों से कहता हूं, आपने इजराइली महिलाओं के बलात्कार, भयानक अत्याचार, यौन उत्पीड़न के बारे में सुना है लेकिन आप कहां हैं? अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यौन हिंसा की रिपोर्टों को भयावह कहा और दुनिया से अकल्पनीय क्रूरता की निंदा करने का आग्रह किया। बता दें कि दक्षिणी इजराइल में संगीत समारोह, कृषक समुदायों और सेना चौकियों पर हमास के हमलों के दो महीने बाद, पुलिस अभी भी टुकड़ों को एक साथ रखने के लिए संघर्ष कर रही है। हमलों के तुरंत बाद शवों की पहचान करने को प्राथमिकता दी गई, न कि सबूत सुरक्षित रखने को। पुलिस का कहना है कि वे अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए हमास हमलावरों के शरीर के कैमरों, सोशल मीडिया और सुरक्षा कैमरों से जब्त किए गए 60,000 वीडियो के साथ-साथ 1,000 गवाहियों की जांच कर रहे हैं। बलात्कार से बचे लोगों को ढूंढना मुश्किल हो गया है, कई पीड़ितों को उनके हमलावरों ने मार डाला है।

ग्रुप फिजिशियन्स फॉर ह्यूमन राइट्स इज़राइल, जिसके पास गाजा में इजराइल की लंबे समय से नाकाबंदी के तहत पीड़ित फिलिस्तीनी नागरिकों की वकालत करने का रिकॉर्ड है, ने नवंबर में एक प्रारंभिक मूल्यांकन प्रकाशित किया था। वहीं हमास ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है कि उसके बंदूकधारियों ने यौन उत्पीड़न किया है। हालांकि एक युद्ध चिकित्सक ने बताया कि जब वह हमला किए गए समुदायों में से एक में पहुंचा तो उसे आधा दर्जन महिलाओं और पुरुषों के शव मिले, जिनमें यौन उत्पीड़न के संभावित लक्षण थे। ओपन-सोर्स जानकारी और साक्षात्कारों के आधार पर, ह्यूमन राइट्स इज़राइल के चिकित्सक संगीत समारोह, गाजा पट्टी के आसपास के घरों और एक इजराइली सैन्य अड्डे पर हमास द्वारा हमला किए गए घटनाओं के दस्तावेजों की रिपोर्ट तैयार की है। इसमें कहा गया है, 'यह और अधिक स्पष्ट होता जा रहा है कि महिलाओं, पुरुषों और बच्चों के खिलाफ होने वाली हिंसा में व्यापक यौन और लिंग आधारित अपराध भी शामिल हैं।

नेतन्याहू और उनके युद्ध मंत्रिमंडल के सदस्यों ने हाल ही में रिहा हुए बंधकों और गाजा में अभी भी बंधकों के परिवार के सदस्यों के साथ एक तनावपूर्ण और भावनात्मक बैठक की। प्रतिभागियों ने कहा कि हाल ही में रिहा किए गए कुछ बंधकों ने गाजा में अपने समय के दौरान यौन

शोषण की गवाही साझा की। अलग से, रिहा किए गए 110 बंधकों में से कुछ का इलाज करने वाले एक डॉक्टर ने एपी को बताया कि मुक्त किए गए लोगों में से कम से कम 10 पुरुषों और महिलाओं का यौन उत्पीड़न या दुर्व्यवहार किया गया था, लेकिन उन्होंने अधिक विवरण नहीं दिया। उन्होंने बंधकों की पहचान गुप्त रखने की शर्त पर यह बात कही। इजराइली सेना के अनुसार, 15 महिलाओं सहित 138 बंधक अभी भी गाजा में हमास और अन्य आतंकवादी समूहों द्वारा रखे गए हैं। सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल रिचर्ड हेचट ने कहा कि सेना महिला बंधकों के खिलाफ यौन हिंसा को लेकर पूरी तरह से चिंतित है।

रणबीर कपूर के साथ एक बार फिर काम करना चाहती हूं

रणबीर कपूर स्टारर फिल्म एनिमल 1 दिसंबर को रिलीज हो गई है। इस एक्शन-ड्रामा फिल्म में तृप्ति डिमरी भी एक अहम कैमियो करती नजर आईं। फिल्म में निभाए गए रणबीर के खूंखार किरदार की तारीफ सब जगह हो रही है। वहीं एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी के साथ रणबीर की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को भी काफी सराहना मिल रही है। तृप्ति ने फिल्म में जोया का किरदार निभाया है। एक इंटरव्यू के दौरान तृप्ति ने एनिमल फिल्म में रणबीर कपूर के साथ काम करने का अपना एक्सपीरियंस शेयर किया। उन्होंने कहा- रणबीर के साथ काम करके बहुत अच्छा लगा। वे एक ग्रेट एक्टर के साथ-साथ काफी वॉर्म एंड वेलकमिंग नेचर के इंसान हैं। मुझे उनके साथ काम करने में बहुत मजा आया। रणबीर के साथ मेरी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री के लिए ऑडियंस जिस कदर प्यार बरसा रही है, वो बहुत अच्छा लग रहा है। उम्मीद है कि भविष्य में मैं फिर से रणबीर के साथ जरूर काम करूंगी। आलिया भट्ट ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया था। उन्होंने एनिमल टीम को बधाइयां दी। आलिया ने उस पोस्ट पर तृप्ति की भी तारीफ की। उन्होंने लिखा- शानदार परफॉर्मेंस, वाकई में क्या बखूबी से अपना किरदार निभाया। तृप्ति डिमरी ने अपने करियर की शुरुआत 2017 में फिल्म पोस्टर बॉयज से की थी। इसके अलावा वो नेटफ्लिक्स की फिल्म कला, बुलबुल और लैला मजनू जैसी फिल्मों का हिस्सा रह चुकी हैं। इतना ही नहीं तृप्ति डिमरी अनुष्का शर्मा के भाई कर्णेश शर्मा के साथ अपने लिंकअप को लेकर भी चर्चा में रह चुकी हैं। हालांकि इन दोनों की रिलेशनशिप ज्यादा समय तक नहीं चली और दोनों ने जुलाई 2023 में ब्रेकअप कर लिया था। बता दें, तृप्ति की बुलबुल और कला दोनों फिल्में कर्णेश के प्रोडक्शन बैनर क्लीन स्लेट फिल्म्स के तले बनाई गई थीं।

क्वेंटिन टारनटिनो की आखिरी फिल्म में काम करना चाहती हैं अनन्या

अनन्या पांडे ने फिल्म निर्माता क्वेंटिन टारनटिनो के साथ काम करने की इच्छा जताई और कहा कि मुझे उनकी आखिरी फिल्म में शामिल होना हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि वह भारत में निर्देशक संजय लीला भंसाली के साथ काम करना चाहती हैं। अनन्या ने जेद्दाह में रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में भाग लिया। डेडलाइन के साथ एक इंटरव्यू के दौरान, उन्होंने कहा कि फिल्म निर्माता करण जौहर ने उन्हें एक्टर बनने के लिए प्रेरित किया। उनके इंटरव्यू का वीडियो रेडिट पर है। अनन्या ने कहा कि कभी खुशी कभी गम और कुछ कुछ होता है ने उन्हें एक्टर बनने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने कहा, यह बॉलीवुड की वह बड़ी फिल्म थी जिसके बारे में आप जानते हैं, मैं सभी गानों को रीक्रिएट करते हुए, डांस करते हुए और गाते हुए बड़ी हुई हूं और मुझे लगता है कि उन्होंने मुझे एक एक्ट्रेस बनने के लिए प्रेरित किया। यह पूछे जाने पर कि वह आगे किन निर्देशकों के साथ काम करना चाहती हैं, अनन्या ने जवाब दिया- संजय लीला भंसाली के साथ काम करना पसंद करूंगी। अगर मैं विश्व स्तर पर किसी को चुन सकूं, तो मैं कहूंगी... टारनटिनो। मैंने सुना है कि वह अपनी आखिरी फिल्म बना रहे हैं और मुझे किसी भी तरह उनकी 10वीं फिल्म में शामिल होना है। वर्कफ्रंट की बात करें तो अनन्या आखिरी बार आयुष्मान खुराना के साथ ड्रीम गर्ल 2 में नजर आई थीं। उनकी अगली फिल्म खो गए हम कहां है।

नीना गुप्ता की ईमानदारी मुझ पर असर करती है

अभिनेता जैकी श्रॉफ आगामी फिल्म मस्त में रहने का में नजर आने वाले हैं। उन्होंने बताया कि फिल्म के दोनों सह-कलाकार नीना गुप्ता और मैं अभिनय के बहुत अलग स्कूलों से आते हैं और उनकी ईमानदारी उन पर असर डालती है। मस्त में रहने का एक स्ट्रीमिंग फिल्म है, जिसे विजय मौर्य ने लिखा और निर्देशित किया है। जैकी और नीना को पिछली बार आठ साल पहले एक लघु फिल्म खुजली में देखा गया था, जिसमें एक मध्यम आयु वर्ग के जोड़े की गुप्त इच्छाओं और छिपी हुई कल्पनाओं को दिखाया गया था। ऐसे युग में जहां सभी का ध्यान उभरते अभिनेताओं पर है, ये दोनों दिग्गज स्क्रीन पर अपनी केमिस्ट्री से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने में कामयाब रहे हैं। नीना के साथ काम करने के बारे में बात करते हुए जैकी ने कहा, हम सीखने के दो अलग-अलग स्कूलों से आते हैं। वह नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से हैं। वह एक सम्मानित और प्रतिष्ठित कलाकार हैं जबकि मैंने सेट पर अपनी कला सीखी है। उन्होंने कहा, तो निश्चित रूप से विपरीत चीजें आकर्षित करती हैं, मैं उससे सीखता हूं और मुझे नहीं पता कि वह मुझसे कुछ सीख सकती है या नहीं, लेकिन, उनकी ईमानदारी मुझ पर प्रभाव डालती है। लेकिन जब हम स्क्रीन पर एक साथ आते हैं तो हमें एक-दूसरे के बारे में शानदार समझ होती है। मुझे लगता है कि हमारी केमिस्ट्री खूबसूरती से मिश्रित है और दर्शक भी इसे महसूस करते हैं। मस्त में रहने का, को मेड इन मौर्य के बैनर तले निर्मित किया गया है, और यह प्यार और जीवन में दूसरे मौके, क्षमा और मोचन के सार्वभौमिक विषयों पर आधारित है। कहानी एक मार्मिक ओडिसी है, जो इस गहन अहसास को दर्शाती है कि जीवन एक खजाना है। नीना ने कहा कि वह और जैकी कई सालों बाद वापस आ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'खुजली' के बाद, पंद्रह मिनट की फिल्म जिसे हर किसी ने पसंद किया, कम से कम जो कोई भी इसे देख सकता था। हमें ऐसा करने में बहुत मजा आया और मस्त में रहने का करने में हमें और भी ज्यादा मजा आया।

ऋषभ शेट्टी बोले- दबाव में काम नहीं कर सकता

बीते वर्ष ब्लॉकबस्टर फिल्म कांतारा देने वाले ऋषभ शेट्टी अब इसके प्रीक्वल कांतारा 2 को लेकर चर्चा में हैं। पहली फिल्म देखने के बाद ऋषभ से दर्शकों की उम्मीदें बंधी हुई हैं। लेकिन, खुद ऋषभ का कहना है कि वे सफलता के पीछे दौड़ना पसंद नहीं करते, बल्कि अपने काम पर फोकस करते हैं। ऋषभ शेट्टी के मुताबिक वे दबाव में काम नहीं कर सकते हैं। ऋषभ शेट्टी का कहना है, मैं खुद को किसी के सामने साबित नहीं करना चाहता। अगर आप ऐसा करने की कोशिश करते हैं तो ये सबसे बड़ा बोझ है। मुझे नहीं लगता कि अगर मैं कांतारा की सफलता का बोझ अपने सिर पर लूंगा तो मैं ईमानदारी से काम कर पाऊंगा। मैं दबाव में काम नहीं कर सकता। मेरा फोकस लोगों को एक अनोखा अनुभव प्रदान करना है। ऋषभ ने आगे कहा, मुझे किसी तरह की उम्मीद आदि नहीं हैं। मैं हर फिल्म के साथ सफलता का पीछा नहीं कर रहा हूं। कांतारा के साथ भी ऐसा इरादा नहीं था। अगर मैं ऐसा करूंगा तो मैं अपनी कहानियां कहने से भटक जाऊंगा। मेरी कोशिश हमेशा दर्शकों के सामने कहानी में नवीनता पेश करने की होती है। बता दें कि फिल्म कांतारा के लेखन का जिम्मा भी ऋषभ शेट्टी ने संभाला। मेकर्स ने बीते दिनों कांतारा 2 का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया था। हाल ही में कर्नाटक के कुंडापुरा के एक ऐतिहासिक मंदिर में फिल्म की मुहूर्त पूजा भी कराई गई।

एनिमल के लिए बॉबी ने सीखी थी साइन लैंग्वेज

फिल्म 'एनिमल' लोगों को खूब पसंद आ रही है। फिल्म में विलेन का किरदार निभाने वाले एक्टर बॉबी देओल का पूरी फिल्म में एक भी डायलॉग नहीं था। उन्हें केवल साइन लैंग्वेज में ही बात करनी थी। एक इंटरव्यू के दौरान बॉबी देओल ने बताया कि मैं हमेशा से एक ऐसा किरदार निभाना चाहता था जो मेरे कम्फर्ट जोन से बाहर हो। मैं चाहता हूं कि मैं और ज्यादा चैलेंजिंग काम करूं। क्योंकि ऐसा करने से आपके अंदर छिपा टैलेंट बाहर आता है। मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि जब डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा ने उन्हें बताया था कि फिल्म में उनका कोई डायलॉग नहीं है तो वह दंग रह गए। उन्होंने 1 महीने तक साइन लैंग्वेज की ट्रेनिंग ली। बॉबी ने संदीप रेड्डी और रणबीर की काफी तारीफ की।

संदीप ने कहा मुझे म्यूट रहना है..

बॉबी देओल ने बताया कि जब संदीप रेड्डी वांगा ने कहा कि आपका किरदार म्यूट है, तो मैंने कहा, क्या? मुझे बोलने की परमिशन ही नहीं है... मेरा मतलब है कि हर कोई मेरे बोलने के तरीके को पसंद करता है और उन्होंने कहा, हां, लेकिन मैं चाहता हूं कि यह किरदार म्यूट हो। बॉबी ने कहा कि ये सुनकर मैं हैरान तो था लेकिन मैंने कहा- ओके ठीक है। एक्टर ने बताया, मुझे नहीं पता था कि मैं इस बारे में कितना गलत सोचता हूं। लेकिन इस म्यूट किरदार ने इसे और मजेदार बना दिया। एक महीने के लिए मैंने साइन लैंग्वेज सीखी और उससे मुझे काफी मदद मिली।

बॉबी की कड़ी मेहनत रंग लाई

बॉबी देओल ने आगे कहा, मैं नहीं चाहता था कि ऐसा लगे कि यह मेरी बॉडी लैंग्वेज का हिस्सा नहीं है। मैं साइन लैंग्वेज में बात कर रहा था। इसी कारण यह ज्यादा इंटरेस्टिंग था। इससे मेरा यह फायदा भी हुआ कि कहीं न कहीं इससे लोगों का ध्यान मेरे ऊपर ज्यादा आया। बॉबी ने रणबीर कपूर और डायरेक्टर की तारीफ की। कहा, बहुत ही मजा आया और एनिमल के सेट पर मैंने हर पल को इंजॉय किया। मुझे संदीप रेड्डी बहुत ज्यादा पसंद आए। वह बहुत ही शानदार डायरेक्टर हैं और मैं रणबीर को भी पसंद करता हूं। वह एक मैजिकल आर्टिस्ट हैं। उन्होंने कहा- इतने बड़े स्टार होने के बावजूद वह जमीन से जुड़े हुए बहुत साधारण स्वभाव के व्यक्ति हैं। जब आप उनके साथ काम करते हैं तो वह आपको खास महसूस कराते हैं। वह बहुत ही सिंपल हैं, उनके साथ काम करने का अनुभव बहुत ही अद्भुत है।

ये वास्तविक जीवन से जुड़ी कहानियों का दौर

फिल्म अभिनेता मनोज बाजपेयी ने कहा कि आम आदमी वास्तविक जीवन से जुड़ी कहानियों को पसंद करते हैं। अमेरिका में ऐड-ऑन के जी5 ग्लोबल लॉन्च पर एक पैनल चर्चा के दौरान, मनोज को अन्य लोगों के साथ इस बारे में बात करते हुए देखा गया कि कैसे फिल्म निर्माताओं को वास्तविक जीवन से जुड़ी फिल्मों के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

मनोज ने कहा, जब मैं महेश भट्ट के साथ काम कर रहा था तो मैं उन्हें असिस्ट भी कर रहा था। मैंने तमन्ना में एक भूमिका निभाई है, हम एक साथ काफी समय बिताते थे। वह ऐसा समय था जब मुझे याद है कि मैंने उनसे कहा था कि हमारा सिनेमा चल रहा है क्योंकि हमारे नायक दर्शकों की तरह नहीं दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह एक खतरा है और महेश साहब इस बारे में अपनी राय देंगे कि मैंने हमेशा इस मुद्दे पर उनसे लड़ाई की और फिर मैं गलत साबित होने लगा, क्योंकि यह दर्शकों और उनके जीवन से दूर रहा। मनोज ने कहा, फिल्म बड़ी होने लगी और फिल्म को इतनी सफलता मिलने लगी कि वे सभी लोग और फिल्म निर्माता जो वास्तविक कहानियों के लिए जाने जाते थे, उनके होश उड़ने लगे और विदेशों में शूटिंग बढ़ने लगी। मनोज ने याद किया कि कैसे उन्हें न्यूयॉर्क में एक भूमिका की पेशकश की गई थी और उन्हें मना करना पड़ा था और कहा था- मुझे ऐसा लग रहा था कि मैं उनमें से किसी की तरह नहीं दिखूंगा, इसलिए मुझे यह भूमिका मत दो। यह एक हताश कदम था जिसे मैं देख सकता था। वह एक आकांक्षापूर्ण समय था। यह बिल्कुल स्पष्ट था कि अधिकांश आबादी कुछ और बनने की आकांक्षा रखती थी। आगे कहा, किसी गैर-फिल्मी शख्स ने मुझे यह बताया कि आरआरआर और पुष्पा के बाद वे अल्लू अर्जुन और एनटीआर का जश्न मना रहे हैं। आरआरआर और पुष्पा के साथ शेष भारत को इसका एहसास हुआ। यह केवल इसलिए है क्योंकि वे उस स्क्रीन पर अपने नायकों को देख सकते थे। उन्होंने कहा, यह एक सबक है। ऐसा नहीं है कि हमें उनकी कहानियों की नकल करना शुरू कर देना चाहिए या वे इसे कैसे बनाते हैं। हमें अपनी कहानी कहने पर कायम रहना चाहिए लेकिन हमारा हीरो दर्शकों के बीच से आना चाहिए, जैसा कि यह अमिताभ बच्चन में था। मनोज को लगता है कि अगर हम लोगों को कहानियां सुनाना शुरू कर दें और अपने नायक को जनता से लें तो चीजें बदल जाएंगी।